दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Please Don't Disturb

Tripti Dimri...

Ranchi ● Sunday, 19 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 07 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

7,615 चांदी 104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS निशिकांत दुबे व सुखदेव भगत को मिली बडी जिम्मेदारी

RANCHI: गोड्डा के भाजपा सांसद दुबे और लोहरदगा के कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत को केंद्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। दोनों को देवघर एम्स के शासी निकाय का सदस्य घोषित किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इससे संबंधित गजट प्रकाशित कर दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव अंकिता मिश्रा बुंदेला की ओर से जारी गजट के अनुसार, एम्स अधिनियम के तहत एम्स के शासी निकास के सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्षों का होगा। शासी निकाय एम्स की कार्यकारी समिति होगी और ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगी। शासी निकाय की समिति एम्स के विकास सहित सुविधा पर नियमित बैठक करेगी और अपनी शक्तियों का प्रयोग करेगी।

कोयला कर्मियों को पीएफ पर मिलेगा 7.6% ब्याज

RANCHI : पिछले वर्ष की तरह साल २०२४ २५ के लिए कोयला कर्मियों के भविष्य निधि (पीएफ) पर 7.6 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। हैदराबाद में हुई कोल माइंस प्रोविडेंट फंड ऑर्गेर्नाइजेशन (सीएमपीएफओ) बोर्ड आफ ट्रस्टी की मीटिंग में इस विषय पर सहमति बनी। ब्याज दर वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के बाद पीएफ फंड में इंक्लूड की जाएगी। बैठक में पेंशन फंड को सुदृढ़ करने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। हालांकि इसपर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया। पेंशन में बदलाव और इसे मजबूत करने के लिए विभिन्न सुझाव सामने आए। एटक के रमेंद्र कुमार ने पेंशन में बदलाव और वृद्धि की मांग उठाई।

सैफ अली पर अटैक मामले में एमपी से एक संदिग्ध पकड़ाया

MUMBAI: बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमले के मामले में पुलिस ने शनिवार को एक संदिग्ध को मध्यप्रदेश से पकड़ा गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उससे पूछताछ की जो गई। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं है। पुलिस अब तक करीब 50 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। मामले में 35 टीमें लगाई गई हैं, जो आरोपी का सुराग ढूंढ़ने में लगी हुई हैं। दूसरी ओर पुलिस ने शुक्रवार को करीना कपुर का बयान दर्ज किया था। लेकिन, यह बयान शनिवार सुबह सामने आया। करीना ने बताया कि सैफ ने महिलाओं और बच्चों को बचाने की कोशिश की।

ठंड के कारण खुले में नहीं होगा ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह

NEW DELHI : 20 जनवरी को अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह भीषण ठंड की वजह से खुले में न होकर यूएस कैपिटल हिलँ (संसद) के अंदर होगा। रॉयटर्स के मुताबिक, 40 साल में यह पहली बार होंगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह संसद के भीतर किया जाएगा। ट्रंप के शपथ ग्रहण के दौरान तापमान माइनस ७ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल प्लेटफॉर्म दुथ पर कहा, 'देश में आर्कटिक (नॉर्थ पोल के पास) का बफीर्ला तूफान चल रहा है। मैं नहीं चाहता कि लोग किसी भी तरह से घायल हों।

नौकरशाही

ब्रजेश मिश्र

झारखंड में नई

गठन के बाद से

सरकार के

उलटफेर नहीं हुआ है।

नौकरशाह अपने लिए

नई संभावनाएं तलाश

रहे हैं। क्या कुछ चल

रहा है सत्ता के

की कलम से।

हमारे चीफ

गलियारे में. जानें

एग्जीक्यूटिव एडिटर

अब तक कोई

प्रशासनिक बडा

पीएस बनने की प्रत्याशा में..



शासकीय दौरे पर झारखंड आए थे। मित

साहब अपने मित्र के साथ फरियाद लेकर

पहुंचे गए। इच्छा जताई कि हुक्मरान अपने

दरबार में उनकी सेवाएं स्वीकार करें।

आश्वासन मिला कि आग्रह पर वैधानिक

विधि से विचार किया जाएगा। बहरहाल,

उम्मीद पर दुनिया कायम है। तमगा भले ना



मित्र में यं तो कई विशेषताएं हैं, लेकिन

परिस्थितियों में खुद को मंझा हुआ

सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह मौजूदा

रणनीतिकार मानते हैं। यही कारण है कि

अपने साथ-साथ सीनियर-जूनियर की सेटिंग-गेटिंग का दायित्व सहर्ष स्वीकार करते हैं। व्यवस्था के कई विश्लेषक मित्र महोदय को 'बेचैन आत्मा' बताते हैं। मित्र महोदय को आंतरिक आशंका यह रहती है कि शासन से निकलने वाले हर शासनादेश पर इनका नाम जरूर अंकित होगा। लिहाजा बदलाव की हर सुगबुगाहट से पहले मित्र महोदय अपने लिए तीन जनपद का नाम तय कर लेते हैं। कई बार अपने नजदीकी लोगों को बता भी देते हैं। अब यह सामने वाले पर निर्भर करता है कि वह यकीन करे या ना करे।

5.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा गुमला का न्यूनतम तापमान

फिर गिरने लगा पारा, ठंडी हवाओं ने बढ़ा दी कनकनी, लोगों को परेशानी

PHOTON NEWS RANCHI:

राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में सर्दी का सितम जारी है। अगले कुछ दिनों तक कड़ाके की ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं दिख रही है। सुबह में कोहरा और फिर दिन में आसमान साफ रहेगा। लेकिन, इस दौरान धूप रहने पर भी ठंड महसूस हो रही है। शनिवार को शाम ढलते ही ठंडी हवाएं चलने लगीं। इससे कनकनी का एहसास हुआ। मौसम विभाग की मानें तो अगले 5 दिन न्यनतम तामपान में कोई बडे बदलाव की कोई संभावना नहीं है। अगले दो दिन आसमान साफ रहेगा। 19 और 20 जनवरी तक

• चाईबासा का अधिकतम तापमान रिकॉर्ड किया गया 27.8 डिग्री सेल्सियस

• 10.4 डिग्री सेल्सियस रहा राजधानी रांची का मिनिमम टेंपरेचर

अभी जारी रहेगा सितम

राजधानी रांची की बात करें तो न्यूनतम तापमान १०.४ डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान २३.२ डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, ठंड अभी जारी रहेगी। न्यनतम तापमान में अगले पांच दिनों तक गिरावट ज्यादा नहीं होगी।

दिन में आसमान साफ रहेगा। 21 जनवरी से सबह में कोहरा और दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे। 24 घंटों की बात करें तो गुमला 5.7

PATNA @ PTI:

शनिवार को बिहार की राजधानी

पटना में लोकसभा में नेता

प्रतिपक्ष राहुल गांधी संविधान

सरक्षा सम्मेलन में मोदी सरकार.

(आरएसएस) और बिहार में हुई

जाति जनगणना पर जमकर

बरसे। उन्होंने अपने संबोधन में

सबसे पहले भारतीय संविधान में

निहित हजारों वर्षों के महान

चिंतन को रेखांकित किया। इस

क्रम में उन्होंने भगवान बुद्ध से

लेकर गांधी और अंबेडकर का

नाम लिया। यह जोर देकर कहा

कि जिस तरह गंगा का पानी

हमारी रग-रग में बसा हुआ है,

उस तरह संविधान की भावना

जन-मन में बसी है। राहुल ने

कहा कि आरएसएस प्रमख मोहन

भागवत ने बोला है कि भारत को

15 अगस्त 1947 को असली

आजादी नहीं मिली थी। अगर वह

कह रहे हैं कि भारत को 15

अगस्त 1947 को आजादी नहीं

स्वयंसेवक

डिग्री न्यूनतम तापमान रिकार्ड किया गया। चाइबासा में अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

गंगा के पानी की तरह जन

मन में बसी है संविधान

की भावना : राहुल गांधी

पीएम मोदी ने स्वामित्व योजना के तहत ६५ लाख ग्रामीणों में बांटे कार्ड

देश से गरीबी उन्मूलन में संपत्ति कार्ड बनेगा मददगार : प्रधानमंत्री

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संपत्ति का अधिकार और संपत्ति के कानूनी दस्तावेजों की कमी को वैश्विक चुनौती बताया। कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने इस बात पर जोर दिया है कि गरीबी कम करने के लिए लोगों के पास संपत्ति का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संपत्ति कार्ड से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 10 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के 50,000 से अधिक गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। उन्होंने आज के दिन को भारत के गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ऐतिहासिक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत संपत्ति

PHOTON NEWS RANCHI:

यनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा

अपना जोनल ऑफिस झारखंड से

बिहार शिफ्ट करने के निर्णय पर

राज्य सरकार ने कड़ी आपत्ति

जताई है। शनिवार को आयोजित

89वीं त्रैमासिक राज्यस्तरीय बैंकर्स

समिति की बैठक में यह मुद्दा

प्रमुख चर्चा का विषय बना। वित्त

मंत्री राधाकष्ण किशोर ने इस

संबंध में यूनियन बैंक के

अधिकारियों से सवाल पूछा और

• 10 राज्यों और 2

केंद्रशासित प्रदेशों के 230 से अधिक जिलों के लोगों को मिला लाभ • व्यापक स्तर पर अब

आर्थिक गतिविधियों को मिलेगा बढावा



98 प्रतिशत भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण डिजिटलीकरण किया गया है और

प्रधानमंत्री ने कहा कि संपत्ति के अधिकार भूमि स्वामित्व पर विवादों को हल करेंगे, जैसे कि पंचायत भिम और चरागाह क्षेत्रों की पहचान करना, जिससे ग्राम पंचायतें आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। संपत्ति कार्ड गांवों में आपदा प्रबंधन को बढाएंगे. जिससे आग, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं के दौरान मुआवजे का दावा करना आसान हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने

कहा कि किसानों के लिए भूमि विवाद आम बात है और भूमि दस्तावेज प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण हैं, जिसके लिए अक्सर अधिकारियों के कई चक्कर लगाने पड़ते हैं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इन समस्याओं को कम करने के लिए भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि पिछले 7-8 वर्षों में लगभग 98 प्रतिशत भूमि रिकॉर्ड का

अछूता नहीं है। लाखों-करोड़ों की पास अक्सर कानूनी दस्तावेजों की और यहां तक कि शक्तिशाली जाता है। उन्होंने कहा कि कानूनी

झारखण्ड

13.555 करोड़ रुपये जमा हैं.

जबिक बिहार में इसकी 236

शाखाएं हैं, जिनमें 15,743 करोड़

रुपये जमा हैं। अगर जमा अधिक

89वीं त्रैमासिक राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति की मीटिंग में उठाए गए सवाल

यूनियन बैंक का जोनल ऑफिस बिहार शिफ्ट

करने पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण ने जताई आपत्ति

तरीय बैंकर्स समि

अधिकांश भूमि मानचित्र अब डिजिटल रूप से उपलब्ध हैं। मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में हर बड़ी योजना में महिला सशक्तीकरण को केंद्र में रखा गया है, जिससे विकसित भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचाना जा सके। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना ने 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति बनाया है।

के अधिकारों की वैश्विक चुनौती से संपत्ति होने के बावजुद, ग्रामीणों के कमी होती है, जिससे विवाद होते हैं व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा भी किया

• जमा राशि अधिक होने के

बावजूद ऑफिस को दूसरी

जगह ले जाना तर्कसंगत नहीं

केडिट डिपपोजिट रेशियो पर

को लेकर भी नाराजगी

यह तर्कसंगत नहीं है।

चर्चा. बैंक कर्मियों के व्यवहार

होने के बावजूद प्रशासनिक

कारणों से जोनल ऑफिस को

बिहार शिफ्ट किया जा रहा है, तो

3 लाख गांवों में हो चुका ड्रोन सर्वेक्षण प्रधानमंत्री ने कहा कि पांच साल पहले

स्वामित्व योजना की शुरूआत की गई थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को उनके प्रॉपर्टी कार्ड मिलें। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 1.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वामित्व कार्ड दिए गए हैं। आज के कार्यक्रम में 65 लाख से ज्यादा परिवारों को ये कार्ड मिल चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 6 लाख से ज्यादा गांव हैं; जिनमें से लगभग आधे गांवों में डोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि कानूनी दस्तावेज मिलने के बाद लाखों लोगों ने अपनी संपत्ति के आधार पर बैंकों से लोन लिया और अपने गांवों में छोटे-मोटे व्यवसाय शुरू किए। इनमें से कई लाभार्थी छोटे और मध्यम किसान परिवार हैं, जिनके लिए ये संपत्ति कार्ड आर्थिक सुरक्षा की एक बड़ी गारंटी बन गए हैं।

दस्तावेजों के बिना बैंक भी ऐसी संपत्तियों से दुरी बनाए रखते हैं।

बीसीसीआई ने की चैंपियंस टॉफी के लिए

गेंदबाज मोहम्मढ शमी एक साल बाद टीम में फिर लौटे बुमराह भी खेलेंगे

चार ऑलराउंडर खिलाड़ियों को किया गया है

बुमराह को भी टीम में शामिल किया गया है।

शमी चोट की वजह से नवंबर, 2023 से टीम से बाहर थे। स्क्वॉड में 4 ऑल राउंडर रखे गए हैं। इस पर रोहित शर्मा ने कहा कि ऐसे ऑप्शन हमारे लिए अच्छे हैं, जो गेंद भी फेंक सकें और जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी भी करें। बीसीसीआई के नए नियमों पर सवाल हुआ तो रोहित ने कहा- मैंने काफी क्रिकेट खेली है। व्हाइट बॉल, रेड बॉल से खेलता आया हूं। जहां तक घरेलू क्रिकेट की बात है तो मैं रणजी

वानखेड़े स्टेडियम 🛮 १५ सदस्यों की टीम में

टीम इंडिया की घोषणा

MUMBAI: शनिवार को बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शनिवार को टीम इंडिया

> में सिलेक्टर और कप्तान मेंबर्स वाले

राहुल गांधी ने कहा, देश की

की घोषणा कर दी। मुंबई

अजित अगरकर रोहित शर्मा ने 15 भारतीय दल के नाम बताए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक साल बाद टीम में लौटे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए जसप्रीत

ट्रॉफी खेलूंगा।

• लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पटना में संविधान सूरक्षा महासम्मेलन को किया संबोधित

में निहित है देश के हजारों वर्षों का महान चिंतन • संविधान को नकार रहे

कहा- भारत के संविधान

- राष्ट्रीय स्वयंशेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत
- बिहार की जाति जनगणना फर्जी, पेपर लीक का सेंटर बन गय है यह राज्य
- असली सत्ता अंबानी, अडानी और आरएसएस के हाथ में

मिली, तो वह भारत के संविधान को नकार रहे हैं। वह भारत के हर संस्थान से अंबेडकर, भगवान महात्मा गांधी की बृद्ध, विचारधारा को मिटा रहे हैं।

तीन लोगों के हाथ में चली जानी

वास्तविक स्थिति जानने के लिए जाति जनगणना जरूरी

वास्तविक स्थिति को समझने के लिए जाति जनगणना होनी चाहिए। यह बिहार में की गई फर्जी जाति जनगणना की तरह नहीं होगी। जाति जनगणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए। कांग्रेस जाति जनगणना को लोकसभा और राज्यसभा में पारित करेगी। हम 50 प्रतिशत आरक्षण की बाधा को ध्वस्त कर देंगे।' कांग्रेस सांसद ने कहा, संविधान में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति सिर्फ दो से

चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई ताकत नहीं है। जब मैं पिछड़े समुदाय, दिलतों, आदिवासियों से ताल्लुक रखने वाले भाजपा सांसदों से मिलता हूं, तो वे कहते हैं कि हमें पिंजरे में डाल दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा, कि जब मोदी को पता चला कि पिछड़े समुदाय, दलितों के लोग प्रतिनिधित्व ले रहे हैं, तो उन्होंने आपको प्रतिनिधित्व दिया, लेकिन सत्ता छीन ली।

अवैध खनन के खिलाफ वन विभाग का एक्शन

हजारीबाग में 32 कोयला खदानों को किया गया सील

PHOTON NEWS HZB: शनिवार को वन विभाग ने जिले में अवैध

कोयला खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने 32 अवैध कोयला खदानों के मुहानों को डोजर से बंद कर दिया है। इन खदानों से स्थानीय लोग जान जोखिम में डालकर अवैध रूप से कोयला निकाल रहे थे। जानकारी के अनुसार, बड़कागांव क्षेत्र में कई जगहों पर छोटे-छोटे मुहाने बनाकर अवैध खनन किया जा रहा था। स्थानीय लोग कोयला निकालकर जिले के विभिन्न फैक्ट्रियों और ईंट भट्ठों को सप्लाई करते थे। खनन के दौरान जब खदानों में पानी भर जाता था, तो उसे निकालने के लिए पंप का भी इस्तेमाल किया जाता था। वन विभाग के बड़ा बाबू एके परमार ने



 बड़कागांव क्षेत्र में छोटे-छोटे मुहाने बनाकर अवैध तरीके से किया जा रहा था खनन

निकाल रहे थे कोयला

बताया कि कोयला परिवहन के लिए ट्रैक्टरों का उपयोग किया जाता था और

जंगल में नए रास्ते बनाने के लिए पेड़ों की अवैध कटाई भी की जा रही थी।

बड़ा कदम

महंगाई पर काबू पाने के लिए 550 रूपये प्रति विवंदल घटाई कीमत

केंद्र सरकार ने कम किया चावल का आरक्षित मूल्य, बढ़ेगी बिक्री

ऑफिस शिफ्ट करने का कारण

जानने का प्रयास किया। वित्त मंत्री

ने कहा कि झारखंड में यूनियन

बैंक की 120 शाखाएं हैं, जिनमें

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK: बेशक महंगाई की मार से देश की आम जनता

परेशान है। चाहे केंद्र सरकार की बात हो या राज्य सरकारों की, महंगाई से निजात दिलाने में उनके सारे प्रयास असफल या आधे सफल कहे जा सकते हैं। रोजमर्रा की कुछ चीजें कभी कुछ सस्ती होती है, तो कुछ चीजों का दाम बिल्कुल बढ़ जाता है। इसर्लिए कुल मिलाकर जनता की जब पर ज्यादा ही प्रभाव पड़ता है। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला किया है। उसकी ओर से चावल के आरक्षित दाम में बड़ी कमी की गई है। खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना और चावल के वितरण को बेहतर बनाना इस नीति का मूल उद्देश्य है। सरकार चाहती है कि चावल के अधिकतम स्टॉक का इस्तेमाल इथेनॉल बनाने के लिए किया जाए, ताकि इथेनॉल उत्पादन बढ़े। ऐसी उम्मीद की जा रही है इस निर्णय के तहत राज्यों और इथेनॉल उत्पादकों के लिए ओपेन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत एफसीआई चावल के आरक्षित मूल्य में 550 रुपये प्रति क्विंटल घटाकर 2250 रुपये कर दिया गया है।

2250 रुपये प्रति क्विंटल की दर से एफसीआई से

भारत ब्रांड के निजी व्यापारियों और तहत चावल बेचने के लिए सहकारी समितियां को नेफेड और नहीं मिल मिलेगा अधिक सकेगा इस

खाद्य मंत्रालय के फैसले का लाभ की दी गई है इजाजत

खरीदा जा

सकेगा राइस

आदेशानुसार, १२ लाख विचंटल तक खरीद सकती हैं राज्य सरकारें इथेनॉल डिस्टिलरी को 24 लाख टन तक खरीदने

और इथेनॉल बनाने वाली कंपनियों के लिए चावल का आरक्षित मूल्य २,८०० रुपये प्रति

30 जून 2025 तक लागू रहेगी नई नीति

विवंटल था। केंद्र सरकार ने इसे घटाकर २,२५० रुपये कर दिया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) जो चावल का भंडारण और वितरण करता है, वह इस चावल का प्रबंधन साप्ताहिक ई-नीलामी के जरिए करता है और यह नई नीति 30 जून 2025 तक लागू रहेगी। यह भी महत्वपूर्ण बात है कि केंद्र सरकार के इस निर्णय का लाभ निजी व्यापारियों और सहकारी समितियां को नहीं मिलेगा। चावल के लिए वही पुराना मूल्य यानी २,८०० रुपये प्रति क्विंटल चुकाना पड़ेगा।

गौरतलब है कि इसके पहले राज्य सरकारों

इस महत्वपूर्ण निर्णय से खाद्य सुरक्षा उपायों को भी मिलेगा भरपूर समर्थन

राज्य सरकारें और इथेनॉल निर्माता सस्ते में भारी मात्रा में कर सकेंगे खरीदारी

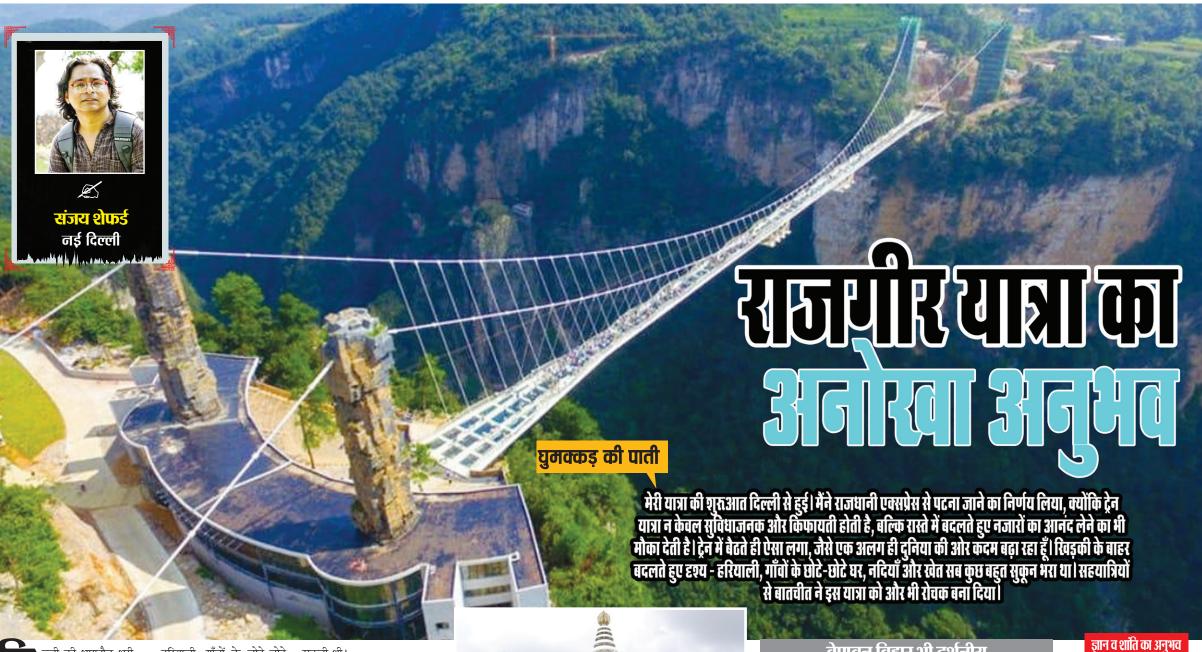
ई-नीलामी के माध्यम से होगी बिक्री

कुछ केंद्रीय सहकारी समितियां जैसे नेफेड एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार भारत ब्रांड के तहत चावल बेचने के लिए 2,400 रुपये प्रति क्विंटल चुकाएंगी, जो कि थोड़ा कम है। सरकार की ओर से स्पष्ट रूप से यह भी निर्देश दिया गया है कि अगले वित्तीय वर्ष (२०२५-२६) में ११० करोड़ लीटर इथेनॉल बनाने के लिए एफर्सीआई से चावल खरीदा जाएगा। अगर संभव हो तो पुराने चावल के स्टॉक को पहले उपयोग में लाने की कोशिश की जाएगी। यह चावल सरकारी भंडारण से खरीदा जाएगा. और इसे ई-नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा।

www.thephotonnews.com

Sunday, 19 January 2025





योजना लंबे समय से मन में थी और जब राजगीर का नाम सुझाया गया तो मेरे मन में बौद्ध धर्म, प्राचीन इतिहास और शांतिपूर्ण वातावरण की छवियाँ तैरने लगीं। इस स्थान की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता ने मुझे इसकी ओर आकर्षित किया और मैंने तुरंत अपनी यात्रा की योजना बनाई। दिल्ली से अपनी यात्रा की शरूआत की। दिल्ली से राजगीर की मेरी यात्रा न केवल एक भौगोलिक सफर थी, बल्कि यह आत्मा को ताजगी और दिमाग को

मेरी यात्रा की शुरूआत दिल्ली से हुई। मैंने राजधानी एक्सप्रेस से पटना जाने का निर्णय लिया, क्योंकि ट्रेन यात्रा न केवल सविधाजनक और किफायती होती है. बल्कि रास्ते में बदलते हए मौका देती है। ट्रेन में बैठते ही ऐसा लगा, जैसे एक अलग ही दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहा हूँ। खिड़की के बाहर बदलते हुए दृश्य

नई ऊर्जा देने वाला अनुभव था।

- हरियाली, गाँवों के छोटे-छोटे घर, निदयाँ और खेत सब कुछ बहुत सुकून भरा था। सहयात्रियों से बातचीत ने इस यात्रा को और

करीब 12 घंटे की यात्रा के बाद मैं पटना पहुँचा। पटना, जिसे प्राचीन समय में पाटलिपुत्र कहा जाता था, बिहार की राजधानी है और यह शहर अपने समृद्ध इतिहास और परंपरा के लिए जाना जाता है। यहाँ पहुँचते ही मैंने स्थानीय मिठाई खाजा का स्वाद लिया, जो यहाँ का प्रसिद्ध व्यंजन है। पटना से राजगीर की दूरी लगभग 100 किलोमीटर है, जिसे मैंने टैक्सी से तय किया।

राजगीर पहँचने का अनभव मेरे लिए आत्मिक अविस्मरणीय था। जैसे ही मैं इस ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपर स्थान पर पहुँचा, मझे एक अनोखी शांति और सुकून का एहसास हुआ। चारों ओर फैली नजारों का आनंद लेने का भी हरियाली, पहाड़ियों की छटा और वहाँ की ताजगी ने तुरंत ही मेरा मन मोह लिया। राजगीर की प्राचीनता और धार्मिक महत्ता यहाँ के वातावरण में महसूस की जा

पहाड़ी रास्तों और साफ हवा ने एक अलग ही ऊर्जा प्रदान की। स्थानीय लोगों की सादगी और उनका स्वागत करने का तरीका दिल को छू लेने वाला था। राजगीर के गर्म पानी के झरनों और बौद्ध धर्म से जुड़े स्थलों के दर्शन ने इस जगह को मेरे लिए और भी खास बना दिया। यहाँ की शांति ने मुझे भीतर से गहराई तक प्रभावित किया और मुझे महसूस हुआ कि यह जगह न केवल एक गंतव्य है, बल्कि आत्मिक शांति का स्रोत भी

यात्रा के इस चरण में भी मैंने बहुत कुछ महसूस किया। रास्ते में गंगा नदी का दर्शन हुआ, जिसकी विशालता और पवित्रता मन को गहराई तक छू गई। बिहार के ग्रामीण इलाकों की सरलता और वहाँ के लोगों की सादगी ने मुझे प्रभावित किया। जैसे-जैसे राजगीर के करीब पहँचता गया, हरियाली और पहाड़ियों का नजारा मेरी आँखों को सुकून देने लगा। राजगीर पहुँचते ही मुझे यहाँ की शांति और सौंदर्य ने घेर लिया। राजगीर में मेरी पहली मंजिल

संगमरमर से निर्मित यह स्तप शांति और ध्यान का प्रतीक है। यहाँ पहुँचने के लिए मैंने रोपवे का सहारा लिया, जो अपने आप में एक अनुठा अनुभव था। ऊपर से पूरे राजगीर का दृश्य मंत्रमुग्ध करने वाला था। स्तप पर ध्यान और मौन ने मेरे मन को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद मैंने ग्रिधकृट पर्वत की ओर रुख किया जो बौद्ध धर्म के

यहीं भगवान बुद्ध ने धर्म चक्र प्रवर्तन किया था। पर्वत तक पहुँचने का पैदल सफर रोमांचक था। रास्ते में छोटे-छोटे पत्थर के शिलालेख और प्राकृतिक संदरता हर कदम पर मेरा स्वागत कर रही

मखाने की लाजवाब खीर

स्थानीय खानपान ने मेरी यात्रा को और भी खास बना दिया। लिट्टी–चोखा, मखाने

की खीर और सत्तू जैसे व्यंजनों का स्वाद लेना अपने आप में एक अलग अनुभव

था। राजगीर के लोग बेहद मिलनसार और मेहमाननवाज हैं। उनसे बातचीत करके

मैंने यहाँ की परंपराओं और रीति-रिवाजों के बारे में बहुत कुछ जाना।

राजगीर के गर्म पानी के झरने जिसे सप्तधारा के नाम से भी जाना जाता है मेरी यात्रा का एक और यादगार पड़ाव थे। इस झरने में स्नान करना, न केवल एक अलग

वेणुवन विहार भी दर्शनीय था। कमरे साफ-सुथरे और

वेणुवन विहार मेरी यात्रा का एक और मुख्य आकर्षण था। यह स्थान हरियाली से भरा हुआ है और इसे भगवान बुद्ध का निवास स्थान माना जाता है। यहाँ की शांति और सुकून ने मेरे मन को गहराई से छुआ। राजगीर में बिताए गए दिनों में मैंने न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों का दर्शन किया, बल्कि यहाँ की संस्कृति और परंपराओं को भी करीब से महसूस किया। राजगीर में टहरना एक सुकूनभरा और यादगार अनुभव था। मैंने शहर के केंद्र में स्थित एक छोटे लेकिन आरामदायक होटल में **टहरने** का फैसला किया, जो बजट में

होटल के स्टाफ ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया और स्थानीय जानकारी देने में काफी मदद की। सुबह के समय होटल की बालकनी से आसपास की पहाड़ियों और हरियाली का नजारा मन को शांति देता था। होटल के पास ही एक स्थानीय बाजार था, जहाँ से मैंने कुछ हस्तशिल्प और राजगीर की प्रसिद्ध वस्तुएँ खरीदीं। होटल की सरलता और आसपास का शांत वातावरण मेरी यात्रा को और भी खास बना गया। राजगीर का यह टहराव मुझे हमेशा याद रहेगा।

आवश्यक सुविधाओं से युक्त थे।

अनभव था, बल्कि यह झरना अपने औषधीय गुणों के लिए भी प्रसिद्ध है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पानी कई बीमारियों को ठीक कर सकता है। बाद मैंने विश्वविद्यालय के खंडहरों की यात्रा की। राजगीर से कुछ दूरी पर स्थित यह स्थान प्राचीन भारत की शैक्षिक महानता का प्रतीक है। नालंदा में बिताया गया हर पल मुझे प्राचीन भारत की गौरवशाली

था और सभी प्रमुख स्थानों के करीब

परंपरा का अनुभव करा रहा था। विश्वविद्यालय के खंडहरों की वास्तुकला और संरचना आज भी लोगों को प्रेरित करती है।

और सादगी से जीने का महत्व भी समझाती हैं। दिल्ली लौटते समय ट्रेन केवल एक गंतव्य तक पहुँचने की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि यह मेरे भीतर की यात्रा भी थी। राजगीर ने न केवल मेरे ज्ञान को समृद्ध किया, बल्कि मुझे शांति और आत्म-विश्लेषण का अद्भुत अनुभव भी दिया। यह यात्रा मेरे जीवन के उन पलों में से एक बन गई, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखुँगा। अगर आप भी इतिहास, संस्कृति और प्रकृति के प्रेमी हैं तो राजगीर की यात्रा एक बार जरूर

जब मैं राजगीर से लौटने के लिए

तैयार हुआ तो मेरे मन में शांति और

ताजगी का एक अनोखा अनुभव था।

जीवन की भागदौड़ में कभी–कभी हमें

टहरकर खुद को सुकून देना चाहिए।

राजगीर जैसी जगहें हमें न केवल

इतिहास और संस्कृति का अनुभव

कराती हैं बल्कि जीवन को सरलता



1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें। 2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

विमर्श

अनुयायियों के लिए विशेष महत्व

वहायक प्राध्यापक/रंगकर्मी ग्रैजुएट कॉलेज, जमशेदपुर 'तुझ सा न कोई '

वर्णन क्या करूं मैं, तेरे साथ का। वो प्यारा सा स्पर्श, तेरे हाथ का। हर थकान मेरी, मिटा जाती थी, वात्सल्य भरे शब्द, तेरी बात का।

जरा सी उदासी पर, परेशान होना। मेरी छोटी सफलता पर, गुमान होना। समय से घर न आऊं, टाइम पर न खाऊं। चेहरे पर तेरा, बनावटी उफान होना।।

<mark>रूठ जाऊं कभी तो, बार-बार मनाना।</mark> गलती जब-जब हो, हरबार समझाना। उपमा उपमेय उपमान, दे दे कर मुझे , जीवन की राह, लगातार बताना।।

यह कल्पित कवि की, कल्पना नहीं है। हकीकत है यह, कोई सपना नहीं है। <mark>आभा</mark>स पढ़कर यह, तुम्हें भी हुआ <mark>होगा।</mark> जगत में मां बाप सा, कोई अपना नहीं है।।

आधुनिक समाज की नई वास्तविकता: ग्रेडिवोर्स

डिवोर्स का मतलब है, उम्रदराज जोड़ों के बीच तलाक, विशेष रूप से वे जो 50 वर्ष से अधिक उम्र के होते हैं। इसे 'ग्रे' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें शामिल लोग आमतौर पर जीवन के उस पड़ाव में होते हैं जब उनके बाल सफेद होने लगते हैं। 32 वर्षों तक साथ रहने के बाद मशहूर गायक व संगीतकार शंकर महादेवन का पत्नी संग तलाक, जाने-माने क्रिकेटर रह चुके रवि शास्त्री का लंबे समय के बाद पत्नी रितु सिंह से तलाक हो जाना, फिल्म अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा और अभिनेता अरबाज खान का लंबे समय के बाद अलग होना- बहुत कुछ सोचने पर मजबूर करती है। यह केवल सेलिब्रिटी तक ही सीमित नहीं है, आम जीवन में भी यह चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह दशार्ता है कि उम्र, समय, या सामाजिक अपेक्षाएं अब रिश्तों को बांधने के लिए पर्याप्त नहीं रह गई

मुख्य कारण :

बदलती प्राथमिकताएं- लंबे समय तक शदीशुदा रहने के बाद कई बार व्यक्ति को यह महसूस होता है कि उनकी जिंदगी केवल समझौतों और दसरों की उम्मीदों पर आधारित रही। बच्चों के बड़े हो जाने और सेटल हो जाने के बाद, माता-पिता खुद की जिंदगी पर ध्यान देते हैं और अगर संबंधों में संतोष नहीं है तो अलग होने का निर्णय लेते हैं। अब आधुनिक समाज इसे कलंक के रूप में नहीं देखता है, हमने इसे स्वीकार कर

आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता-महिलाओं का आत्मनिर्भर होना भी 'ग्रे डिवोर्स' का एक पहलू है अब महिलाएँ अपने जीवन के बड़े फैसले लेने की ताकत रखती हैं और अपनी मर्जी से जीवन जीने में

डिजिटल युग और डेटिंग एप्स का प्रभाव- आज के दौर में डेटिंग एप्स ने नए साथी की तलाश को आसान बना दिया है। बड़े शहरों में यह ट्रेंड बढ़ रहा है।

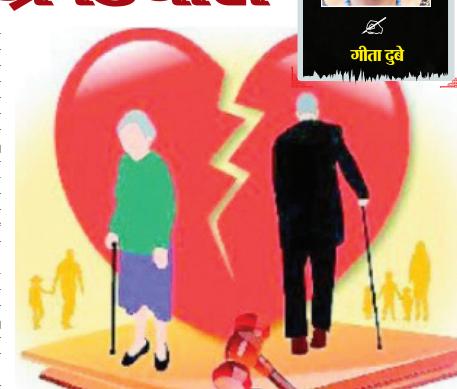
जीवन की पुनर्रचना - 50 की उम्र के बाद कई लोग अपनी बाकी जिंदगी को नए तरीके से जीने की

ग्रे डिवोर्स आधुनिक समाज की एक नई वास्तविकता है। यह

दिखाता है कि विवाह जैसे रिश्ते भी बदलती परिस्थितियों के साथ बदल सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि विवाह का महत्व कम हो गया है, बल्कि यह इस बात का प्रतीक है कि लोग अब अपनी खुशियों और व्यक्तिगत संतुष्टि को प्राथमिकता देने लगे हैं। लेकिन यहाँ यह भी ध्यान देने अतिआवश्यक है कि तलाक के बाद की जिंदगी को संभालना आसान नहीं होता, खासकर जब उम्र ज्यादा हो। इस स्थिति में सामाजिक और मानसिक समर्थन बहुत मायने रखता है।

सामाजिक स्वीकृति : तलाक और पुनर्विवाह जैसे विषय पहले वर्जित माने जाते थे, लेकिन अब समाज इसे स्वीकार करने लगा है। डेटिंग एप्स का प्रभाव : डिजिटल युग में, डेटिंग एप्स ने नए संबंध बनाने के अवसर बढ़ा दिए हैं, जिससे लोग अपने जीवन में नए साथी खोजने के लिए प्रेरित हो रहे

हालांकि, यह बदलाव हर किसी के लिए सही नहीं हो सकता। यह व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और परिस्थितियों पर निर्भर करता है।



क्या यह सही है

के क्षरण के रूप में देखते हैं। हर व्यक्ति का अनुभव और निर्णय उसकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और इस सवाल का जवाब आसान नहीं है। कुछ लोग इसे आत्म-मानसिक स्थिति पर निर्भर करता सशक्तीकरण का प्रतीक मानते हैं, है। यह चलन समाज के लिए एक जबिक कुछ इसे परंपरागत मूल्यों

अधिक संवेदनशील सहनशील होने की जरूरत है। रिश्ते केवल सामाजिक दबाव या जिम्मेदारी के लिए नहीं, बल्कि परस्पर प्रेम, समझ और सम्मान के संकेत है कि हमें रिश्तों को लेकर आधार पर टिकने चाहिए।

O BRIEF NEWS

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल की सजा व जुर्माना

RANCHI: नाबालिंग से दुष्कर्म करने के मामले में दोषी करार युवक बुधदेव उरांव को पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने शनिवार को 10 साल कैद की सजा सनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जमार्ना लगाया है। जमार्ने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त छह महीने जेल काटनी होगी। अदालत ने आरोपित युवक को 13 जनवरी को दोषी करार दिया था। वह लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र निवासी है। मामले के एक अन्य आरोपित शंभू तिवारी को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। घटना को लेकर पीड़िता की मां ने नरकोपी थाना में मार्च 2022 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या का आरोपी दोषी करार

RANCHI: अपर न्यायायुक्त एमके वर्मा की अदालत ने दहेज के लिए पत्नी की हत्या के आरोपित मोहन महतो को दोषी करार दिया है। अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए 25 जनवरी की तिथि निर्धारित की है। घटना को लेकर मृतका सोनी के भाई छोटू कुमार महतो ने अप्रैल 2018 में ओरमांझी थाना में मोहन महतो. भषण महतो, बसंती देवी, राजेंद्र महतो और रेखा देवी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया था कि मोहन के साथ सोनी की शादी वर्ष 2009 में हुई थी। शादी के तीन-चार साल बाद सोनी को ससुराल वालों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और एक दिन उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इस मामले के अन्य आरोपितों भूषण महतो, बसंती देवी, राजेंद्र महतो एवं रेखा देवी को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में

मौनी अमावस्या पर 29 को बन रहा शुभ संयोग

बरी कर दिया है।

RANCHI: मौनी अमावस्या 29 जनवरी को मनाई जाएगी। इस बार मौनी अमावस्या पर शभ संयोग बन रहे हैं। इस दिन त्रिवेणी. नवपंचम और सिद्ध योग का विशेष संयोग बन रहा है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और ग्रह दोष समाप्त होते हैं। पंडित मनोज पांडेय ने शनिवार को कहा कि अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मकर राशि में सूर्य, चंद्रमा और बुध ग्रह के योग से त्रिवेणी योग का निर्माण होगा।

बिजली की खपत पर हुई चैंबर उप समिति की बैठक

RANCHI: शनिवार कोझारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की उर्जा उप समिति की मीटिंग चेयरमैन नंद किशोर पाटोदिया की अध्यक्षता में चैंबर भवन में हुई। इसमें कहा गया कि बिजली विभाग द्वारा बिजली की खपत में अनियमितता पाए जाने पर एफआईआर दर्ज कर दिया जाता है जो सही नहीं है। सबसे पहले विभाग को जांच प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करनी चाहिए। दोषी पाए जाने पर उस पर जुमार्ना लगाना चाहिए एवं नहीं देने पर उसका कनेक्शन काट देना चाहिए।

कचरा उठते ही निगम ऑफिस में आएगा मैसेज



PHOTON NEWS RANCHI:

रांची नगर निगम ने शहर में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) आधारित वेस्ट कलेक्शन की शुरूआत कर दी है। इसके आपके घर से कचरा उढते ही डिवाइस से नगर निगम को मैसेज चला जाएगा। इससे ये सुनिश्चित होगा कि हर घर से कचरे का उठाव हो रहा है। इसके बाद भी आपके घरों से कचरे का उटाव नहीं होता है, तो इसकी शिकायत रांची नगर निगम में दर्ज करा सकते है। बता दें कि स्वच्छता कॉरपोरेशन को नगर निगम ने सफाई

सभी घरों और प्रतिष्ठानों को आरएफआईडी से किया जाएगा लैस



का तेजी से चल रहा काम अगले माह से शुरू होगा नया सिस्टम

घरों में आरएफआईडी लगाने

फरवरी में शुरू होने वाले इस सिस्टम के तहत आरएफआईडी स्कैनर और डिस्प्ले बोर्ड से लैस 100 इलेक्ट्रिक वैन तैनात किए जाएंगे। इसकी शुरूआत धुर्वा और आस-पास के वार्डों में 37 वाहनों से होगी। इसके बाद फिर इसे पूरे शहर में लागू किया जाएगा। यह सिस्टम सभी घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आरएफआईडी टैग प्रदान करेगा। ये आरएफआईडी घरों और प्रतिष्ठानों में लगाए जाएंगे। इलेक्टिक वैन वेस्ट कलेक्शन के दौरान घरों के बाहर लगे टैग को स्कैन करेंगी। इससे ये भी सुनिश्चित होगा कोई भी घर या प्रतिष्ठान छूटे नहीं। नगर निंगम के इस डिजिटल परिवर्तन का उद्देश्य वेस्ट कलेक्शन को शत प्रतिशत पूरा करना है। यह कदम स्वच्छ रांची की दिशा में एक महत्वंपूर्ण कदम है। इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए रांची नगर निगम की ओर से हर स्तर पर तैयारी मुकम्मल कर ली गई है। इस संबंध में कंपनी

वेस्ट कलेक्शन का चार्ज

नगर निकायों में वेस्ट कलेक्शन के लिए चार्ज निर्धारित किया है। इसके ईडब्ल्यूएस 20 रुपये, एलआईजी ३० रुपये, एमआईजी ५० रुपये और एचआईजी ३५० रुपये तय किया गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को उनके संचालन के पैमाने के आधार पर 200 रुपये से 5000 रुपये के बीच शुल्क निर्धारित है। इसके अलावा आरएफआईडी प्रणाली को सही ढंग से लागू करने के लिए एक कंप्लेन सेल की स्थापना की है। इसमें लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। नगर निगम ने हाउस होल्ड मालिकों से अपनी रसीद अपडेट रखने की अपील की है। रांची नगर निगम के अंतर्गत 53 वार्ड आते हैं। जिसमें सवा दो लाख हाउस होल्डर रजिस्टर्ड हैं इन घरों से रांची नगर को काफी राजस्व मिलता है। वहीं वेस्ट कलेक्शन से भी निगम को राजस्व की प्राप्ति होगी। चूंकि नगर निगम की हर घर से वेस्ट यूजर चार्ज वसूलने की तैयारी है।

छिनतर्ड गिरोह के 3 बदमाश गिरफ्तार

RANCHI: जिले की जगरनाथपुर

थाना पुलिस ने छिनतई गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 18 मोबाइल फोन, 13 हजार 200 रुपये नकदी, तीन चेक, पैन कार्ड, आईडी कार्ड, तीन बैग और बाइक बरामद किया है। सिटी एसपी राजकमार मेहता ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बाबला अंसारी, परवेज अंसारी और इमरोज अंसारी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इस गिरोह ने रांची में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अलग-अलग इलाकों में गिरोह के सदस्यों को तैनात किया था। इस गिरोह ने जगन्नाथपुर, डोरंडा और अरगोडा सहित रांची के छह अलग-अलग इलाकों में कुल 16 घटनाओं को अंजाम दिया है। सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित पहले भी जेल जा चुके हैं। इस गिरोह ने पहले ब्राउन शुगर पेडलर का काम किया था लेकिन बाद में यह गिरोह छिनैती और अन्य अपराधिक गतिविधियों में शामिल हो गया।

महिला सुरक्षा और पुलिस सर्विलांस में सुधार का दिया निर्देश नक्ली नोटों का कारोबार करने

स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के कमांड कंट्रोल सेंटर पहुंचीं अन्नपूर्णा देवी

शनिवार को केंद्रीय महिला एवं

बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के कमांड कंट्रोल और कम्युनिकेशन सेंटर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने यातायात प्रबंधन, पुलिस सर्विलांस और महिला व छात्राओं की सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने सुधार को लेकर कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि इस तरह का कमांड सेंटर पहले हमने गुजरात में देखा था, लेकिन रांची में इसका होना बेहद सुखद है। उन्होंने इस केंद्र की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यातायात प्रबंधन, पुलिस सर्विलांस और सूचना प्रसारण के क्षेत्रों में यह महत्वपूर्ण है। साथ ही महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर उठाए गए कदम को और बेहतर बनाने के लिए





विकास विभाग द्वारा जुपमी भवन एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित

जागरूकता बढाने पर जोर दिया। ने रांची स्मार्ट सिटी के

अभियान को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अपने कर्मियों को इस सेंटर की कार्यप्रणाली से अवगत कराएं, ताकि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लोगों को इन सविधाओं के

बारे में जानकारी दी जा सके। स्मार्ट सिटी के एक्सपर्ट्स ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि किस यातायात प्रबंधन किया जाता है। आपराधिक घटनाओं की रोकथाम और अनुसंधान में मदद के उपायों, यातायात नियमों और विधि व्यवस्था के बारे में वीडियो और ऑडियो संदेश पूरे शहर में प्रसारित किए जा रहे हैं। इसके अलावा इमरजेंसी कॉल बॉक्स और एसओएस फीचर के माध्यम से महिलाओं, छात्राओं और जरूरतमंदों को आपातकालीन सहायता प्रदान की जा रही है।

मीटिंग में इनकी रही मौजुदगी: समाज कल्याण एवं महिला बाल विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार, निदेशक किरण कुमारी पासी, स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नंदकुलियार, सीएफओ ज्योति पष्प, पीआरओ अमित कुमार, प्रबंधक संतोष कुमार पटेल, उत्कर्ष कुमार, किशन कुमार सहित कई अन्य अधिकारी एवं

वाले गिरोह के तीन सदस्य अरेस्ट



PHOTON NEWS RANCHI:

छापेमारी की। इस कार्रवाई में तीनों

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

रांची पुलिस ने नकली नोटों के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी राजधानी के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में नकली नोटों को खपाने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से 500 रुपये के जाली नोटों की 4.99 लाख रुपये की खेप, एक स्कृटी और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शनिवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कुलदीप स्कूल गली में कछ यवक नकली नोटों का कारोबार कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी के नेतत्व में एक टीम गठित की और संदिग्ध स्थान पर

पहले से भी है इनका आपराधिक इतिहास

गिरफ्तार आरोपियों का पहले से भी आपराधिक इतिहास है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद जानकारी हासिल की है कि ये लोग विभिन्न जगहों पर नकली नोटों का नेटवर्क चला रहे थे और बहुत बड़ी मात्रा में नकली नोटों की तस्करी कर रहे थे। इनसे बरामद नकली नोटों के अलावा, पुलिस ने एक स्कूटी और छह मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनका उपयोग ये आरोपी नकली नोटों के धंधे में कर रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों में साहिल कुमार उर्फ करण, मो. साबिर उर्फ रजा और अब्ब हजैफा उर्फ अफरीदी शामिल हैं। एसपी ने बताया कि इन आरोपियों द्वारा एक संगठित गिरोह का संचालन किया जा रहा था, जो पिछले एक साल से नकली नोटों के जरिए

अधिवक्ता मुमताज बने अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम के निदेशक



अधिवक्ता मुमताज खान को झारखंड राज्य अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम का निदेशक बनाया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। निदेशक बनाए जाने पर मुमताज खान ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री हाफिजुल हसन अंसारी को धन्यवाद देता हूं। निगम का महत्वपूर्ण कार्य स्वरोजगार, शिक्षा, आय सृजन गतिविधियों के

PHOTON NEWS RANCHI: वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अधिक से अधिक अल्पसंख्यक बच्चों को शिक्षित करना और उन्हें पढ़ाई के लिए लोन मुहैया कराना और शिक्षा का दर बढ़ाना हमारा मुख्य मकसद होगा। मौके पर रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जॉइंट सेक्रेटरी अभिषेक भारती, सीनियर अधिवक्ता हुमायूं रशीद, अधिवक्ता सुल्तान खान, अधिवक्ता सरफराज, मोहम्मद शमीम, अबू नसर, अरविंद लिए बहुत ही रियायती ब्याज दर पर कुमार सिंह और अधिवक्ता हफीजुल समेत कई अधिवक्ताओं ने मुमताज सावधि ऋण, कार्यशील पूंजी ऋण, शिक्षा ऋण और अन्य प्रकार की

सिविल कोर्ट ने राशि वसूली के लिए ग्रामीण कार्य विभाग

RANCHI: डिग्री होल्डर नेशनल प्रोजेक्ट कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड की वर्ष 2013 से बकाया राशि 78 लाख 68 हजार 510 रुपये की वसुली करने के मामले में रांची सिविल कोर्ट ने शनिवार को ग्रामीण कार्य विभाग के बैंक खाते को अटैच करने का निर्देश दिया। इसके बाद रांची सिविल कोर्ट के नाजिर जीशान इकबाल के नेतत्व में ग्रामीण कार्य विभाग के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हटिया शाखा स्थित बैंक खाते को अटैच कर दिया गया। इससे पहले चंद्रभानु कुमार की अदालत में आवेदन दायर किया गया था। आवेदन के माध्यम से अनुरोध किया गया की बकाया राशि 18 फीसदी ब्याज के हिसाब से 2 करोड़ 20 लाख 84 हजार रुपये

क बंक खाते को किया अटैच

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने महिला सहायता समूह को ७ करोड़ १६ लाख रूपये का सौंपा चेक

अमर शहीद वीर बुधु भगत की जन्मस्थली चान्हों के सिलागाई में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित इस मेले में पांच जिलों के किसानों ने भाग लिया। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मेले का उद्घाटन करने के बाद 50 से अधिक स्टॉल का निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया। कृषि मंत्री ने कहा कि कम कपडा और छोटा मकान में हम रह सकते हैं। बगैर भोजन के जीवन संभव नहीं है। मंत्री ने चान्हों की महिला सहायता समृह को 7 करोड़ 16 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम



कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य।

में मंत्री ने ग्रामीण किसानों को मेधा डेयरी से जुड़ने और दुधारू गाय खरीदने की अपील की। इससे वे दुध बेचकर अतिरिक्त आय कर सकते हैं। उन्होंने मांडर क्षेत्र के किसानों की स्थिति पर भी चिंता जताई। साथ ही कहा कि यहां के विकास के लिए विभाग और

• फोटोन न्यूज अधिकारियों को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कार्यक्रम में राज्य समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की, कांके विधायक सुरेश बैठा और अन्य गणमान्य मौजूद रहे। कृषि मंत्री ने कहा कि गुमला, लोहरदगा और खूंटी के किसान बेहतर काम कर रहे हैं, लेकिन

मांडर क्षेत्र पीछे है। उन्होंने किसानों के बीच संवाद को बढ़ावा देने का आग्रह करते हुए कहा कि वे आपस में एक दूसरे के अनुभवों से सीख सकते हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि गमला में महिलाएं अंडा उत्पादन में अच्छा काम कर रही हैं। वहीं गिरिडीह में मछली पालन से किसान अच्छा लाभ कमा रहे हैं। इस दौरान किसानों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया और कई योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ कषक मित्र, सर्वश्रेष्ठ किसान और सर्वश्रेष्ठ महिला किसान को सम्मानित किया गया। विभिन्न योजनाओं के तहत जोड़ा बैल, गाय, बकरा और बत्तख वितरण, साथ ही दुग्ध उत्पाद समितियों को प्रमाणपत्र भी दिए गए।

कार्यशाला : उत्कृष्ट कार्य करनेवाले मुखिया को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित, बोले डीसी-

ऑफिस में काम टीक से होने पर ग्रामीण क्षेत्र में होगा विकास

PHOTON NEWS RANCHI:

शनिवार को रांची के ओरमांझी प्रखंड के रुक्का में मुखिया व उपमुखिया के लिए क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला सह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करनेवाले मुखिया को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने अपने संबंधित विभागों द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी साझा की। उपायुक्त ने सभी मुखिया से अबुआ ग्रुप से जुड़ने की अपील की। उन्होंने बताया कि अबुआ ग्रुप एक जनकल्याणकारी मंच है, जिसे सरकार की योजनाओं, प्रशासन की गतिविधियों



और द्विपक्षीय संवाद के लिए स्थापित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि अगर जिला मुख्यालय, प्रखंड, अंचल और पंचायत कार्यालयों का काम सही तरीके से होगा तो ग्रामीण क्षेत्र का विकास संभव है। उपायुक्त ने सभी मुखिया को जिला प्रशासन द्वारा जारी व्हाट्सएप नंबर 'अबुआ साथी'

9430328080 के बारे में बताया। जिस पर लोग सरकारी कामकाज में अनियमितताओं की शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकारी स्कूलों में शिक्षक लेट आते हैं या स्वास्थ्य केंद्रों में कर्मचारी अनुपस्थित रहते हैं, तो अबुआ साथी पर तुरंत शिकायत करें। उपायुक्त ने

पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी मुखिया और उपमुखिया से सुझाव के साथ सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने बताया कि पंचायत भवनों में बुनियादी सुविधाएं जैसे पानी, बिजली, इंटरनेट और शौचालय सुनिश्चित करने से ही पंचायतों का सही संचालन संभव होगा।

'टॉक ट्रडीसी' कार्यक्रम की हुई शुरुआत

रांची जिले में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जल्द ही 'टॉक टू डीसी' कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी, जिसमें लोग सीधे उपायुक्त से संवाद कर सकेंगे। यह कार्यक्रम महीने में एक बार आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि हम सभी को मिलकर रांची को मॉडल जिला बनाने की दिशा में काम करना है। उन्होंने सभी लोगों को अफीम की खेती और नशापान के खिलाफ शपथ दिलाई। उन्होंने कहा हमें नशापान और अफीम की खेती को जड़ से उखाड़ने के लिए सतर्क रहना होगा। बैठक में उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि–व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक और अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं में नामांकन के लिए 11 फरवरी से मिलेगा फॉर्म

RANCHI: हरम् रोड भारत माता चौक स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में 11वीं क्लास में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 11 फरवरी से स्कूल में फार्म की बिक्री शुरू हो जाएगी। इसी दिन से स्कूल के कार्यालय से नामांकन फॉर्म प्राप्त किया जा सकता है। इसका मूल्य 500 रुपये होगा। नामांकन तीनों संकाय में लिया जाएगा। छात्रों को विज्ञान विषय के लिए 80%, कॉमर्स के लिए 70% एवं आर्ट्स के लिए 60 % मार्क्स जरूरी होगा। नामांकन हेतु ऑनलाइन एवं ऑफ लाइन दोनों तरह से रजिस्ट्रेशन की जा सकती है। इसके अलावा HTTPS://SCOTSCHOOLS.ORG/ पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

फातमा टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में 'लीव नो वन बिहाइंड' पर हुआ सेमिनार



सेमिनार में उपस्थित अतिथि।

PHOTON NEWS RANCHI: शनिवार को फातमा टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज चंदवे में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्सः लीव नो वन बिहाइंड पर दो दिवसीय सेमिनार शुरू। सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। दीप प्रज्वलन के बाद कॉलेज के अध्यक्ष हाजी एस नदीम और सचिव एम आलम ने अतिथियों का स्वागत किया, जबिक कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ

मौसमी कुमार ने सेमिनार का परिचय कराया। मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सही समय है जब सतत विकास लक्ष्यों पर सोचना होगा, जो हमें 2030 तक हासिल करना है। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमपी सिन्हा ने स्थानीय स्तर पर काम करने और वैश्विक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

BRIEF NEWS

बीके मानिनि को मिला हार्ट ऑफ गोल्ड अवार्ड

CHAKRADHARPUR : ब्रह्मकुमारीज पाठशाला, चक्रधरपुर की संचालक बीके मानिनि को वर्ष 2024 का हार्ट ऑफ गोल्ड अवार्ड मिला है। लखनऊ की स्वयंसेवी संस्था वर्थी वेलनेस फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा प्रदत्त उक्त अवार्ड चक्रधरपुर के उद्यमी सुशील सिंघानिया की पत्नी उर्मिला सिंघानिया ने शनिवार को प्रदान किया। बता दें कि बीके मानिनि वर्षों से पोड़ाहाट अनुमंडल में

सकारात्मक चिंतन का अलख जगाने के लिए प्रयासरत हैं। इससे पूर्व उन्हें ग्लोबल पीस यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट ऑफ ह्युमैनिटरियन की मानद उपाधि प्रदान की थी।



JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनिर्मित जिला कांग्रेस मख्यालय (तिलक पस्तकालय, बिष्टपर) का उद्घाटन शनिवार को हुआ। जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में भवन का उद्घाटन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता व पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार बलमुच् भी उपस्थित थे। यहां बता दें कि यहां पुराने भवन का निर्माण 1923 में स्वतंत्रता सेनानियों के सहयोग से हुआ था।

बोकारों की मुखिया कविता सिंह दिल्ली के गणतंत्र दिवस में होंगी स्पेशल गेस्ट

BOKARO: बोकारो के बेरमो प्रखंड स्थित कुरपनिया पंचायत की मुखिया कविता सिंह इस साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष अतिथि के तौर



दिल्ली में भाग लेने हेतु हर घर सत्यापित गांवों में जहां पेयजलापूर्ति योजनाओं को पंचायत और स्वच्छता सिमिति को संचालन और रख-रखाव के लिए हस्तांतरित किया गया है। उन गांवों से बेस्ट परफॉर्मिंग सहिया अथवा मुखिया को स्पेशल गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया है। इसी के तहत मुखिया कविता सिंह का चयन किया गया है।

चक्रधरपुर में चला बुलडोजर, 38 दुकानें की गईं ध्वस्त



CHAKRADHARPUR: तय एक्शन प्लान के तहत चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के सामने रेलवे ने शनिवार को बुलडोजर चलाकर सभी 38 दुकानों को ध्वस्त कर दिया। सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चले इस बुलडोजर एक्शन में स्टेशन परिसर में बनी सभी दुकानों को जमींदोज कर दिया गया। जहां पहले मार्केट कॉम्प्लेक्स और दुकानें नजर आती थीं, अब वहां मलबे का ढेर लग गया है। कार्रवाई के दौरान इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी व कर्मचारी के साथ आरपीएफ और कोरस कमांडो की टीम भी मौजूद थी। दुकानों को तोड़ने के लिए तीन बुलडोजर लगाए गए थे। दुकानदार जल्दी-जल्दी सामान हटा रहे थे। यहां कई दुकानें 60-70 वर्ष पुरानी थीं। कार्रवाई पूरी होने के बाद देर शाम डीआरएम तरुण हरिया और इंजीनियरिंग विभाग के वरीय पदाधिकारी भी यहां पहुंचे। रेल अधिकारी कार में बैठे-बैठे बुलडोजर एक्शन का मुआयना कर रहे थे। दुकानदारों ने कहा कि उन्होंने हाई कोर्ट में रेलवे की इस कार्रवाई के खिलाफ याचिका भी दी थी। इस पर 22 जनवरी को दिशा-निर्देश आने वाला था, लेकिन इसके पहले ही कार्रवाई कर दी गई। आरटीआई एक्टिविस्ट और मानवाधिकार कार्यकर्ता बसंत महतो ने मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर रेलवे के इस कदम को मानव अधिकार का हनन बताया है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता बैरम खान ने तथ्यों की विवेचना कर रेलवे की इस कार्रवाई के खिलाफ पीआईएल दाखिल करने की बात कही है।

रीतिका तिर्की को मिला राष्ट्रपति का निमंत्रण

JAMSHEDPUR : देश में वंदेभारत एक्सप्रेस की पहली अदिवासी महिला



लोको पायलट रीतिका तिर्की को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का निमंत्रण मिला है। रीतिका 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की संध्या को राष्ट्रपति भवन में होने वाले रिसेप्शन में शामिल होंगी। निमंत्रण पत्र सहायक डाक अधीक्षक (पश्चिमी) परीक्षित सेठ की देखरेख में रीतिका तिर्की के घर शनिवार को सौंपा गया। निमत्रंण पत्र मिलने पर रीतिका

ने कहा कि वह बहुत खुश है। वह जरूर इस कार्यक्रम में शामिल होगी। मालम हो कि रीतिका टाटानगर से चलने वाली टाटा-पटना वंदेभारत एक्सप्रेस को उद्घाटन के दिन से ही चला रही हैं। वे मूलतः गुमला की रहने वाली हैं।

घरेलू विवाद और अंधविश्वास में दिया घटना को अंजाम, जांच में जुटी पुलिस

युवक ने चचेरे भाई पर टांगी से वार कर ले ली जान, मां जख्मी

बीच शुक्रवार शाम साहिल चौहान

ने रोहित चौहान को देखते ही उस

पर तेज धारदार टांगी से वार किया।

का हाथ जख्मी हो गया। हालांकि

बाद में जख्मी हालत में रोहित को

पलाम् जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के रजहरा के ठाकरटोला में घरेलू विवाद और अंधविश्वास में एक युवक ने अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी। मामले में तेज धारदार टांगी से मारकर हत्या की गयी है। बीच बचाव करने पर मृतक की मां रेणू देवी जख्मी हो। गयी। उसके हाथ में 11 टांके लगाए गए हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को घटना के कुछ देर बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार दोपहर एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया। आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मृत युवक की पहचान रोहित चौहान (20) के रूप में हुई है, जबकि आरोपित युवक साहिल चौहान (20) है।



परिजनों के साथ घायल रेणु देवी।

बीच अंधविश्वास एवं घरेलू मामले को लेकर विवाद चला आ रहा था। पिछले दिनों दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। मामला थाना तक पहुंचा था। थाना स्तर पर समझौता करके दोनों युवकों को घर भेज दिया गया था। आगे से मारपीट नहीं करने की हिदायत दी गई थी। इसी दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चिंटू कुमार मौके पर पहुंचे। छानबीन करते हुए आरोपित युवक साहिल चौहान को मौके से गिरफ्तार किया। इस संबंध में रोहित चौहान की मां के जरिये एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपित को शक था कि चचेरे भाई और उसके परिजन तंत्र-मंत्र कर उसकी भांजी को मार डाला है। साहिल की भांजी की कुछ माह पहले किसी वजह से मौत हो गई थी। साहिल को तभी से शक था कि उसकी मौत के पीछे रोहित और उसके परिजनों का हाथ है। इधर, थाना प्रभारी चिंट कमार ने बताया कि आरोपित साहिल को गिरफ्तार कर लिया गया है और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेजा गया है।

प्रताडना से तंग पति ने की थी पत्नी की हत्या

PALAMU: जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के शहर थाना क्षेत्र के कुंड मुहल्ला टिलहापर की शायरा बानो (४५)की हत्या उसके पति शहाब अंसारी ने की थी। घटना वाली रात पति और पत्नी एक कमरे में एक ही बेड पर सोए थे। पत्नी पति को अपने साथ सुलाना नहीं चाहती थी एवं धक्का देकर दूसरे कमरे में जाने के लिए दबाव बनाने पर गुस्साए पति ने उसकी टांगी से मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद बाहर कमाने जाने के बहाने आरोपित पति मौके से फरार हो गया था। 6 जनवरी 2025 को न्यायालय में सरेंडर करने पर आरोपित पति को रिमांड पर लिया गया। दो दिनों की रिमांड अवधि में उससे कई स्तरों पर पूछताछ की गई। दूसरे दिन शनिवार पुछताछ के दौरान आरोपित ने अपना जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को पूरी जानकारी दी।

ड़ीसी ने अनियमितता के तीन अलग-अलग मामलों में की कार्रवाई

GARHWA : उपायुक्त शेखर

जमुआर ने अनियमितता के तीन अलग-अलग मामलों में सख्त कार्रवाई की है। ये मामले मझिआंव के रामपुर पैक्स एवं खरौंधी प्रखण्ड में अबुआ आवास तथा मंईयां सम्मान योजना से संबंधित हैं। रामपुर पैक्स में धान क्रय में गड़बड़ी पर अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मझिआंव प्रखण्ड के रामपुर पैक्स में धान क्रय में कालाबाजारी पर कार्रवाई गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखण्ड अंतर्गत रामपुर पैक्स में धान क्रय में कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से जांच कराई। जांच में धान अधिप्राप्ति विपणण मौसम 2024-25 अंतर्गत उपार्जन पोर्टल में प्रदर्शित 5375 क्विंटल के विरुद्ध उनके गोदाम में मात्र 2693 क्विंटल धान पाया गया। निरीक्षण के समय लगभग 2300 क्विंटल धान गोदाम में नहीं पाया गया। इस अनियमितता के लिए रामपुर पैक्स के अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह से स्पष्टीकरण मांगी गई।

हजारीबाग जेल से पांडेय गिरोह संचालित कर रहा विकास तिवारी

PHOTON NEWS PALAMU: गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव की हत्या

बताया जाता है कि दोनों भाइयों के

के जुर्म में आजीवन सजा काट रहा विकास तिवारी हजारीबाग जेल से ही भोला पांडेय-किशोर पांडेय गिरोह का संचालन कर रहा है। जेल से ही उसने भरत सिंह उर्फ भरत पांडे व दीपक साव उर्फ ढल्ला की हत्या का फरमान जारी किया था। उसके फरमान पर ही बीते पांच जनवरी की रात को चैनपुर थाना क्षेत्र के गरदा गांव में भरत सिंह उर्फ भरत पांडे व दीपक साव उर्फ ढल्ला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसका खुलासा पांडेय गिरोह की निशि पांडे व निशांत सिंह ने पलामू पुलिस के समक्ष पूछताछ में किया है। इस खुलासा के आलोक में पलामू पुलिस जल्द ही विकास तिवारी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। बताते चलें कि भरत सिंह उर्फ भरत पांडे व दीपक साव उर्फ

 विकास के कहने पर हुई थी भरत सिंह उर्फ भरत पांडे व दीपक साव उर्फ ढल्ला की हत्या

हजारीबाग जेल में बंद विकास तिवारी पांडेय गिरोह का संचालन करता है। उसके कहने पर ही भरत सिंह उर्फ भरत पांडे व दीपक साव उर्फ ढल्ला की हत्या हुई थी। इसका खुलासा निशि पांडे व निशांत

सिंह ने किया है। पुलिस हत्या में शामिल शूटरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इस मामले में पलामू पुलिस विकास तिवारी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। – रीष्मा रमेशन, एसपी, पलाम्

ढल्ला की हत्या मामले में 11 लोगों पर नामजद प्राथमिकी हुई थी। इसके आलोक में पलामू पुलिस ने हत्या में नामजद निशि पांडे व निशांत सिंह

को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। बाद में पलामू पुलिस ने पांच दिन के रिमांड पर लेकर दोनों से पूछताछ की थी। निशि पांडेय ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि विकास तिवारी की भतीजी के साथ भरत पांडे के चचेरे भाई का अफेयर था। उसी अफेयर में उसकी भतीजी की हत्या हो गई। इसी हत्या के मामले में भरत पांडे का चचेरा भाई जेल में बंद है। उसके बाद ही पांडेय गिरोह से भरत सिंह उर्फ भरत पांडे की दुश्मनी शुरू हो गई। इस अदावत में पांडेय गिरोह से अलग होकर भरत सिंह उर्फ भरत पांडे ने अपना गिरोह बना लिया। उसके बाद पांडेय गिरोह ने भरत के चाचा अशोक पांडे की हत्या कर दी। उसके बाद भरत सिंह उर्फ भरत पांडे ने पांडेय गिरोह के खास सीसीएल कर्मी अमित बख्शी

शिशु शक्ति संवर्धित टीएचआर योजना शुरू

कुपोषण दूर करने के लिए राज्य सरकार ने लॉन्च किया पायलट प्रोजेक्ट

PHOTON NEWS CKP:

चक्रधरपुर रेलवे क्षेत्र के ऑफिसर क्लब में शुक्रवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले से कुपोषण को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से पायलट प्रोजेक्ट के तहत शिशु शक्ति संवर्धित टीएचआर (टेक होम राशन) योजना शुरू की गई। योजना की शुरूआत मंत्री दीपक बिरुआ व सांसद जोबा मांझी, विधायक सुखराम उरांव, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, झारखंड राज्य पोषण मिशन के महानिदेशक समीरा एस रेड्डी, डीडीसी संदीप कुमार मीणा आदि ने संयुक्त रुप से टीएचआर पैकेट का विमोचन किया। इसी क्रम में पांच कुपोषित बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए टीएचआर किट बांटे गए। समीरा एस रेड्डी ने योजना संबंधी विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। कार्यक्रम के दौरान पांच बच्चों का अन्नप्राशन तथा पांच गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म



दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री दीपक बिरुआ। • फोटोन न्यूज

निभाई गई। आंगनबाड़ी सेविका द्वारा पौष्टिक आहार को लेकर लगाए गए स्टॉल का अतिथियों ने अवलोकन किया। इस मौके पर श्रुति राजलक्ष्मी, न्युट्टीशन आफिसर डॉ. दिगंबर शर्मा, समाज कल्याण विभाग की सहायक निदेशक प्रीति रानी, बीडीओ कंचन मुखर्जी, डॉ. अंश्मन शर्मा आदि मौजूद थे। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि कुपोषण दुर करने के लिए ही राज्य

सरकार ने यह योजना शुरू की है। इस योजना में आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका का मुख्य योगदान रहेगा। यह एक मिशन है और इसमें भविष्य जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिल कर इस कुपोषण को समाप्त कर सकते हैं और देश के भविष्य का स्वास्थ बेहतर कर सकते हैं। इस मौके पर उपस्थित सेविका-सहायिका को अति कुपोषित बच्चों पर आधारित फिल्म दिखाई गई।

नशा करने के लिए बाइक चुराते थे किशोर, गिरफ्तार



PHOTON NEWS JSR:

सीतारामडेरा थाना की पुलिस ने क्षेत्र के एग्रिको चौक, हनुमान मंदिर समेत अन्य स्थानों पर हुई बाइक चोरी की घटनाओं का शनिवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने बाइक चोरी में लिप्त 3 किशोरों को पकड़ा है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने चुराई गई चार बाइक बरामद की है। डीएसपी हेडक्वार्टर-1 भोला प्रसाद ने शनिवार को थाने में पत्रकारों को बताया कि पकड़े गए किशोर नशा करते थे और नशे के लिए ही बाइक चोरी करते थे।

बाइकें बेच कर ये लोग अपने लिए नशे का सामान जुटाते थे। डीएसपी ने बताया कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ये किशोर किसी बड़े गिरोह से तो नहीं जुड़े हुए थे। पुलिस ने बताया कि 17 जनवरी को सीतारामडेरा में बाइक चोरी की एक घटना हुई थी। इसकी प्राथमिकी दर्ज हुई थी। बाइक चोरी की घटना बढ़ने पर एसएसपी के निर्देश पर पुलिस की एक टीम गठित की गई थी। इसी टीम ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले और मुखबिरों से जानकारी ली। इसके बाद घटना का खुलासा हुआ।

विधायक की फटकार के बाद भी नहीं हो रहा है सड़क की गुणवत्ता में सुधार

व रोशन साव की हत्या कर दी।

KHUNTI: तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया द्वारा पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता और संवेदक को फटकार लगार्ये जाने के बावजूद खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा सडक के निर्माण की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हो रहा है। निर्माण के दौरान ही जगह-जगह पर सड़क टूटने लगी है। इसके कारण आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। सड़क निर्माण की गुणवत्ता की शिकायत मिलने पर गत 13 जनवरी को विधायक सदीप गुड़िया ने सोसोटोली गांव के पास सडक निर्माण का जायजा लिया और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए हुए विभाग के कार्यपालिका अभियंता को गुणवत्ता में सुधार लाने का निर्देश दिया था। विधायक के निर्देश के बाद संवेदक की ओर से मरम्मत के नाम पर टूटी जगह पर चीपी साट कर छोड़ दिया गया।

अर्का जैन विश्वविद्यालय में एनपीटीईएल पर कार्यशाला



दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथि।

PHOTON NEWS JSR: अर्का जैन विश्वविद्यालय में शनिवार को एनपीटीईएल (नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग) पर कार्यशाला हुई। मुख्य वक्ता आईआईटी खड्गपुर की को-ऑर्डिनेटर और एसोसिएट डीन प्रोफेसर हैमंती बनर्जी ने छात्रों एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों के महत्व और लाभों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनपीटीईएल प्रमाणन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने

वाले छात्रों को आईआईटी में इंटर्निशिप और प्री-डॉक्टोरल फेलोशिप के विशेष अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को एनपीटीईएल लोकल चैप्टर बनने के लिए बधाई दी। इस मौके पर विश्वविद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन प्रो. (डॉ.) एसएस रजी, डीन (छात्र कल्याण) डॉ. अंगद तिवारी और ज्वाइंट रजिस्टार डॉ. जसबीर धंजल ने भी छात्रों को

ऐसे पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए

PHOTON NEWS GHATSHILA:

काम के लिए ठेकेदार को पूर्णिया से बुलाया रामगढ़ कर लिया अपहरण

RAMGADH: रामगढ़ शहर में शनिवार को अपराधियों ने एक ठेकेदार का बड़े अनोखे तरीके से अपहरण कर लिया। उसे पहले काम का झांसा देकर पूर्णिया से रामगढ़ बुलाया। काम की बात करने के बाद अपराधियों ने ठेकेदार को रस्सी से बांध दिया और उसके मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद उसे 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। रामगढ़ पलिस की सिक्रयता से ठेकेदार अपहरणकताओं के चंगुल से मुक्त हुआ। साथ ही पुलिस ने दो अपहरणकताओं को गिरफ्तार भी कर लिया। उनके पास से एक पिस्तौल और वारदात में इस्तेमाल स्कोर्पियो गाड़ी भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में बिहार राज्य के पटना जिला अंतर्गत बख्तियारपुर निवासी अमित कुमार और स्कॉर्पियो ड्राइवर रामगढ़ जिले के सांडी

समझौता : छात्रों में जगेगी साहित्य के प्रति अभिरूचि, होगा व्यक्तित्व का विकास

घाटशिला कॉलेज में हुआ साहित्य कला परिषद का गठन

पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित घाटशिला कॉलेज और साहित्य कला फाउंडेशन के मध्य से छात्र-छात्राओं को साहित्य से जोड़ने एवं व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए संवाद की प्रक्रिया में शामिल करने के उद्देश्य से एक एमओयू किया गया। इस एमओयू पर घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी एवं साहित्य कला फाउंडेशन की मुख्य ट्रस्टी डॉ. क्षमा त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किया। प्राचार्य ने घाटशिला कॉलेज के बांग्ला विभाग के अध्यक्ष डॉ. संदीप चंद्र को परिषद का संयोजक नियुक्त किया, जो साहित्य कला परिषद का पूर्ण गठन कर फाउंडेशन को

सूचित करेंगे और विविध



कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करेंगे। प्राचार्य ने कहा कि साहित्य में अभिरुचि रखने वाले सभी शिक्षकों एवं छात्रों को इसमें सम्मिलित किया जाएगा। इस अवसर पर यह तय किया गया कि वर्ष में कम से कम दो बार किसी बड़े लेखक को आमंत्रित कर उनकी लेखन प्रक्रिया और उनके पुस्तकों पर लेखक से

संवाद किया जाएगा। प्रश्नोत्तर के माध्यम से साहित्य की समझ विकसित की जाएगी। वर्ष में एक बार समेकित रूप से एक वार्षिक कार्यक्रम होगा, जिसमें अन्य महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित कर पाएंगे। प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने

समूह का स्वागत करते हुए आज

युवा पीढ़ी से साहित्यकारों का संवाद महत्वपूर्ण साहित्य कला फाउंडेशन की मुख्य ट्रस्टी डॉ. क्षमा साहित्य कला फाउंडेशन लेखकों को आमंत्रित करने और उनके खर्च आदि की व्यवस्था करेगी। इस अवसर पर उपस्थित साहित्य अकादमी के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पूर्व

त्रिपाटी ने साहित्य कला फाउंर्डशन के गढन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह साहित्यकारों की अपनी युवा पीढ़ी से संवाद स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास है। अगर बच्चे साहित्य से जुड़ते हैं तो निश्चित रूप से उनके व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास होगा और इसका प्रभाव समाज पर भी पड़ेगा। इससे संस्कृति को सही ढंग से समझने में भी मदद मिलेगी।

के दिन को महत्वपूर्ण बताया

और कहा कि मुझे विश्वास है कि

साहित्य कला फाउंडेशन के साथ

हुए इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर

के साथ ही साहित्य कला परिषद

अस्तित्व में आ चुका है और

भविष्य में यहां के छात्रों का जो

अनुशासन है और शिक्षकों की

जो कर्तव्य निष्ठा है, वह यहां

आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में

स्पष्ट दिखेगी। उन्होंने कहा कि मैं

स्वयं साहित्य से रुचि रखता हूं

अपने सही उद्देश्य को प्राप्त करेगी। और हमारे महाविद्यालय के कई ऐसे शिक्षक भी हैं, जो लिखने में रुचि रखते हैं, उनमें साहित्यिक अभिरुचि है, उन सबों की सिक्रयता और सजगता से छात्रों के भीतर जो सृजनात्मक क्षमता है, वह निखरेगी।

फाउंडेशन के ट्रस्टी और पत्रकार ब्रजेश कुमार मिश्र ने भी बैठक को संबोधित किया और फाउंडेशन किस प्रकार से काम करती है, उस पर विस्तार से

प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्राचार्य के निर्देशन में जो भी साहित्य कला परिषद तय करेगी, वह फाउंडेशन को सूचित होने पर सम्यक विमर्श के उपरांत उसके लिए व्यवस्था की जाएगी और स्तरीयता के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर काफी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी एवं साहित्य कला फाउंडेशन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

संयोजक डॉ. अशोक अविचल ने साँहित्य को संवाद का

माध्यम बताया और उम्मीद जाहिर की कि सच्चे

वातावरण में सभी शिक्षकों की सहमति से प्राचार्य ने

जिस साहित्य कला परिषद का गढन किया है, वह

किसान मेला में आकर्षण का केंद्र बने सिंदूरी फल और पीली गोभी

जिला कृषि विभाग की ओर से दारीसाई कृषि विज्ञान अनुसंधान केंद्र में शनिवार को जिला किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। इसका उद्घाटन राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया। मेला में आकर्षण का केंद्र सिंदुरी फल व पीली गोभी रहे। बहरागोड़ा के किसान लाल्टू साहू सिंदूरी फल लाया था। उन्होंने बताया कि इसका बीज दूसरे राज्य से लाए थे। यह लिपस्टिक, सिंदूर या आलता बनाने में काम आता है। वहीं, पीली गोभी डुमरिया की प्रतिमा मुर्मू लाई थीं। इसके अलावा गालूडीह के छोलेगोड़ा निवासी लाल्ट्र सिंह द्वारा लाया गया 20 किलो के कुम्हड़ा को प्रथम पुरस्कार मिला। द्वितीय पुरस्कार दुला राम व तृतीय पुरस्कार पटमदा निवासी अजय



निवासी रवीश मुंडा शामिल हैं।

महतो को मिला। उत्कृष्ट खेती करने वाले 90 किसानों को जिला कृषि पदाधिकारी विवेक बिरुआ द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, पूर्वी सिंहभूम जिला के प्रोजेक्ट डायरेक्टर दीपांकर चौधरी, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू, पार्वती मुंडा, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के सह निदेशक डॉ. नजरुल सलाम, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अमरेश पांडेय, जिला उद्यान पदाधिकारी अनिमा लकड़ा, जिला मत्स्य पदाधिकारी अल्का पन्ना सहित अन्य उपस्थित थे।

बच्चा रहे हमेशा कोंफिडेंट इसके लिए उसे बोलना सिखाएं ये ५ स्ट्रोंग लाइंस

कभी खुद को नहीं समझेगा किसी से कम ऐसी कई पंक्तियां हैं जो अगर बच्चा रोजाना खुद से कहने लगेगा तो उसका आत्मविश्वास भी तेजी से बढ़ेगा. जानिए कौनसी हैं ये कोंफिडेंस बढ़ाने

बहुत से बच्चे कम उम्र से ही कोंफिडेंट होते हैं. उन्हें किसी के सामने कुछ कहने या करके दिखाने में झिझक नहीं होती और ये बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. लेकिन, इस कोंफिडेंस की वजह क्या होती है? इस कोंफिडेंस की वजह होती है बच्चे का खुद पर विश्वास करना. यह विश्वास बच्चों में अपने अंतर्मन में कही बातों से भी आता है तो कई बार माता-पिता की बातें बच्चों को आत्मविश्वासी बनाती हैं. अपने बच्चों को कोंफिडेंट बनाने के लिए आप भी उन्हें ऐसी पॉजीटिव बातें बोलना सिखा सकते हैं जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ने लगे. खुद से ये स्ट्रोंग लाइंस

बोलकर ना सिर्फ बच्चों का कोंफिडेंस बढ़ेगा बल्कि किसी भी मुश्किल घड़ी से निकलने का हौंसला भी उनमें आएगा.

५में जैसा हूं वैसे ही प्यार के काबिल हूं५ बच्चे का सेल्फ कोंफिडेंस बढ़ाने के लिए उसे यह पंक्ति सिखाई जा सकती है. बच्चों को समझाएं कि वे जैसे हैं वैसे ही मूल्यवान हैं और प्यार के काबिल हैं. अपनी सेल्फ वर्थ समझने के लिए उन्हें किसी की वेलिडेशन या रजामंदी की जरूरत नहीं

भमें परेशानी का हल ढूंढ सकता हूंभ किसी भी मुश्किल से निकलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है खुद पर विश्वास करना. माता-पिता को अपने बच्चे को यह बोलना जरूर सिखाना चाहिए कि वह किसी भी परेशानी का हल ढूंढ सकता है. जब कोई मुश्किल आए तो बच्चे को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि मैं किसी भी

परेशानी का हल ढूंढ सकता हूं. बच्चे का आत्मविश्वास) बढ्ने लगेगा. भमें बहादुर हूं और मुझे हार नहीं माननी हैभ किसी परिस्थिति से पार पाने के लिए और हमेशा अपना बेस्ट देते रहने के लिए बच्चे को यह पंक्ति खुद से जरूर कहनी चाहिए. इससे बच्चे में कोंफिडेंस आता है. इससे बच्चा हार मानने के बजाय आगे बढ़ता जाता है. भमेरे विचार मैटर करते हैं भ कई बार बच्चे किसी काम को इसलिए नहीं करते या फिर किसी के सामने अपनी बात रखने से झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी बात का कोई मूल्य नहीं है. लेकिन, बच्चे को यह समझाना और यह कहना सिखाना जरूरी है कि उसके विचार मैटर करते हैं. जब बच्चे खुद से यह कहने लगते हैं तो आत्मविश्वास के साथ अपनी

बात को आगे रखना भी शुरू कर देते हैं.



५भैं नई चीजें सीख सकता हूं५ बच्चों को खुद से यह जरूर कहना चाहिए कि वह नई चीजें सीख सकते हैं. इससे बच्चे किसी काम

को सीखने (रद्भडुह्मडुद्धडुद्द) से घबराते नहीं हैं. बच्चों में इस पंक्ति को कहने पर नई चीजें सीखने का कोंफिडेंस आता है.

क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग, टीनेजर्स की परवरिश में आजमा सकते हैं यह यूनिक तरीका

आप टीनेजर बच्चों के माता-पिता हैं तो आपने पैरेंटिंग के अलग-अलग तरीकों के बारे में तो सुना ही होगा. लेकिन, क्या आप लाइटहाउस पैरेंटिंग के बारे में जानते हैं? यहां जानिए लाइटहाउस पैरेंटिंग क्या होती है और टीनेजर्स की परवरिश में कैसे काम

परवरिश के अलग–अलग तरीकों में से ही एक है लाइटहाउस पैरैंटिंग. असल में लाइटहाउस पैरेंटिंग एक तरह की बैलेंस्ड पैरेंटिंग अप्रोच है जिसमें बच्चों को प्यार, सपोर्ट और गाइडेंस दी जाती है लेकिन साथ-साथ बाउंडरीज मेंटेन करना भी जरूरी होता है. इस पैरेंटिंग स्टाइल में माता-पिता बच्चे को एक सुरक्षित वातावरण देते हैं जिसमें बच्चे खुद को बेहतर तरह से एक्सप्रेस कर संकते हैं! इसमें बच्चे माता-पिता से अपने मन की बातें बिना डरे कह पाते हैं. यहां जानिए क्या होती है लाइटहाउस पैरेंटिंग और इसे कैसे आजमाया जा सकता है. बनाएं क्लियर नियम

लाइटहाउस पैरेंटिंग में आपको क्लियर रूल्स बनाने होते हैं. आपको नियम बनाकर यह सुनिश्चित करना होता है कि बच्चे इन्हें गंभीरता से फॉलो करें. वहीं, स्पष्ट होना भी

जरूरी है, जैसे अगर आप चाहते हैं कि बच्चा अपना फोन इस्तेमाल ना करे तो सीधेतौर पर उसे कहें कि फोन इस्तेमाल ना करे. तानों के जरिए बात कहने की कोशिस ना करें. कमजोरियों पर ना करें निंदा अगर बच्चे की कोई कमजोरी है तो उसकी सीधेतौर पर निंदा ना करें बल्कि समझें और उसे भी समझाएं कि कमजोरियों से सीखने की जरूरत होती है. चाहे गलती हो या फिर कोई कमी, इसे पूरा करने पर ध्यान दें ना कि बच्चे की निंदा करके उसका मनोबल कमजोर करें. कोशिश के दें पूरे नंबर किशोरावस्था ऐसी उम्र है जिसमें बच्चे अलग-अलग कामों को सीखने की कोशिश करते रहते हैं और अक्सर एक्सपेरिमेंट्स करते हैं. ऐसे में अगर बच्चे किसी काम में बुरे भी निकलते हैं और कभी–कभी उन्हें हार का मुंह भी देखना पड़ता है. ऐसे में बच्चे को उसकी कोशिश और एफर्ट्स के पूरे नंबर दें. रिजल्ट क्या निकला या क्या नहीं इससे ज्यादा जरूरी है बच्चे का हौंसला बढ़ाना. बहुत ज्यादा कठोरना ना अपनाना इस पैरेंटिंग स्टाइल में इस बात का ध्यान रखा जाता है कि माता–पिता बच्चे के साथ बहुत ज्यादा कठोरता नहीं बरत रहे हैं. इस उम्र में बच्चे से बहुत ज्यादा कठोर व्यवहार



किया जाए तो बच्चों में एक तरह का डर

परेशानियां तक पैरेंट्स से कहने से डरने

गहराने लगता है जिससे वे अपनी

हमेशा डांट-डंपटकर बच्चे को ना बनाएं दब्बू

इन तरीकों से बढ़ाएं बच्चे का कोंफिडेंस

अगर आपको भी अपने बच्चे में कोंफिडेंस की कमी नजर आती है तो यहां जानिए किस तरह उसमें आत्मविश्वास लाया जा सकता है. इस तरहबच्चे जीवन में कभी भी और किसी से भी पीछे नहीं रहते हैं.

माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे जीवन में हमेशा आगे बढते रहें, कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन दिखाएं, दोस्तों के बीच पॉपुलर रहें और कभी उन्हें किसी से कमतर महसूस ना हो. ऐसे में पैरेंट्स बच्चों को अक्सर अनुशासित करने के लिए डांट-डंपट भी देते हैं. लेकिन, इस सख्ती से होता यह है कि बच्चे का कोंफिडेंस कम होने लगता है और वह झेंपने लगता है. ऐसे में बच्चे की परवरिश में यह गलती आप बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसे वो काम सिखाएं या इस तरह

उससे बर्ताव करें जिससे वह आत्मविश्वासी बने और किसी मुश्किल से कभी घबराए नहीं. किसी काम को करने का सिखाएं सही तरीका अक्सर ही बच्चों में कोंफिडेंस की कमी इसलिए देखी जाती है क्योंकि उन्हें कोई काम सही तरह करने में दिक्कत होती है या फिर वे इस काम को सही तरह से करना नहीं जानते जिसकी वजह से उनकी खिल्ली उड़ाई जाती है. ऐसे में आप बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए उसे इन कामों को सही तरह से करना सिखा सकते हैं. इससे अपने यार-दोस्तों के सामने भी बच्चे का कोंफिडेंस बना रहता है. बच्चे के विचारों को दबाएं नहीं – पैरेंट्स एक आम गलती यह कर देते हैं कि जब बच्चा अपने विचार उनके सामने रखता है तो वे उसकी बातों पर ध्यान नहीं देते. कई बार तो यह भी होता है कि बच्चा अगर थोड़ा भी खुलकर व्यवहार करता है तो पैरेंट्स उसे यह कहकर चुप करवा देते हैं कि इतराओं मत. ऐसे में बच्चे अपने आपको एक्सप्रेस करने से कतराने लगते हैं. करें बच्चे की सराहना – बच्चा किसी चीज में बुरा होगा तो ऐसे भी बहुत से काम होंगे जिसमें वह सबसे अच्छा होगा या फिर जिन कामों को वह अच्छी तरह कर सकता है. इसीलिए बच्चे की सराहना करना जरूरी है. बच्चे को इससे कोंफिडेंस मिलता है और वह खुद को बेहतर करने की तरफ अग्रसर होता है. घर पर ही करवाएं कोंफिडेंस बढ़ाने वाली एक्टिविटीज – आप बच्चे को घर में ही अपने मन की बात कहने के लिए, सबके सामने कुछ गाकर सुनाने या डांस करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं. बच्चे को जो कुछ अच्छा लगता है वह सभी के सामने करके दिखाने में कंफर्टेबल है या नहीं उससे पूछें. धीरे-धीरे बच्चे अगर घर के सदस्यों के सामने बोलना या अपनी खूबिया दिखाना शुरू करते हैं तो बाहरी लोगों के सामने भी उन्हें कोंफिडेंट महसूस होने लगता है.

इन ५ वजहों से माता-पिता की बात नहीं सुनते हैं बच्चे, समय रहते ध्यान देना है जरूरी

अक्सर ही बच्चे माता–पिता की बात को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि बच्चे के इस तरह बर्ताव करने की क्या वजह हो सकती है.

बच्चों की परवरिश करना कोई आसान काम नहीं होता है. पैरेंट्स बच्चों के बड़े होने तक खुद भी जीवन से जुड़ी अनेक नई बातें सीखते हैं और लगातार सीखते जाते हैं. लेकिन, इस पूरे सफर में पैरेंट्स ऐसी गलतियां भी करते हैं जिनसे बच्चे की परवरिश पर असर पड़ता है. कई बार माता-पिता को यह देखकर हैरानी होती है कि बच्चे उनकी बात नहीं सुन रहे हैं या बात को सुनकर नजरअंदाज कर देते हैं. ऐसे में कई बार पैरेंट्स को यह समझने में दिक्कत होती है कि बच्चों के इस बर्ताव की क्या वजह है. अगर आप भी बच्चों के इसी व्यवहार से परेशान हैं तो यहां जानिए किन वजहों से

बच्चे माता–पिता की बात को अनसुना करने ही खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं. लगते हैं.

जरूरत से ज्यादा सख्ती

अगर माता-पिता बच्चे पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करने लगते हैं तो बच्चे उनकी बात सुनना बंद कर देते हैं. बच्चों को लगने लगता है कि पैरेंट्स की सख्ती से बचने का तरीका है उनकी बात ना मानना और आखिर में किसी भी बात को सुनने से इंकार कर देना. ऐसा बच्चे ज्यादातर पैरेंट्स से बदला लेने के लिए करते हैं.

हमेशा चिल्लाकर बात करना

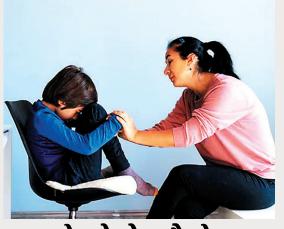
पैरेंट्स अगर बच्चे पर हर समय ही चिल्लाते रहते हैं और उससे किसी भी काम को करने के लिए चिल्लाकर ही बात करते हैं तो इससे बच्चा घबरा जाता है. बच्चे को लगता है कि चुप रहकर और बातों को अनसुना करके

बहुत ज्यादा नियम

बच्चों पर अलग-अलग और ढेर सारे नियम थोप दिए जाने पर भी उन्हें अच्छा नहीं लगता है. बच्चे इन नियमों से तंग आकर पैरेंट्स की एक भी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं और सोचते हैं कि इन नियमों के जवाब में अब वे हर काम को और हर बात को अनसुना कर देंगे.

अटेंशन के लिए भी करते हैं

कई बार बच्चे माता-पिता की बात इसलिए नहीं सुनते क्योंकि उन्हें अटेंशन चाहिए होता है. माता-पिता बच्चे पर ध्यान दें और उसके इस व्यवहार के लिए उससे आकर सवाल-जवाब करें इसीलिए बच्चे पैरेंट्स की बात नहीं सुनते, उन्हें इग्नोर करते हैं और उनसे उखड़ा–उखड़ा रवैया अपनाने लगते हैं.



बच्चे को होता है सेल्फ डाउट और खुद को समझता है सबसे कमतर

तो पैरेंट्स इन 4 तरीकों से बढ़ाएं उसका कोंफिडेंस

आपका बच्चा अगर खुद पर विश्वास नहीं करता है और सेल्फ डाउट से घिरा रहता है तो यहां जानिए किस तरह उसका आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

माता-पिता को अक्सर लगता है कि बच्चों को जीवन में किसी तरह की परेशानी नहीं होती या फिर बच्चों पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती इसीलिए उन्हें हर स्थिति में खुश रहना चाहिए. लेकिन, ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनसे बच्चे अकेले गुजरते रहते हैं. बच्चे खुद की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं, हर किसी की डांट सुनकर खुद को सबसे कम समझने लगते हैं, उनपर अच्छी परफोर्मेंस का प्रेशर होता है तो साथ ही उनकी भावनाएं कई बार माता-पिता या दोस्त कोई नहीं समझ पाता जिससे बच्चे खुद को अकेला महसूस करते हैं. इसके अलावा, अक्सर ही बच्चे सेल्फ डाउट में पड़ जाते हैं और अपना आत्मविश्वास खो देते हैं. ऐसे में माता– पिता बच्चे को समझते हुए उसे इस दुविधा से निकालने की कोशिश कर सकते हैं. अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा सेल्फ डाउट में रहता है, कोंफिडेंट फील नहीं करता और खुद को दूसरे बच्चों से कम समझता है तो यहां जानिए किस तरह बर्च्चे के आत्मविश्वास को बढाने में मदद की जा

नकारात्मक बातों को दूर करना सिखाएं बच्चे कई बार नकारात्मक और सकारात्मक बातों में अंतर करना नहीं जानते और इसीलिए कुछ बुरा भी हो तो उसे अपने अंदर दबाए रखते हैं. यही नकारात्मक बातें बच्चों को अंदर ही अंदर खाने लगती हैं. ऐसे में बच्चों को सिखाएं कि किस तरह नकारात्मक बातों को पहचानकर उनसे दूरी बनाई जा सकती है. नकारात्मक भावनाओं को दूर करके ही सेल्फ डाउट से छुटकारा पाया जा सकता है.

स्ट्रेंथ पर फोकस करना

बच्चे को उसकी स्ट्रेंथ पर फोकस करना सिखाएं. जिन कामों में बच्चा अच्छा है उन कामों में खुद को वह और कैसे बेहतर बनाए और किस तरह अपनी सफलताओं से कोंफिडेंट महसूस करे यह उसे बताएं. इससे आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही बच्चों में सकारात्मक विचारों का संचार होता है.

हार लेकर ना बैठना

बच्चा अगर अपनी गलतियों या हार के बोझ तले बैठा रहेगा तो यकीनन इससे उसका आत्मविश्वास कम होगा. ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि जीवन में जीत और हार लगे रहते हैं, लेकिन हार को लेकर बैठना और खुद को हारा हुआ महसूस करना सही नहीं है. हार से सीखना और आगे बढ़ते रहना जरूरी होता है.

आत्मनिर्भर होना

अगर बच्चे को लगता है कि वह कोई भी काम खुद से नहीं कर सकता या फिर उसे हर काम को करने के लिए किसी की जरूरत है, तो यह उसकी लो सेल्फ एस्टीम को दर्शाता है. ऐसे में पैरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे कम उम्र से ही बच्चे को आत्मनिर्भर होना सिखाएं. कम से कम छोटे-मोटे काम और जिम्मेदारियां बच्चा खुद उठाने लगे जिससे उसके सेल्फ कोंफिडेंस में वृद्धि हो.

■न्या भ्रूण हत्या के लिए

Sunday, 19 January 2025

सीहोर में 356 क्रांतिकारियों का बलिदान

अंग्रेजी राज से भारत की मुक्ति के लिए 1857 की क्रांति भारत के हर क्षेत्र में हुई, असंख्य बलिदान हुए। बलिदानों की इस श्रृंखला में मध्य प्रदेश का सीहोर नगर भी है, जहां अंग्रेज जनरल ह्युरोज ने 356 सैनिकों को पहले गोली से उड़ाया, फिर शवों को पेड़ पर लटकाने का आदेश दिया, ताकि क्षेत्र में भय पैदा हो। बलिदानी क्रांतिकारियों के ये शव दो दिनों तक पेड़ों पर लटके रहे थे। 1857 की इस क्रांति का उद्घोष क्रांतिकारी मंगल पांडेय ने 29 मार्च को बंगाल इन्फ्रेन्ट्री से किया था। लेकिन, व्यापक रूप से इसकी शुरूआत मेरठ से हुई। 10 मई को मेरठ छावनी से अंग्रेजों का यूनियन जैक उतार दिया गया था और दिल्ली कच कर दिया था। भोपाल रियासत में यह क्रांति जन 1857 में आरंभ हुई। भोपाल रियासत के अंतर्गत अंग्रेजों की सैन्य छावनी सीहोर में थी। उन दिनों रियासत में नबाब बेगम सिकन्दर जहां का शासन था। वे अंग्रेजों की समर्थक और उनके आधीन ही अपना राजकाज चला रहीं थीं। रियासत की राजधानी तो भोपाल थी। अंग्रेजी सेना का मुख्यालय सीहोर में था। क्रांति के समय सीहोर की अंग्रेज बटालियन में कुल 1113 सैनिक थे। इनमें 737 पैदल, 363 घुड़सवार और 113 तोपखाने में तैनात थे । अंग्रेज पोलिटिकल एजेंट विलियम फ्रेडरिक का केन्द्र भोपाल था। सीहोर छावनी को कॉन्टिजेन्ट कैंप नाम दिया गया था। इसकी कमान रॉबर्ट हेमिल्टन के हाथ में थी। उनके साथ सीहोर सैन्य छावनी में एक मेजर भी रहते थे। बंगाल इन्फ्रेन्ट्री के विद्रोह और अंग्रेजों के दमन के समाचार देश की अन्य छावनियों में जैसे जैसे पहुंच रहे थे, वैसे वैसे क्रांति की सरगरमी बढ़ने लगी थी। अंग्रेज सतर्क हुए और सेना में नई भर्ती आरंभ की। इस भर्ती की शुरूआत पंजाव और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हुई। सभी छावनियों में ये अतिरिक्त सैनिक भेजे गए और बैरकों में तैनात अंग्रेज अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जाने लगा। सीहोर छावनी में क्रांति की शरूआत करने वाले महावीर कोठ, रमजलाल और वली मोहम्मद थे। महावीर कोठ मलतः राजस्थान के रहने वाले थे। वे मह छावनी में भर्ती हुये और पदोन्नत होकर प्रशिक्षक हो गए। प्रशिक्षक के नाते उनका संपर्क आसपास की छावनियों के सैनिकों से हो गया था। उनका स्थानांतरण सीहोर हुआ। रमजूलाल और वली मोहम्मद से उनका परिचय यहीं हुआ। वली मोहम्मद यूं तो नबाब खानदान से ही संबंधित थे. लेकिन अंग्रेज मेजर के आधीन सीहोर छावनी में तैनात थे। मेरठ से क्रांति का समाचार पहले मह् छावनी आया और महु से सीहोर। इस समाचार के साथ सीहोर छावनी में हलचल बढ़ी। क्रांति के लिए एक बैठक इंदौर में हुई जिसमें नीमच और महु आदि आसपास की विभिन्न छावनियों से सैनिक पहुंचे थे। सीहोर से भी छह सैनिकों की टोली इंदौर गयी। इस टोली का नेतृत्व महावीर कोठ कर रहे थे। इस टोली ने लौटते ही क्रांति की तैयारी आरंभ हुई। भावी रणनीति के लिए क्रांतिकारियों की पहली बडी बैठक 13 जन 1857को हुई। सीहोर में अंग्रेज सैनिक और परिवार मिलाकर कुल बीस लोग थे। यह गतिविधियां देखकर सभी अंग्रेज परिवारों ने छावनी छोड़कर भोपाल आने की तैयारी की। क्रांतिकारी सैनिकों ने उन्हें सुरक्षित भोपाल रवाना कर दिया। ये अंग्रेज परिवार भोपाल आए और नबाब बेगम ने सुरक्षा देकर बंबई रवाना कर दिया। अंग्रेज परिवारों का सीहोर से जाते ही छावनी से अंग्रेजी ध्वज उतार दिया गया। एक लंबे विचार-विमर्श के बाद दो ध्वज फहराए गए। एक भगवा रंग का निशाने महावीरी और दूसरा हरे रंग का निशाने मोहम्मद। इसके साथ विधिवत सिपाही बहादुर सरकार का गठन कर लिया गया। इसकी मुनादी करा दी गई। जो लोग नबाब बेगम या अंग्रेज अधिकारियों को टेक्स देते थे, उनसे इस नई सरकार को टेक्स देने का आदेश दिया गया। यह आठ जुलाई 1857 का दिन था। जब सिपाही बहादुर सरकार स्थापित हुई। इस सिपाही बहादुर सरकार की कमान महावीर कोठ और वली मोहम्मद के हाथ में थी। 17 जुलाई को बैरसिया में क्रांति हुई और नबाब बेगम सहित अंग्रेजी ध्वज उतार दिया गया। इसके बाद गढ़ी अंबापानी, बाड़ी, बरेली और छीपानेर तक क्रांति का विस्तार हो गया। जुलाई माह पुरा होते-होते अंग्रेजों के आधीन नबाब बेगम का शासन केवल भोपाल नगर तक सीमित रह गया था। इसका एक कारण ऐसा था कि क्रांतिकारी सैनिकों में एक बड़ा समृह ऐसा था, जो अंग्रेजों से तो मुक्ति चाहता था पर उसका सद्भाव नबाब बेगम के प्रति था। इसलिए क्रांति का यह अभियान भोपाल नगर को छोड़कर आसपास फैला। क्रांति का दमन करने अंग्रेजों तो पंजाब और रुहेलखंड में सैनिकों की नई भर्ती कर ही रहे थे। इधर भोपाल बेगम ने भी दो काम किए। एक ओर मस्लिम धर्मगरु सक्रिय किए और दसरी ओर सैनिकों की भर्ती आरंभ की। मस्लिम धर्मगरुओं के प्रभाव से पठान सैनिक क्रांति से अलग हो गए। इससे क्रांतिकारियों की संख्या घटने लगी। दसरा कारण धन का अभाव था। क्रांतिकारी सैनिक अगस्त के अलावा बसली नहीं कर पाए। नबाब बेगम और अंग्रेजों ने आरंभ टकराव का रास्ता नहीं अपनाया। केवल जमावट की। अक्टूबर तक पूरी रियासत में अंग्रेज और नबाब बेगम के नए सैनिक तैनात हो गए थे। यह जमावट इतनी तगड़ी थी कि क्रांतिकारी केवल अपने केंद्रोन तक सिमट गए थे। शेष पूरी रियासत में अपना प्रभाव स्थापित कर लिया था। इन कारणों से सीहोर छावनी के सैनिक भी समर्पण करने लगे। वे मॉफी मांग कर अंग्रेजी कैंप में जाने लगे। तैयारी पूरी करके अक्टूबर माह में सीहोर छावनी के सभी क्रांतिकारी सैनिको से हथियार ले लिये गए और उन्हें उनकी ही बैरकों में नजरबंद कर दिया गया फिर 11 नवम्बर 1857 को अंग्रेजों का नया आदेश आया। इस आदेश पर सभी नजरबंद सैनिकों को बंदी बना लिया गया । इनकी संख्या 356 थी। सीहोर छावनी पर नबाब बेगम के सैनिकों का पूरा अधिकार हो गया था, नए अंग्रेज अधिकारी भी आ गए थे। सिपाही बहादुर सरकार का ध्वज उतार कर अंग्रेजी ध्वज

फिर संकट में हरियाणा की 'सुकन्या समृद्धि'

ANALYSIS



वर्ष २०१६ में इससे कम लिंगानुपात दर्ज किया गया था। वर्ष 2019 में 923 के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद वर्ष 2024 में हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात घटकर ९१० रह गया, जो आत वर्षों में सबसे कम है। इन कार्यकताओं और नागरिक समाज के सदस्यों को चिंतित कर दिया है, हालांकि अधिकारियों ने नवीनतम आंकड़ों को मामूली उतार-चढ़ाव करार दिया है। वर्ष 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के अनुसार भारत में जन्म के समय कुल लिंगानुपात ९२९ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित आदर्श लिंगानुपात 950 से हरियाणा बहुत दूर है। राज्य आज तक इस आंकड़े को हासिल नहीं कर पाया है। लिंगानुपात में गिरावट का मतलब है कि राज्य में लड़कियों को गर्भ में ही मार दिया जा रहा है। आर्थिक प्रगति के बावजद हरियाणा में बड़ी संख्या में लोग अभी भी बेटों को प्राथमिकता देते हैं। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, लिंगानुपात को लेकर स्थिति में सुधार नहीं होगा। राज्य के लोगों में लड़कों को प्राथमिकता दिए जाने के कारण हरियाणा के पडोसी राज्यों में अल्ट्रासाउंड संचालकों और गर्भपात केंद्रों का धंधा खूब फल-फूल रहा है।

बदनामें हरियाणा का लिंगानुपात (एसआरबी यानी जन्म के समय लिंगानुपात) राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। 2024 के पहले 10 महीने यानी अक्टूबर तक लिंगानुपात 905 दर्ज किया गया। यह पिछले साल से 11 अंक कम है। वर्ष 2016 में इससे कम लिंगानपात दर्ज किया गया था। वर्ष 2019 में 923 के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद वर्ष 2024 में हरियाणा में जन्म के समय लिंगानुपात घटकर 910 रह गया, जो आठ वर्षों में सबसे कम है। इन आंकड़ों ने हरियाणा के कार्यकताओं और नागरिक समाज के सदस्यों को चिंतित कर दिया है, हालांकि अधिकारियों ने नवीनतम आंकड़ों को मामूली उतार-चढ़ाव करार दिया है। वर्ष 2021 में प्रकाशित राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार सर्वेक्षण-५ (एनएफएचएस-५) के अनसार, भारत में जन्म के समय कुल लिंगानुपात 929 था। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनशंसित आदर्श लिंगानुपात 950 से हरियाणा बहुत दूर है। राज्य आज तक इस आंकड़े को हासिल नहीं कर पाया है। लिंगानुपात में गिरावट का मतलब है कि राज्य में लड़िकयों को गर्भ में ही मार दिया जा रहा है। आर्थिक प्रगति के बावजद हरियाणा में बडी संख्या में लोग अभी भी बेटों को प्राथमिकता देते हैं। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, लिंगानुपात को लेकर स्थिति में सधार नहीं होगा। राज्य के लोगों में लड़कों को प्राथमिकता दिए जाने के कारण हरियाणा के पड़ोसी राज्यों में अल्ट्रासाउंड संचालकों और गर्भपात केंद्रों का धंधा खूब फल-फुल रहा है। इन राज्यों में ज्यादा सख्ती नहीं है। हरियाणा से लोग दलालों के जरिए यहां पहुंचते हैं और जांच व गर्भपात करवाते हैं। अल्ट्रासाउंड संचालक

गलत जानकारी भी देते हैं। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब लड़कों को लड़की बताकर गर्भपात करवा दिया गया। अल्टासाउंड करने वाले और गर्भपात करने वाले एक-दुसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक में इस पैमाने पर उल्लेखनीय सुधार करने वाले राज्य के लिए यह एक झटका है। 2014 में हरियाणा में लिंगानुपात सिर्फ 871 था। इस पर देशभर में भारी आक्रोश फैल गया और नागरिक समाज संगठनों, राज्य सरकार और केंद्र ने स्थिति को सुधारने के लिए ठोस प्रयास किए। हरियाणा में गिरते लिंगानुपात को देखते हुए प्रधानमंत्री

इसमें फिर से गिरावट शरू हो गई. जो अब तक जारी है। हालांकि, तब से लिंगानुपात में एक बार फिर से गिरावट देखी गई है, यह झटका ऐसे समय में आया है, जब राज्य की महिलाएं अंतरराष्ट्रीय मंचों सहित खेलों में और साथ ही शिक्षाविदों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। 2014 और 2019 के बीच हुई बढ़त प्री-डायग्नोस्टिक टेक्निक्स एक्ट, 1994 (पीएनडीटी एक्ट) के सख्त प्रवर्तन के साथ-साथ गहन जागरूकता अभियान के कारण हुई। इसका उद्देश्य हरियाणा में बड़े पैमाने पर जन्मपूर्व लिंग चयन और कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाना था, साथ ही साथ सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना था, जिसमें परिवार लड़कों को पसंद करते थे और लड़की को बोझ के

रूप में देखते थे। हरियाणा में बच्ची के जन्म पर 21000 रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान करने और सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से लडिकयों के लिए बैंक खाते खोलने के बावजद बालिकाओं को बोझ के रूप में क्यों देखा जाता है। कार्यकताओं का कहना है कि नजरिया बदलने के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है और हाल के वर्षों में कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के उद्देश्य से बनाए गए कानूनों का क्रियान्वयन ढीला पड़ गया है। लड़कों की पसंद के कारण राज्य में लड़िकयों की चाहत कम हो गई है, क्योंकि उनके परिवारों को डर है कि वे भागकर शादी करने के कारण भविष्य में बदनामी का कारण बन सकती हैं। उनके अनुसार, लड़कियां

परिवार की मदद नहीं कर सकती हैं। इसके विपरीत परिवारों को उनकी शादी में दहेज देना होगा। ऐसी सोच के कारण हरियाणा में लड़कों को शादी के लिए लड़िकयां नहीं मिल रही हैं। हरियाणा के अधिकतर गांवों में आमतौर पर ऐसी समस्या है। कई परिवारों में अगर लडिकयों का पालन-पोषण ठीक से नहीं किया जाता है तो वे कुपोषण का शिकार हो जाती हैं और कुछ समय बाद उनकी मौत भी हो जाती है। हरियाणा की आर्थिक तरक्की के बावजूद यहां की बड़ी आबादी की मानसिकता अब भी नहीं बदली है। जब तक लड़कों और लड़िकयों में भेदभाव की यह मानसिकता नहीं बदलेगी, हालात बेहतर नहीं होंगे।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)



रफी साहब की दरियादिली

हम्मद रफी साहब की दिरयादिली के हजारों किस्से हैं। हाल ही में प्रकाशित हुई पुस्तक दास्तान-ए-हेमलता में उनकी ऐसी ही दरियादिली का एक किस्सा हेमलता जी ने साझा किया है। रफी साहब जब भी अपने स्टेज शो करने जाते थे, तो हेमलता को अवश्य अपने साथ ले जाते। एक दिन रफी साहब ने उन्हें फोन किया कि शो के लिए कलकत्ते चलना है। इस शो के लिए रफी साहब की पत्नी बिलकिस बानो भी उनके साथ चल रही थीं। बंबई से सुबह छह बजे की फ्लाइट लेकर ये लोग कलकत्ता आठ बजे तक पहुंच गए। वहां जोरदार स्वागत हुआ और हल्का-फुल्का नाश्ता भी। शो के प्रमोटर द्वारा भेजी कार में सवार होते हुए रफी साहब ने ड्राइवर से पूछा भाई कितनी देर का सफर है। यही कोई दो घंटे का, उसने जवाब दिया। रफी साहब और हेमलता जी पिछली

वजह से थके हुए थे। इसी वजह से सो गए। कुछ देर बाद रफी साहब की आंख खली तो उन्होंने घड़ी देखी 11 बजने को थे। तब उन्होंने डाइवर से पछा, भाई कहीं हम आगे तो नहीं निकल आए हैं। उसने जवाब दिया, नहीं साहब अभी कुछ देर में पहुंच जाएंगे। तीनों लोग आपस में बातचीत करने लगे, लेकिन गाड़ी चलती ही जा रही थी। जब दोपहर हुई, तो रफी साहब को कुछ मजािकया अंदाज में कहा, क्यों भाई, क्या हमें वापस बंबई ले जा रहे हो। नहीं साहब, बस पहुंचने वाले हैं। तीनों को अब भूख के साथ थकावट भी लग रही थी, किंतु रफी साहब ऐसे में अपना संयम बनाए हुए थे। करीब एक बजे कार एक घाट के पास रुकी तो सबने चैन की सांस ली। लेकिन, यह खुशी ज्यादा समय तक टिकी नहीं रह पाई। उन्हें बताया गया कि अभी तो नाव पर सवार होकर नदी पार

पैसे के लिए गर्भ में पल रहे भ्रूण की

गए। नदी पार करने में करीब आधे घंटे का समय लगा। जैसे ही तीनों नदी पार कर घाट पहुंचे तो वहां एक शख्स ने इन मेहमानों को घोड़ा गाड़ी में बैठने को कहा। अब तो रफी साहब के मुंह से निकल ही पड़ा, या अल्लाह आज नसीब में क्या-क्या देखना लिखा है। घोड़ा गाड़ी मेहमानों को एक रेलवे स्टेशन पर ले गई। रेलवे स्टेशन देखकर रफी साहब ने कहा, बस अब हैरानी हुई। उन्होंने डाइवर से यही सवारी बची थी, अल्लाह। रफी साहब अभी भी शालीन बने रहे। सब रेलगाड़ी से शाम के छह बजे उस शहर में पहुंचे, जहां रात को प्रोग्राम होना था। वह प्रमोटर जिसने रफी साहब को बुक किया था, वहां आया हुआ था, लेकिन रफी साहब ने यहां पर भी उससे कोई शिकायत नहीं की। हां, उन्होंने उसे कुछ खाने-पीने का इंतजाम करने के लिए कहा। प्रमोटर तीनों को सर्किट हाउस ले गया। सर्किट हाउस बहुत छोटा और पुराना था। रफी साहब को तो बताया

नरेंद्र मोदी ने 2015 में बेटी बचाओ,

बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया था।

अभियान के बाद राज्य का

लिंगानुपात सुधर कर 2019 में 923

पर पहुंच गया। लेकिन, 2020 में

गया था, यह शहर समुद्र के किनारे बसा हुआ है, लेकिन रफी साहब तो अरब सागर से बंगाल की खाड़ी तक आ गए थे। खैर खाने में सबके लिए पुरी-सब्जी बनवाई गई। तीनों ने खाना खाया और थोड़ा आराम करने की इजाजत मांगी। बंगाल में म्यजिक नाइट रात भर चलती है। पहले स्थानीय कलाकार गाते हैं, फिर अतिथि कलाकार। इस लिहाज से हेमलता जी और रफी साहब को रात तीन बजे स्टेज पर पहुंचना था और सुबह छह बजे तक गाना था, क्योंकि तीनों लंबा सफर तय करके आए थे और सभी को आराम की सख्त जरूरत थी। लेकिन, सर्किट हाउस में सिर्फ एक पलंग था और उस पर भी एक ही आदमी सो सकता था, जबकि तीनों लोगों को गहरी नींद की जरूरत थी। किसी तरह एक पलंग का और इंतजाम किया गया और एक खाली बिस्तर लाया गया। एक पलंग पर रफी साहब और दूसरे पर उनकी पत्नी। हेमलता दोनों

पलंग के बीच में नीचे जमीन पर बिस्तर बिछा कर सो गईं। अभी थोड़ी ही देर हुई थी कि बाहर जोर-जोर से दरवाजा पीटना शुरू हो गया। तीनों की नींद तुरंत खुल गई। अभी एक भी नहीं बजा था। दरवाजा खोला तो सामने शो का प्रमोटर खड़ा था और वह अपनी छाती पीट-पीट कर रो रहा था और एक ही बात दोहराता जा रहा था। मैं बर्बाद हो गया सर। मैं लुट गया सर। रफी साहब अजीब असमंजस में थे। तब हेमलता ने थोड़ा गुस्से से उससे पूछा, साफ-साफ बताओ क्या हुआ है। इस पर प्रमोटर ने कांपते हुए कहा, मेरी बीवी भाग गई। बच्चों को साथ लेकर भाग गई। मैं बर्बाद हो गया, मैं लुट गया। रफी साहब उनकी बीवी और हेमलता को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि यह अचानक हुआ क्या है और यह आदमी पुलिस के पास जाने के बजाय हम लोगों के सामने क्यों रो रहा है। हेमलता ने फिर चिल्ला कर पूछा, हमसे क्या चाहिए। तब

प्रमोटर असली बात पर आया। उसने बताया कि तुफान आया था और सबकुछ उड़ा ले गया। पंडाल भी और उसका घर भी। उसकी बीवी उसे छोड़कर बच्चों के साथ कहीं चली गई। रफी साहब ने उसे सांत्वना देते हए कहा कि कोई बात नहीं। अगली बार जब तुम बुलाओगे, तो मैं फिर आ जाऊंगा। तब उसका रोना बंद हुआ। अगले दिन उसी तरह तीनों लोग वापस कलकत्ता हवाई अड़े पहंचे। शो का प्रमोटर भी साथ था। रफी साहब ने बोर्डिंग पास लिया और एयरपोर्ट में अंदर घुसने से पहले एक लिफाफा प्रमोटर के हाथ में पकड़ा दिया और साथ चल रहीं हेमलता से कहा, पीछे मुड़कर मत देखना। कुछ कदम आगे चलने के बाद हेमलता से रहा नहीं गया और मुड़कर देखा तो प्रमोटर वह लिफाफा पकड़े रोए जा रहा था। उसकी आंखों को देखकर लग रहा था मानो वह रफी साहब के पैरों में गिरना

Social Media Corner

सच के हक में.

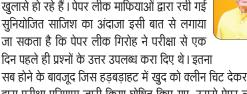
एम्स के बाहर नरक! देशभर से आए गरीब मरीज और उनके परिवार एम्स के बाहर ठंड, गंदगी और भूख के बीच सोने को मजबूर हैं। उनके पास न छत है, न खाना, न शौचालय और न पीने का पानी। बड़े–बड़े दावे करने वाली केंद्र और दिल्ली सरकार ने इस मानवीय संकट पर आंखें क्यों मूंद ली हैं?

के साथ रियासत का ध्वज फहरा दिया गया।



(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच जैसे– जैसे आगे बढ़ रही है, उससे चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पेपर लीक माफियाओं द्वारा रची गई सुनियोजित साजिश का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पेपर लीक गिरोह ने परीक्षा से एक



सब होने के बावजूद जिस हड़बड़ाहट में खुद को क्लीन चिट देकर आयोग द्वारा परीक्षा परिणाम जारी किया घोषित किए गए, उससे पेपर लीक की साजिश में आयोग की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, इस मामले की गंभीरता को समझते हुए आयोग की संभावित लापरवाही की जांच और पेपर लीक माफियाओं पर कटोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

धर्म के मांगलिक स्वरूप को संवर्धित करता है कुंभ

याग प्रागैतिहासिक तीर्थ है। प्रयाग अपने लुप्त है। नारद पुराण में लिखा है कि मकर आध्यात्मिक प्रभाव के लिए प्रक्यान है। जालिए पर्याने ने न प्रयाग का भारतीय सभ्यता-संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। ऋषियों-मुनियों ने प्रयाग और कुंभ का श्रद्धापूर्वक वर्णन किया है। सनातन धर्म के श्रद्धालु विश्वास रखते हैं कि तीर्थराज प्रयाग की यात्रा, दर्शन संगम स्नान से व्यक्ति सांसारिक आवागमन से मुक्त हो जाता है। कुंभ महाकुंभ पूरे संसार के लिए दुर्लभ घटना है। करोड़ों करोड़ लोग एक साथ कुंभ में संगम स्नान कर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाते हैं। प्रयागराज की महिमा के विशिष्ट होने के ऐतिहासिक, धार्मिक, पौराणिक, भौगोलिक आदि कई कारण हैं। गंगा-यमुना-सरस्वती संगम स्थल ही प्रयाग है। इसी कारण ब्रम्हादि देवताओं ने दिशा, दिकपाल लोकपाल, पितृगण, सनत कुमार आदि महर्षि गण,नदी, समुद्र, गंधर्व ,अप्सरा भगवान विष्णु और प्रजापित ने अपना निवास बनाया है। प्राकृतिक सुंदरता भी संगम में अद्वितीय है। अनेक पक्षियों का कलरव आनंदित करता है। प्रयाग की महिमा नारद पुराण में विशेष रूप से वर्णित है। प्रयाग का त्रिवेणी संगम कार्मिक तीर्थ है। अर्थात त्रिवेणी संगम में स्नान करने से राज्य, स्वर्ग, मोक्ष सब कुछ प्राप्त होता है। त्रिवेणी संगम में गंगा की धारा धवल और यमुना की

धारा हरित है। अंथःसलिला सरस्वती की धारा

समस्त देवता प्रयाग के त्रिवेणी संगम पर पहुंच जाते हैं। प्रयाग का महत्व तब और बढ़ जाता है, जब प्रत्येक बारह वर्ष बाद कुंभ योग होता है। वहीं छह वर्ष में अर्द्ध कुंभ योग आता है। इसी तरह प्रयाग के अतिरिक्त कुंभ राशि में जब बृहस्पति आ जाते हैं और मेष राशि में जब सूर्य आ जाते हैं, तो हरिद्वार में कुंभ लगता है। स्कंद पुराण के अनुसार, जब माघ महीने में सूर्य मकर राशि में होता है, गुरु जब मेष राशि में आ जाते हैं, तो प्रयाग में तीर्थराज कुंभ योग होता है। वाल्मीकि रामायण में प्रयाग का वर्णन है। महाभारत में प्रयाग की महिमा का यशोगान है। तीनों लोकों में प्रयाग सभी तीर्थों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। पुण्य स्थान है। प्रयाग में महात्मा बुद्ध द्वारा धर्म प्रचार का भी उल्लेख साहित्य में मिलता है। प्रयाग के निकट कौशांबी को सम्राट अशोक ने अपनी उप राजधानी बनाया था। वैदिक, बौद्धधर्म के साथ प्रयाग क्षेत्र में जैन धर्म के उत्कर्ष और प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ द्वारा प्रयाग के वटव्रक्ष के नीचे ध्यान लगाने का उल्लेख मध्यकालीन तीर्थमालाओं में है। प्रयाग, कौशांबी को अति प्राचीन नगर होने के साथ बौद्धों एवं जैन धर्मों प्रचारकों, विचारकों महापुरुषों की स्थली का गौरव भी है। चीनी यात्री ह्वेनसांग ईस्वी सन 644 के लगभग सम्राट हर्षवर्धन के साथ प्रयाग भी आया था। उसने लिखा. यहां अन्न बहुत पैदा होता है। फलों के वृक्ष भी खूब पैदा होते हैं। यहां की जलवायु ऊष्ण है। स्वास्थ्य के लिए अनुकूल है। यहां के लोग नम्र और सुशील हैं। यहां के लोगों को पठन-पाठन और विद्या से विशेष प्रेम है परंतु निर्मूल और असत्य सिद्धांत पर उनका अधिक विश्वास है। नगर में केवल दो संघाराम है। थोड़े से हीनयान संप्रदाय के अनुयायी हैं। दूसरी ओर पौराणिक देवताओं के मंदिर अधिक हैं। उनके अनुयायियों की संख्या बहुत है। नगर के दक्षिण और पश्चिम में एक चंपक वाटिका में बड़ा स्तूप है। स्तूप को सम्राट अशोक ने बनवाया था। इसकी दीवारें भूमि से अधिक ऊंची हैं। इसके बगल में एक और स्तूप है, जिसमें बुद्ध के केश और नख समाधिस्थ हैं। पुराणों में प्रयाग को सभी तीर्थों का अधिपति कहा गया है। कूर्म पुराण में प्रयाग को सर्वोतम तीर्थ कहा गया है। जैसे ग्रहों में सूर्य तथा तारागणों में चंद्रमा प्रमुख है, उसी प्रकार समस्त तीर्थों में प्रयाग सर्वोतम है। पदम् पुराण, विष्णु पुराण, मत्स्य पुराण सहित प्राचीन ग्रन्थों में प्रयाग संस्कृति का उल्लेख और कथाएं हैं। कुंभ भगवान विष्णु का प्रतीक है। कुंभ ज्ञान बुद्धि और आध्यात्मिक विकास का प्रतिनिधित्व करता है। प्राचीन ग्रंथों में कुंभ को एक पवित्र स्थल के रूप में वर्णित किया गया है।

सुरक्षा एवं धर्मपरायणता

बैकुंठ एकादशी के उपलक्ष्य में हर साल तिरुपति के तिरुमाला मंदिर में हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ने के बावजूद इस विश्व प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में भगदड़ दुर्लभ रही है। हालांकि 8 जनवरी की दुखद घटना धार्मिक तीर्थ स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों पर पुनर्विचार करने की जरूरत पर जोर देती है। धार्मिक भगदड़ों पर चर्चा में यह बात सामने आई थी कि वैश्विक स्तर पर भारत में धार्मिक भगदड़ों की तादाद सबसे ज्यादा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक, 1996 से 2022 के बीच देशभर में धार्मिक आयोजनों में होने वाली भगदड़ में 3000 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। यह आंकड़ा बड़े पैमाने पर ऐसे समारोहों के आयोजन और प्रबंधन के तौर-तरीकों में प्रणालीगत बदलाव की जरूरत को स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है। तिरुपति भगदड़, जिसके परिणामस्वरूप छह भक्तों की मौत हो गई और 40 से ज्यादा अन्य लोग घायल हो गए, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) और आंध्र प्रदेश सरकार की व्यापक व्यवस्था के बावजूद हुई। इस 10 दिवसीय बैकुंठ द्वार दर्शन के लिए एक सुविचारित व विकेंद्रित टोकन वितरण की रणनीति और 3000 से अधिक पुलिस कर्मियों व अन्य कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों की तैनाती जैसी एक व्यापक भीड़ नियंत्रण तंत्र स्थापित की गई थी। बहरहाल, ऐसा जान पड़ता है कि शहर के एक स्थान पर स्थित टोकन वितरण केंद्र पर भक्तों की भीड़ को संभालने के क्रम में हुई संवाद की गफलत की वजह से अराजकता और दहशत फैल गई। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने जिस जांच की घोषणा की है, उससे इस बात पर अधिक प्रकाश पड़ेगा कि चूक कहां हुई। यह त्रासदी हैदराबाद में एक और भगदड़ जैसी स्थिति के कुछ ही सप्ताह बाद सामने आई। भले ही टीटीडी वर्षों से संचालन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए सराहनीय प्रयास, ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली और चरम अवधि के दौरान अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर रहा है, लेकिन ऐसे आयोजनों के दौरान इंसानी व्यवहार का पैमाना और उसकी स्वतः स्फूर्तता नए रचनात्मक उपायों की मांग करती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

India-Afghan relations beyond Pakistan's shadow

The upscaling of India's relations with Afghanistan is not sudden and Pakistan-centric. The 90-minute warm exchanges between Indian Foreign Secretary Vikram Misri and Afghan Acting Foreign Minister Amir Khan Muttaqi last week in Dubai in the aftermath of the deteriorating Afghanistan-Pakistan relations were a coincidence. The Afghan Foreign Office stated that the meeting conformed to its determination to strengthen political and economic ties with India "as a significant regional and economic partner." India is equally determined to continue to connect with Afghans and prevent the hiatus that existed from the mid-1990s to 2001 (during the factional warfare within the Mujahideen government and the rule of the Taliban) when the Indian embassy and consulates remained shut. The Indian decision to step up India-Afghanistan relations is in line with India's progressive engagement with the Taliban. JP Singh, Indian government's point person for Afghanistan, pursued this periodically through contacts with the relevant Afghan authorities. Over time, both sides felt the need to expand their relations beyond humanitarian assistance from India in foodgrains, pesticides, vaccines, medicines and de-addiction and relief materials. Although the Taliban regime is noninclusive and mistreats minorities and women, the law-and-order situation has improved and opium cultivation has almost gone. Isolating the Taliban is unlikely to moderate them.

The conspiracy-obsessed Pakistani social media is viewing the Dubai meeting as a plot hatched against it. Its commentators invariably see any growing closeness between India and Afghanistan as two sides of a nutcracker trying to crush Pakistan. They disregard India's stake in Afghanistan's stability, the traditional connection between Indians and Afghans and the Indian security consideration (to assure itself that Afghan territory is not used by terrorist groups against India). India meets its strategic objective if Afghanistan can stand on its feet and make its own decisions. The establishment of the Islamic Emirate of Afghanistan led to triumphalism in Pakistan. The Taliban bristles at the suggestion that it is a Pakistani puppet. The Pakistani euphoria has since turned to disquiet because of the refusal of the Taliban leadership to accept its tutelage. To pressure the Taliban, Pakistan has pushed back Afghan refugees at a time when the authorities in Kabul cannot handle the numbers. Pakistani actions have resulted in unfriendly relations with three of its five neighbours — Afghanistan, India and Iran. Prime Minister Shehbaz Sharif described the recent Pakistani cross-border military strikes as a "teeth-breaking response" to the Taliban's perceived non-cooperation in curbing the activities of the Tehrik-e-Taliban Pakistan. Besides, Pakistan has a grudge against the Afghan refusal to acknowledge the Durand Line as the frontier between Afghanistan and Pakistan. Following border skirmishes between the two, Pakistani aerial bombardment of 83 locations in Afghanistan led to many civilian deaths, including women and children. The Pakistani punitive strikes have been "unequivocally" condemned by the Indian External Affairs Ministry spokesperson. The former army chief of Pakistan, General Ashfaq Parvez Kayani, altered the erstwhile Pakistani idea of establishing 'strategic depth' in Afghanistan — propounded by one of his distant predecessors, General Mirza Aslam Beg by qualifying that Pakistan should do so without control over Afghanistan. The Pakistani establishment has done the opposite — not just eschewing the quest for control but also engaging in aggression against Afghanistan. No wonder, the Afghan reaction is fierce. Acting Deputy Foreign Minister Sher Mohammad Abbas Stanikzai reminded Pakistan that though Pakistan had named its missiles Ghaznavi, Abdali and Babur, it should remember that Afghanistan had.

Political lessons of AAP's Delhi school model

India's education system is in urgent need for reform, yet in the rough and tumble of electoral promises, education rarely makes an appearance.

One of the biggest puzzles about Indian politics is the near absence of political competition around public goods like education (and health) in the electoral battlefield. It simply does not get as much public debate as it deserves, This is particularly puzzling because Indians care deeply about education and recognise it as the path to better jobs

India achieved near-universal enrolment in elementary education in the mid-2000s and it has stayed steady since; enrolment in secondary schools has been growing, as has the market for private schools and private tuitions. Between 2000 and 2022, the number of people with secondary education or higher levels doubled. However, most students are receiving an education of shoddy quality. At the elementary level, as ASER reports repeatedly remind us, just about 50 per cent (pre-Covid) of students in Class V can read a Class II textbook. This figure increases at the secondary level. The intense competition and scandals around competitive exams for higher education and the increasing unemployment rates amongst educated youth in India are testimony to this. India's education system is in urgent need for reform. Yet, in the rough and tumble of electoral promises, education rarely makes an appearance. While parties compete over subsidies and cash transfers, their silence on public goods like education is conspicuous. This is where the Aam Aadmi Party (AAP) in Delhi stood out. Soon after coming to power in 2015, the government announced its mission to 'revolutionise' education in Delhi. Despite the ups and downs through its decade in power, the party repeatedly deployed education as its key differentiator, the lynchpin of its "Delhi model". The party stood out because it made education an electoral issue. Today, a lot of this is being lost in the ugliness that has become the norm in election campaigns. The AAP, too, is shifting focus. It is looking more like its peers, doling out direct benefit cash transfers to women and playing the Hindutva game. Elections are a time to reflect on the big shifts that parties have engendered. The AAP's work on education was not without critique, but it was substantive. It offers a site to engage with the challenges of our education system. For several years, I had the opportunity, along with a team of researchers, to observe AAP's education reforms as they unfolded in Delhi's elementary schools (classes VI-VIII). In a recently published book, 'Lessons in State Capacity from Delhi's Schools', we reflect on what we had learnt. Most discussions on Delhi's education revolution focus on enhanced budgetary provisions and improvements in school infrastructure. But to me, what really stood out was the willingness to acknowledge and open a political dialogue on the fundamental challenge confronting the Indian education system: the obsession with mastering examinations through rote-learning. This is a system



obsessed with syllabus-completion rather than subjectmastery, with the goal of ensuring that the best students are made exam-ready. For teachers, pass percentages are the key metric to which they are held accountable by both the school system and parents. Rote-learning is the primary means to this end. I refer to this as the classroom consensus. It works for the best students, but for those left behind, the tyranny of syllabus completion and pass percentages has meant that the classroom simply does not cater to them. As Manish Sisodia, the architect of Delhi's school reforms, has said, the classroom is a victim of the curriculum, syllabus and textbooks. Much of what the Delhi education revolution did was aimed at disrupting the classroom consensus by experimenting with ways to ensure that basic, foundational literacy and numeracy skills were imparted to all students. It included infrastructure upgradation, building a cadre of mentor teachers, improving in-service training and exposure visits around the world, infusing campaigns to build foundational literacy and numeracy skills, along with aligning classrooms within a grade according to student learning levels (how close students were to curriculum level expectations). None of this was unchallenged. In schools, amongst teachers and educationists, questions were asked, debates held and ideas critiqued. Moreover, versions of these reform ideas have been tried out in some other states and in different ways, but rarely as a political project and never for long enough to disrupt the classroom consensus. Change was hard. There was confusion, resistance and active pushback at the school level. The spectre of syllabus-completion and examinations loomed, causing confusion in the messaging. Over time, a subtle but important shift took place. Consistent engagement

was held with schools on the dynamics of the classroom. Teachers were exposed to different ways students could acquire basic skills outside the framework of the syllabusexamination nexus. Regular "missions" that focussed on improving basic literacy and numeracy were infused. All this shifted the conversation. Teachers still spoke about students in terms of their exam-readiness, but now the gaps in student learning levels and the distance between curriculum expectations and the student in the last row of the classroom had entered the conversation, preparing the ground for a deeper change. There are lessons in this package of reform efforts for other states on how to improve foundational literacy and numeracy in primary schools, which is a key goal of the Union government's New Education Policy, 2021. Throughout the early years, a consistent attempt was made to make parent-teacher dialogue on student learning a routine through widely publicised mega parent-teacher meetings. Such engagement in government schools is rare. The quality of the mega parent teacher meetings was variable, but the political support they received and the stated goal of shifting the societal dialogue on education was important and a first for India. With the AAP's political battles in Delhi, the momentum for reforms in the government's second term slowed down. But it is important to recognise that in a political culture where welfare obligations of the state have been reduced to cash handouts, where bigotry, hate and the worst forms of identity politics are the primary offerings that politicians take to the hustings, for the first time, education was brought into the political discourse. This was significant and deserves attention in the cacophony of ugly, coarse political rhetoric that is now the norm in our electoral discourse.

Ace in space

Docking of satellites a new high for India

Getting off to a flying start in the new year under a new chief, the Indian Space Research Organisation (ISRO) has achieved yet another milestone by successfully performing the docking of satellites as a part of the Space Docking Experiment (SpaDeX). This exercise is expected to make the country better equipped for more ambitious and complex missions such as the Bharatiya Antriksha Station, Chandrayaan-4 and Gaganyaan. India's stature in space has gone up a few notches as it has become the fourth country — after the US, Russia and China — to accomplish the feat. It is remarkable that ISRO has bounced back from the Chandrayaan-2 heartbreak of 2019 to make rapid strides in the past couple of years, especially the Chandrayaan-3 soft-landing in 2023.

The strategic importance of the space sector cannot be overemphasised. The SpaDeX success comes amid a



fierce race between the US and China, which are both going all out to send a crew to the moon — the first since NASA's Apollo programme conducted its final mission in 1972. Just a few weeks ago, China accused

America of initiating "dangerous actions" to jeopardise global strategic stability after the US Space Force stationed a unit in Japan. Beijing itself has been speedily expanding its military capabilities in space. President Xi Jinping's "eternal dream" of building China into a space power has an ominous ring to it. This is worrisome not only for the US but also for its ally India, whose relations with China continue to be uneasy despite recent signs of

The Chinese challenge makes it imperative for India to develop cutting-edge capabilities to protect its space assets such as satellites and indigenous launch vehicles. This should go hand in hand with greater stress on research

and innovation to ensure that the country's space programme remains on course for human spaceflight and other key missions.

Producing biochar a profitable alternative to stubble burning

The pyrolyser, a portable and automated machine, is transforming crop waste management by converting it into biochar directly in the field.

Agriculture, the backbone of global food security and Carbon credits, a key driver of carbon-negative farming, economies, sustains billions of lives. However, the excessive use of fertilisers and pesticides since the Green Revolution has significantly degraded soil, depleting its carbon levels, a key indicator of soil health. Simultaneously, agriculture is a major contributor to climate change, with intensive farming practices releasing greenhouse gases (GHGs), such as carbon dioxide, methane and nitrous oxide into the atmosphere. The challenges facing agriculture in India are multifaceted: demand for fair crop prices and assured procurement, effective stubble management, deteriorating soil health, lack of crop diversification, depleting water levels and rising food demand, driven by a growing population.

Addressing these challenges requires innovative solutions that safeguard farmers' livelihoods, boost incomes and reduce environmental harm. Recognising their role in shaping a sustainable future, farmers are willing to adopt eco-friendly practices like carbon-negative farming, provided their profits remain intact. Carbon-negative farming involves practices that remove more GHGs from the atmosphere than they emit. It surpasses carbon neutrality, which merely balances emissions with removals. This approach uses natural methods to capture carbon dioxide and store it in the soil, which is the best place for carbon. Practices like agroforestry, cover cropping and biochar enable this transformation, with biochar emerging as particularly effective. Biochar is a carbon-rich material produced by heating crop residues through pyrolysis, a high-temperature, low-oxygen

process that sequesters carbon in the soil for centuries. Globally, Bhutan, Suriname and Panama are recognised as carbon-negative, with Sikkim leading as India's first carbon-negative state. These examples highlight the feasibility and impact of sustainable practices at both global and local levels.

offer farmers an opportunity to earn additional income. Each carbon credit certifies the removal of one metric tonne of carbon dioxide. These credits, calculated by using remote-sensing and AI-driven satellite data, enable farmers to monetise the carbon sequestered in their fields. As corporations strive for carbon neutrality, the demand for carbon credits is increasing rapidly. Private players are enrolling farmers in programmes that reward sustainable practices with carbon credits, positioning carbon-negative farming as both an environmental solution and a profitable venture. Crop residue management is one of agriculture's most pressing challenges. In Punjab and Haryana, stubble burning has escalated into a crisis, releasing massive GHGs and causing hazardous air pollution. This practice harms public health, degrades soil and pollutes the environment. A sustainable solution lies in producing biochar from stubble, unlike burning, which releases carbon into the atmosphere. Biochar locks carbon in the soil, transforming waste into a valuable resource.

The concept of biochar is not new. It dates back to ancient Amazonian agriculture, where it was used to create fertile "Terra Preta" soils that remain productive even today. Modern science has revived this practice, demonstrating its ability to improve soil health, enhance water retention, boost nutrient availability and reduce reliance on fertilisers. Farmers who adopt biochar often report increased yields and greater resilience to climate stresses within a single growing season.

However, scaling biochar production and adoption remain a significant challenge. In this context, the pyrolyser, a portable and automated machine developed by Applied Carbon, is transforming crop waste management by converting it into biochar directly in the field. The pyrolyser employs a high-temperature, low-oxygen process powered by syngas, a byproduct of pyrolysis, making it self-sustaining. Designed for ease of use, it integrates seamlessly with tractors and harvesters. Once biochar is produced, it is quenched with water, enriched with nutrients or microbes tailored to farmers' needs, and immediately applied to the fields. This process not only enhances soil fertility but also allows farmers to earn carbon credits, turning sustainable practices into a source of additional income. India, with its vast agricultural landscape, stands to benefit immensely from carbon-



negative farming. Punjab, a cornerstone of the nation's food security, contributes 40-45 per cent of India's wheat and 28-30 per cent of its rice. However, this productivity comes with challenges like stubble management, soil degradation and declining soil fertility.A promising solution offered by the pyrolyser involves converting stubble into biochar. This approach enables farmers to improve soil health, reduce air pollution and earn additional income through carbon credits. It addresses

India's twin challenges of feeding a growing population and meeting international climate commitments. Applied Carbon's pyrolyser has gained global recognition, with five prototypes developed and \$21.5 million raised for large-scale production. Microsoft, committed to becoming carbon-negative by 2030 and offsetting all historical emissions by 2050, has shown a keen interest in this technology. This collaboration underscores the growing synergy between corporate sustainability goals and transformative agricultural practices and offers a

blueprint for scaling such innovations. However, scaling the pyrolyser technology requires policy support, adequate funding and active publicprivate partnerships. Governments should provide subsidies, promote localised manufacturing and facilitate collaboration with agricultural engineers, technologists and AI experts to tailor solutions for local farming needs. These measures can ensure the widespread adoption of carbon-negative farming practices. Carbon-negative farming represents a transformative shift in agriculture, evolving it from a contributor to climate change into a part of the solution. By addressing challenges like GHG emissions, soil degradation and farmer livelihoods, it aligns agriculture with the broader goals of sustainability and environmental health.Pyrolyserbased sustainable farming practices can be both environmentally and economically viable, allowing

farmers to boost their incomes while contributing to a carbon-neutral and sustainable future. The benefits of carbon-negative farming extend far beyond individual farms. By improving soil health, strengthening food security and addressing stubble burning and climate change, it tackles critical global challenges. Adopting sustainable agriculture reflects a collective commitment to securing a healthier planet and a better future for generations to come.

Hero launches four new products at the Auto Expo

NEW DELHI. The country's largest two-wheeler maker Hero MotoCorp launched four new products at the Bharat Mobility Global Expo 2025. The new models include the Hero Xoom 125 (R 86,900), Hero Xoom 160 (R1,48,500), Hero Xpulse 210 (R 1,75,800), and Hero Xtreme 250R (R1,79,900). All four products will be available for booking from February 2025, with deliveries expected to commence in March 2025."Today two of our premium brands, Xtreme and Xpulse, have become even stronger. We have fortified our presence in the 125cc scooter segment and also ventured into the 160cc category with a Maxi Scooter," said Niranjan Gupta, Chief Executive Officer, Hero MotoCorp. He added, "The launch of these new models on the back of an already strong portfolio, will further boost our growth journey as we enter the next fiscal."Honda Motorcycle and Scooters India (HMSIL) also announced the prices of two electric scooters that were unveiled in November 2024. Prices for the affordable QC1 electric scooter start at R90,000 while the more premium Activa e starts at R1.17

TVS Motor showcased multiple new concepts at the expo, the most important being the Jupiter CNG Concept. TVS said that riders will be able to switch between petrol and CNG instantly, and it will offer a range of 226km with running costs of less than R1 per kilometre. TVS-owned British luxury motorcycle maker Norton Motorcycles is showcasing the Norton V4CR - the most powerful café racer from the UK.

Bharat Petroleum Corporation Limited signs loan agreement worth Rs 31,802 crore

NEW DELHI. BHARAT Petroleum Corporation Limited (BPCL) has signed a loan agreement worth R 31,802 crore with a consortium of six lenders led by the State Bank of India. The project, estimated to cost R 48,926 crore, aims to establish a petrochemical complex, including a 1.2 million metric tonnes per annum (MMTPA) ethylene cracker unit and an expansion of the refinery's capacity from 7.8 MMTPA to 11 MMTPA.

This expansion will enable BPCL to produce downstream petrochemical products such as Linear Low-Density Polyethylene (LLDPE), High-Density Polyethylene (HDPE), Polypropylene (PP), and other aromatics, significantly reducing India's dependence on imports.

We are delighted to achieve financial closure for our Bina Refinery Expansion cum Petrochemical Project, which aligns with India's broader strategy to boost industrial growth, infrastructure development, and increased industrial activity," said G Krishnakumar, Chairman & Managing Director, BPCL. "Upon completion, it will mark a significant milestone towards attaining Atma Nirbharata in petrochemical products and enhancing the energy security of the nation."

Budget 2025: Govt May Introduce New Income Tax Bill To Simplify I-T Law; All You **Need To Know**

NEW DELHI. In the upcoming Budget 2025 session of Parliament, the government is likely to introduce a new income tax bill to simplify the current I-T law, make it comprehensible and reduce the number of pages by about 60 per cent, news agency PTI has reported."The new Income Tax law will be introduced in the Budget session of Parliament. It will be a new law and not an amendment to the existing Act. Currently, the draft law is being vetted by the law ministry and it is likely to be brought in Parliament in the second half of the Budget session," according to the PTI report citing a The Budget session is scheduled from January 31 to

April 4. The first half (January 31-February 13) will start with President Droupadi Murmu's address to the joint sitting of Lok Sabha and Raya Sabha followed by the tabling of the Economic Survey for 2024-25. The Union Budget for 2025-26 will be presented on February 1. Parliament will reconvene on March 10 and will sit through April 4. Sitharaman in her July Budget had announced a

comprehensive review of the six-decade old Income Tax Act, 1961, within six months. Pursuant to the Budget announcement by Sitharaman for a comprehensive review of the I-T Act, 1961, the CBDT had set up an internal committee to oversee the review and make the Act concise, clear, and easy to understand, which will reduce disputes, litigation, and provide greater tax certainty to taxpayers. Also, 22 specialised sub-committees were established to review various aspects of the Act.

Public inputs and suggestions were invited in four categories — simplification of language, litigation reduction, compliance reduction, and redundant/obsolete provisions.

The Income Tax Department has received 6,500 suggestions from stakeholders on review of the Act.

Sources said the provisions and chapters will be significantly reduced and the obsolete provisions will be deleted. The Income Tax Act, 1961, which deals with imposition of direct taxes — personal I-T, corporate tax, securities transaction tax, besides gift and wealth tax — currently has about 298 sections and 23 chapters.

8th Pay Commission: What were the big changes in 7th and 6th Pay Commissions?

The Government has approved the formation of the 8th Pay **Commission for central** government employees and pensioners. Here is

a look at the salary hikes under the 7th and 6th Pay Commissions.

NEW DELHI. The Union Cabinet recently approved the formation of the 8th Pay Commission, which is set to revise salaries for lakhs of central government employees and pensioners.Union Minister Ashwini Vaishnaw suggested that the commission will likely be formed soon, and its recommendations will come into effect on January 1, 2026.

The announcement comes just days before the Union Budget 2025 and aims to align salaries with current economic conditions and inflation rates. As the anticipation around the 8th Pay Commission grows, here is a look at the major changes that were part of the 7th and 6th Pay Commissions.

SALARY AND PENSION HIKE IN 7TH PAY COMMISSION

The 7th Pay Commission came into effect on January 1, 2016. It introduced many major changes for central government employees.One of the most critical aspects was the fitment factor, which was set at 2.57.

What this meant was that the basic pay would be multiplied by 2.57, leading to increased salaries across all levels amongst central government staff.

The 7th Pay Commission also recommended a minimum basic salary of Rs 18,000, marking an increase from the

previous Rs 7,000 under the 6th Pay Commission.In addition, pensions saw a decent increase. For pensioners, the minimum basic pension rose to Rs 9,000, up from Rs 3,500 under the 6th Pay



Commission.

WHAT HAPPENED IN 6TH PAY **COMMISSION?**

The 6th Pay Commission, which was implemented in January 2006, improved salaries and pensions. The fitment factor under the 6th Pay Commission was 1.86. Therefore, the minimum basic salary was revised to Rs

7,000, up from Rs 2,750 in the 5th Pay Commission.Pensioners also benefited marginally, with the minimum basic pension increasing from Rs 1,275 to Rs 3,500 per month. WHAT TO EXPECT FROM THE

8TH PAY COMMISSION? As of now, nothing is clear about what exactly can be expected under the new pay commission. However, some reports suggest that it is expected to introduce a more major revision to salaries and pensions. Unconfirmed projections for the 8th Pay Commission indicate

that the fitment factor could range from 2.28 to 2.86. If this happens, the minimum basic pay may rise from Rs 18,000 to anywhere between Rs 41,000 and Rs 51,480, providing a big financial boost for central government employees.

Mixed Bag For Indian Stock Markets This Week, All Eyes On Trump's Inauguration

New Delhi. As Indian investors adopt a cautious approach ahead of the inauguration of Donald Trump as 47th US President and his comments with

focus on tariffs, this week was a mixed bag for the domestic benchmark indices. After three days of gains, the domestic market ended on a weak note on Friday as large-cap IT and banking stocks saw higher underperformance due to a cautious outlook on discretionary spending for the former and subdued deposit and credit growth, as well as tighter liquidity conditions for the

latter.In contrast, public sector banks (PSUs) performed well during the week. Sensex ended the week at 76,619.33 and Nifty settled at 23,203.2. The Nifty remained under bearish pressure for yet another

session. Nifty Bank ended at 49,540.6 down by 738.10 points or 1.50 per cent. The Nifty Midcap 100 index closed at 54,607.65 after climbing



123.85 points, or 0.23 per cent, while the Nifty Smallcap 100 index closed at 17,672.05 after adding 28.75 points, or 0.16 per cent. Since the recent peak in September 2024, the Nifty 50 has fallen by 11.5 per cent, with the Midcap index down 12 per cent and the Smallcap index sliding 11 per cent. The Q3 earnings season will be critical in restoring confidence and stability.

According to market watchers, investors are increasingly adopting a risk-averse stance due to strengthening of the dollar.

Furthermore, rising uncertainty over potential economic policies from the new US administration impacted overall sentiments. Overall, the market is expected to remain cautious in the short term due to moderate Q3 expectations, while persistent FII outflows could add to higher

volatility. Looking ahead, the incoming US President's policies and comments will be keenly watched with focus on tariffs. Higher inflation in Japan or tighter policy from BoJ will

PSU steel manufacturer RINL gets Rs 11,440-crore lifeline from government

NEW DELHI. The debt-laden Visakhapatnambased public sector company -- Rashtriya Ispat Nigam Limited (RINL) -- has got a new lease of life after the Central government on Friday approved a revival package of Rs 11,440 crore for the company. Of the Rs 11,440 crore, Rs 10,300 crore will be in the form of fresh equity infusion and Rs 1,140 crore will be for converting the working capital loan into preferred share capital."With this revival package, many of the historical legacy problems that RINL used to face will be resolved. Simultaneously, a lot of effort is going to be put in securing the raw material for RINL and the modernisation of the plant," said Ashwini Vaishnaw, Minister of Railways, Information & Broadcasting, and Electronics & Information Technology. The minister said that very soon RINL will start functioning with two glass furnaces, and by August this year, all the three glass furnaces would be operational. Vaishnaw further said that RINL has a very special position in the entire steel industry -- it is one of those plants, which is located at the coastal Andhra Pradesh in Vizag, and is very important for the overall steel sector of the

RINL has been under financial distress for quite some time, reporting losses and mounting debt for almost a decade now. In FY24, the company posted net losses of Rs 4,850 crore compared to Rs 2,850 crore in the previous year. The company's total debt at the end of FY24 was at Rs 17,000 crore. The Navratna PSU company has over 13,000 employees. The company has a total capacity of 10.8 million tonnes of manufacturing capacity. The Union government, which was once considering privatisation of RINL but had to stall the process after political opposition, had last year infused Rs 1,650 crore to help it tide over financial and operational issues.

According to Vaishnaw, the revival package would immensely benefit all employees of RINL and all the people connected with the economic activities of the company.

the importance of the steel sector in building an

International Monetary Fund Retains India's GDP Growth Forecast At 6.5% For FY26, FY27

Monetary Fund (IMF) retained India's growth forcastat 6.5 per cent for for fiscal 2026 and fiscal 2027, the global economic body said in its World Economic Outlook report. The IMF added, "In India, growth is projected to be solid at 6.5 percent in 2025 and 2026, as projected in October and in line with potential.'

The global body noted a slowdown in the Gross domestic product (GDP) growth rate adding that growth in India also slowed more than expected, led by a sharper-thanexpected deceleration in industrial activity."India's economic growth slowed in the second gurter of the current fiscal as it expanded only by 5.4 per cent whereas in the second quarter the GDP growth rate was recorded at 6.7 per cent. The GDP growth rate in



However, the economy still holds the tag of "world's fastest growing economy."

According to the November monthly economic review by the Finance Ministry, the fresh uncertainties have surfaced for global trade in the financial year 2026. However, despite the global challenges, the ministry in its report provides a cautiously optimistic

outlook for India. It predicts that growth in the second half of FY25 will be better than the first half.It said, "After a moderation in Q2 of FY25, the outlook for Q3 appears bright, as reflected in the performance of HFIs for October and November 2024." The report stated that the strong US dollar and potential policy rate adjustments in the United States are pressuring emerging market currencies.

On the international front, the IMF forecasted that global growth is projected at 3.3 percent in both 2025 and 2026, below the historical (2000-19) average of 3.7 percent. The forecast for 2025 is broadly unchanged from that in the October 2024 World Economic Outlook (WEO), primarily on account of an upward revision in the United States offsetting downward revisions in other major economies, the Washington-based organisation added.

Revival package In a post on X, PM Narendra Modi said the Visakhapatnam Steel Plant has a special place in the hearts and minds of the people of AP, and the revival package has been given "understanding

Big Boost For Food Processing Industry: Projects Worth Over Rs 30,000 Crore Approved Under PM Kisan Sampada Yojana

The PM Kisan Sampada Yojana aims to increase processing and preservation capacity by 428.04 LMT per annum, create 13.42 lakh jobs, and benefit 51.24 lakh farmers.

NEW DELHI. The Ministry of Finance has announced the approval of 1,646 food processing projects, including food testing labs and R&D initiatives, under various sub-schemes of the PM Kisan Sampada Yojana. These projects, approved until December 18, 2024, are valued at Rs 31,830.23 crore, with the potential to attract Rs 22,722.55 crore in private investment.Implemented by the Ministry of Food Processing Industries (MoFPI) since 2016-17, the PM Kisan



Sampada Yojana aims to increase processing and preservation capacity by 428.04 LMT per annum, create 13.42 lakh jobs, and benefit 51.24 lakh farmers. The government is committed to driving growth in agriculture and food processing by encouraging both private and public investments in areas such as aggregation, modern storage, efficient supply chains, processing, and marketing.

This push is aimed at increasing the level of food processing and enhancing the

export of processed foods by creating modern infrastructure with efficient supply chain management from farm gates to retail outlets.

PMFME Yojana: First Scheme for the PLI Scheme Update: **Unorganised Sector**

The PM Formalisation of Micro Food Processing Enterprises (PMFME) Yojana, a centrally sponsored scheme implemented by MoFPI since 2020-21, provides financial, technical, and business support for upgrading micro food processing enterprises. It is the first-

ever scheme for the unorganised sector. Under the PMFME Yojana, over 3.10 lakh SHGs have received seed capital support, and 1,14,388 individuals have benefited from credit linkage subsidies as of December 18, 2024. The Ministry of Finance also provided updates on financial support for the establishment of 50 multi-product food irradiation units in the MSME sector, as announced in the 2024-25 budget.

An Expression of Interest (EOI) was issued in August 2024 inviting proposals for the establishment of multi-product food irradiation units under the Integrated Cold Chain and Value Addition Infrastructure Scheme of PMKSY. So far, 20 project proposals have been received, and they are under scrutiny or evaluation in accordance with the scheme guidelines.

Regarding the PLI scheme for the food processing industry, the finance ministry reported that 133 companies are currently covered under the programme. Investments totalling Rs 8,910 crore have been attracted so far, and incentives worth Rs 1,084 crore have been disbursed in 85 eligible cases.

Don't invoke abetment of suicide mechanically, cops should be sensitised: Top court

►A bench of **Justices Abhay S** Oka and KV Viswanathan said the investigating agencies should be sensitised so that people were not subjected to the abuse of the process of a totally untenable prosecution.

New Delhi. The Supreme Court on Friday said the offence of abetment of suicide under the Indian Penal Code should not be invoked mechanically against individuals only to soothe feelings of the distraught family members of the person who has died. A bench of Justices Abhay S Oka and KV Viswanathan said the investigating agencies should be sensitised so that people were not subjected to the abuse of the process of a totally untenable prosecution.

Section 306 IPC appears to be casually and too readily resorted to by the police. While the persons involved in genuine cases where the threshold is met should not be spared, the provision should not be deployed against individuals, only to assuage the immediate feelings of the distraught family of the victim," said the bench.

"The conduct of the proposed accused and the victim," the court went on, "their interactions and conversations preceding the unfortunate death of the victim should be approached from a The judgment came on a plea filed by one practical point of view and not divorced from day-to-day realities of life. Hyperboles employed in exchanges should not, without



anything more, be glorified as an instigation to commit suicide."The top court said the trial courts also should exercise "great caution and circumspection" and should not adopt a "playit-safe syndrome" by mechanically framing charges, even if the investigating agencies in a given case showed utter disregard for the ingredients of Section 306.

Mahendra Awase challenging an order of the Madhya Pradesh High Court, which declined his prayer to discharge him from the offences

punishable under Section 306 of the IPC.According to the records, a person died by suicide and left a note in which he mentioned he was being harassed by Awase.Apart from the suicide note, the statements of witnesses were recorded that indicated the person who died was disturbed as Awase was harassing him over the repayment of a loan. The top court said, in order to bring a case within the purview of Section 306 of the IPC, there must be a case of suicide and in the commission of the said offence, the person alleged to have abetted the commission of suicide, must have played an active role by an act of instigation or by

doing certain act to facilitate the commission of suicide. The bench said it was convinced that there were no grounds to frame charges under Section 306 IPC against the appellant."A reading of the suicide note reveals that the appellant was asking the victim to repay the loan guaranteed by the victim. It could not be said that the appellant, by performing his duty of realising outstanding loans at the behest of his employer, can be said to have instigated the victim to die by suicide," the court said.

Probe Agency Restores Properties Worth Rs 290 Crore in Maharashtra Bank Scam

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED). Mumbai Zone, has restituted immovable properties worth Rs 289.54 crore to the Competent Authority, MPID appointed by the Government of Maharashtra in the case of M/s Pen Co-operative Urban Bank Ltd, an official said on Friday.A statement mentioned that the assets were provisionally attached by ED under Section 5 of Prevention of Money Laundering Act (PMLA), 2002 as the erstwhile office bearers had cheated the banks and siphoned off the bank funds for private investments.

The investigation was initiated based on the FIR registered by Pen Police Station, District Raigad, Maharashtra. It was alleged by the LEA in its chargesheet that office bearers of the bank entered into criminal conspiracy with the then Auditors of the Bank willfully and intentionally manipulated the books of accounts of Pen Bank and fraudulently reported profit and caused a loss of Rs. 651.35 Crore to the bank.ED investigations revealed that the proceeds generated out of crime of forgery and cheating was diverted and routed through the bogus cash credit accounts opened in the said bank using the services of cheque discounters in the market. The statement further read that part of such Proceed of Crime (POC) was utilised for purchase of immovable properties at different locations in Raigad District of Maharashtra in the names of third parties (Benami properties)."These Benami properties measuring 70.9 acres worth Rs. 25.20 Crore were attached u/s 5 of PMLA on 26.05.2014 and 03.12.2014. Further Prosecution Complaint dated 20.06.2018 has been filed in the subject case before Hon'ble Special Court, PMLA and the trial is underway," it read."In the meantime, a Criminal Writ Petition bearing was filed by one of Depositor of Pen Urban Cooperative Bank Ltd before the Hon'ble Bombay High Court praying for release of the properties attached under the PMLA. The Hon'ble Bombay High Court vide order dated 07.10.2016 directed the ED to hand over the properties to MPID. Against the said order, ED filed a SLP before the Apex Court vide order dated 03.11.2017 which granted a stay on the order of Hon'ble Bombay High Court. MPID authorities filed an application u/s 8(8) of PMLA dated 01.02.2019 before Hon'ble Special Court (PMLA), Mumbai to confiscate the attached property to MPID for its restitution," it further mentioned.

Land-for-jobs case: Delhi court issues production warrant for **Amit Katyal**

NEW DELHI. A Delhi court on Friday issued a warrant to produce accused Amit Katyal in the land for a job money laundering case on the next date of hearing scheduled on January 31.Katyal, who is currently lodged in Bhondsi Jail, Haryana, under judicial custody in connection with a case filed by the Gurugram Police, has been chargesheeted in the high-profile case involving former Railway Minister Lalu Prasad Yadav. The court's decision comes as the matter progresses towards critical stages, including the scrutiny of documents and the framing of charges. During the hearing, Special Judge



Vishal Gogne of Rouse Avenue Court queried the investigation officer about the status of prosecution sanctions against public servants.

Special Public Prosecutor (SPP) Manish Jain, under instructions from the investigation officer, informed the court that the process is underway. The Enforcement Directorate (ED) submitted documents as directed by the court, responding to pleas from the accused seeking access to relevant materials. The court urged the defense counsel to expedite the document scrutiny process to commence arguments on the framing of charges by early February. Earlier, on September 18, 2024, the court issued summons to Lalu Prasad Yadav, his sons Tejashwi Yadav and Tej Pratap Yadav, along with other accused in

Delhi University announces honorarium hike for staff working late or on holidays

NEW DELHI. The Delhi University on Friday announced a revision to its honorarium policy for staff working beyond regular hours or on closed days. The amendment, approved during the varsity's executive council (EC) meeting, provides increased payments for employees who report before 7:30 am, leave after 7:30 pm on working days, or work more than seven hours on Saturdays or closed days (over 60 days in a year). Under the new policy, Group A officers will receive Rs 400 for late sitting and Rs 800 for working on Saturdays or closed days.

Group B officials will be compensated Rs 300 for late sitting and Rs 600 for working on Saturdays/closed days, while Group C officials, including drivers, will receive Rs 250 and Rs 500, respectively. Additionally, the EC authorised prof Anil Kumar Aneja, Head of the Department of English and university representative on the governing body of St. Stephen's College, to facilitate communication between DU and St. Stephen's College to resolve any issues related to the college's operations, in line with the University's statutes, regulations, and UGC guidelines. Vice Chancellor Prof. Yogesh Singh also appointed two additional EC representatives, Aman Kumar and Raj Pal, to the committee to address these matters.

The EC also decided that the UGC NET scores from June 2024 and December 2024 will be considered for the second phase of PhD admissions for the academic session 2024-25. Candidates with a NET + JRF qualification will be given preference. Moreover, the EC approved an increase of 20-25% in PhD seats compared to the previous round of admissions. Moreover, DU employees will now have access to medical facilities at the Northern Railway Hospital.

All DU staff and its colleges will be eligible for OPD, IPD, diagnostic, and operative services on a reimbursement basis at CGHS rates, following approval of the proposal by the DUEC.

Ghazipur landfill residents decry broken promises as pollution, health crises persist

NEW DELHI. Nestled between East Delhi's Ghazipur landfill and the bustling wholesale meat and flower markets, about 400 families eke out a precarious existence.

These families. predominantly migrants from West Bengal, Bihar, and Uttar Pradesh, live off the refuse of a city that seems to have forgotten them. Despite political promises and high-profile visits, the towering mound of garbage remains an unrelenting source of misery. As Delhi gears up for another election cycle, political parties

are ramping up their campaigns. Yet, for the residents of Ghazipur, including Mullah Colony and Rajbir Colony, the rhetoric rings hollow. Promises made by former chief minister Arvind Kejriwal and even Prime Minister Narendra Modi have yet to translate into tangible improvements. The landfill's toxic shadow continues to loom large over their lives. Satbir, 32,



who has known no other home, articulates the perpetual health crises faced by the community. "Cough, fever, and respiratory diseases are constants here," he shares. The landfill's fires during the scorching summers release noxious fumes, exacerbating health issues. During the monsoons, clogged drains and overflowing sewage compound their woes.Raghunath, 41,

another resident, bears visible scars of the environmental neglect. "People fall sick and don't even realise it's due to the landfill's pollution. I've suffered from a persistent fungal infection," he laments. His words echo the collective despair of a community abandoned by its representatives. "We vote, but our issues remain," he says. Sriniwas, 71, a resident of over

four decades, recounts the worsening conditions. "Respiratory problems have

become a part of life here. During rains, the streets become rivers of filth," he says, holding up his medical prescriptions. His plea for a cleaner environment has long fallen on deaf



NEW DELHI. The Delhi High Court on constitutional validity of the order is recognition. The counsel argued that an Friday dismissed a petition filed by the without merit. Hence, the petition is election symbol is inherently tied to a

election symbols be reserved solely for recognised political parties. The bench, comprising Acting Chief Justice Vibhu Bakhru and Justice Tushar Rao Gedela, highlighted that the Supreme Court and the High Court had previously settled this matter in other cases.

The court clarified that political parties could not claim symbols as their exclusive property, especially when the

symbols could be lost due to poor electoral performance. The bench firmly said, "In light of prior rulings, the petitioner's challenge to the



contended that the party, once recognised, should retain the right to its traditional symbol—a plough on a farmer's shoulder-even after losing

Janata Party challenging the Election dismissed."The Janata Party's counsel political party, regardless of its

that the election symbol order unfairly discriminates between recognised and unrecognised parties. He further said that the order should not strip a party of its symbol simply because it failed to secure 6 per cent of the valid votes in the previous election.

Advocate Sidhant Kumar, representing the EC, countered that this issue had already been addressed and resolved by the Supreme Court in a previous case involving Subramanian

Swamy. The court agreed, affirming that the matter was no longer open for debate, thereby supporting the Election Commission's stance.

Delhi government releases first merit list for nursery admissions 2025-26

NEW DELHI. The Department of Education (DoE) of the Delhi government released the first merit list for nursery admissions for the 2025-26 academic session on Friday.Parents will have the opportunity to raise any concerns regarding allotments from January 18 to 27. If necessary, a second merit list will be published on February 3,



with a resolution window available from February 5 to 11. The DoE has confirmed that the second list will include the marks allocated to applicants, and any additional admission lists will be issued on February 26, 2025. The entire admission process, including query resolution, is expected to conclude by February 14, 2025. As per the policy, children must be at least three

years old for nursery, four years old for kindergarten (KG), and five years old for Class 1 as of March 31, 2025. The upper age limits are capped at under four years for nursery and under

Parties cite public service to justify candidates having criminal cases: Report

New Delhi. Political parties have given reasons, such as "strong administrative capacity", "commitment to public service" and claims of cases being "politically motivated", for selecting candidates with criminal records in the 2024 Maharashtra and Jharkhand Assembly elections, poll rights body ADR said on Friday.

In many cases, the parties dismissed alternative

candidates as lacking experience or the An ADR report revealed that such ability to connect with voters, using these explanations to side-step questions about their choices, the Association for Democratic Reforms (ADR) said. The ADR has analysed Form C7 of 1,286 candidates, who contested the Maharashtra and Jharkhand Assembly polls. Form C7 requires candidates to declare their



criminal antecedents, if any.

reasoning often failed to meet the Supreme Court's directive requiring detailed, merit-based justifications for selecting candidates with criminal backgrounds. Instead, statements like "the candidate is young and energetic" or "cases were filed due to public agitation" were repeatedly used. Despite these assertions, 29 per cent candidates

in Maharashtra and 20 per cent in Jharkhand had no justification published for their selection, a direct violation of the Supreme Court's orders. For instance, in Maharashtra, Digamber Rohidas Aagwane of the Rashtriya Samaj Paksha, facing 35 criminal cases, was described as an "influential leader" dedicated to the poor, with no viable explanation for bypassing candidates without criminal records. Similarly, the selection of Congress's Sanjay Chandukaka Jagtap and Bunty Baba Shelke, facing 27 and 26 cases respectively, as candidates was justified on grounds of administrative experience and alleged political victimisation. The report also highlighted non-compliance with mandatory disclosures.

In Maharashtra, the NCP-Sharadchandra Pawar faction and the Shiv Sena (Uddhav Balasaheb Thackeray) failed to provide justifications for any of their candidates with criminal cases.Similar lapses were noted in Jharkhand, where the Jharkhand Mukti Morcha (JMM) did not disclose reasons for selecting any of its candidates with criminal records. The ADR has called for urgent reforms, including deregistration of the non-compliant parties, disqualification of candidates with serious criminal charges and stricter monitoring by the Election Commission (EC).In Maharashtra, 48 per cent of the analysed candidates (503 out of 1,052) declared criminal cases, with 32 per cent facing serious charges.In Jharkhand, 45 per cent candidates (105 out of 234) declared criminal cases, with 35 per cent facing serious charges.BJP candidate Babulal Marandi, facing 15 cases, was praised for his social service credentials and allegations against him were dismissed as politically driven. The report criticised political parties for prioritising "winnability" over integrity and accused the EC of failing to enforce compliance effectively.

Chinese Employee Who Won Rs 7 Crore Lottery At Company Event Asked To Return Prize

World. A Chinese man who won more than 6 million yuan (approximately Rs 7 Crore) in a lottery at a year-end company party was asked to return the prize money. According to the South China Morning Post, a company in Ningbo, Zhejiang province, China, held its annual year-end party in 2019. It distributed over 500 lottery tickets to employees to enhance the festive atmosphere. However, when one employee secured the top prize of 6 million yuan, the firm requested the winner to return the prize so it could be evenly distributed among all attendees.

The win had caused a buzz among the employees, with many sharing the news on social media. "Come join our company, six million lottery wins are just a regular perk! Message me for job openings," joked one employee, as per SCMP. Another remarked, "Our annual party handed out lottery tickets, and someone won the jackpot! This is probably the closest I will ever get to such a huge prize."However, things took a dramatic turn when the company demanded that the winner return the ticket. The firm argued that the large prize should be divided among all the partygoers. But when the winner refused, the dispute escalated and had to be sorted out at the local police station.

Authorities from the Yinzhou district confirmed that they had addressed the matter. "It was a civil dispute, and we advised the parties to resolve it through legal channels," police said. Adding to the drama, it was later revealed that the lottery draw took place two days before the tickets were distributed to staff. It was also disclosed that the company had instructed the finance department to ensure that no winning tickets were handed out.

Los Angeles Firefighter Finds Lost Wedding Ring In **Rubble Of Burned Home**

World. A firefighter and his wife were overcome with emotion after he found his wedding ring amid the rubble of their home, now destroyed in the Los Angeles wildfires. Pasadena Fire Engineer Chien Yu, accompanied by CNN's Erin Burnett, was searching through the rubble when one of his colleagues discovered a silver ring and handed it to him. Upon realising it was his wedding ring, which had been misplaced in the chaos, he showed it to his wife. Overcome with emotion, the couple hugged and cried outside their destroyed home, where they had lived for nearly eight years.

'That's it-oh my God!" Mr Yu said after fellow firefighters dug through the ruins of his home and found the ring. Asked how he expected his wife would react, Chien Yu said that she had no idea it was missing. Filled with emotion, she said, "What! Oh, my gosh!" and froze for a moment before the two hugged each other. Speaking to CNN, Mr Yu said when he saw the fire approaching last week, he evacuated his wife and two children before buckling up for a 16-hour shift combating the fire in his neighbourhood. He had no idea his home had been demolished until he got off work that day. The couple and their two sons have moved, but the kids are having a hard time adjusting. "It's never going to be the same for the kids," he said. "They're doing the best they can, you know?" They frequently ask when they can go back to their house or return to school, which was destroyed in the fire and was located next door, said Mr Yu.

According to the California Department of Forestry and Fire Protection, the Eaton Fire had burned 14.117 acres of land and is 55 per cent contained as of January 16. The Palisades Fire has burned 23,713 acres and is 27 per cent contained. At least 27 people have died and the death count may climb further, as per the Los Angeles County Medical Examiner. Over 30 people are still reported missing.

Russian attack kills four in Kyiv: City's military administration

KYIV. A Russian attack has killed four people and injured three in the Ukrainian capital of Kyiv, the city's military administration said Saturday."We already have four dead in Shevchenkivsky district," said Tymur Tkachenko, head of Kyiv's military administration, in a Telegram post, adding that three people were injured.

Hours earlier, Kyiv's mayor Vitali Klitschko warned of a "ballistic missile threat" against the capital and said the city's air defence was activated.

He later said a building in Shevchenkivsky district had its windows broken, with smoke coming from it,



while a water pipeline in the area was damaged.In addition, a metro station near the city's centre also suffered damage and was temporarily closed, with Kyiv's trains bypassing that stop, Klitschko said. The attack -- a rare strike on the heart of the Ukrainian capital -- came as Kyiv has upped its aerial attacks on Russian energy and military facilities in recent months. Kyiv's army has hit several Russian oil depots recently, including two major strikes on a facility near a military airfield in Russia's Saratov region that triggered days-long blazes.

Also on Saturday, Russian forces "attacked the centre" of Zaporizhzhia, injuring two people, according to local governor Ivan Fedorov. An administrative building of an industrial facility was partially damaged, he said.

Canada ups the ante, warns of 'biggest trade war' over Trump tariff threat

Canadian PM Justin Trudeau said that if a "worst-case scenario" trade war ensues between the US and Canada, Ottawa won't hesitate to take strong retaliatory measures.

World. Canadian Prime Minister Justin Trudeau vowed to hit back if incoming US President Donald Trump follows through on his threat to impose punishing tariffs on Canadian imports, warning that such a move could trigger the biggest trade war between the two countries in decades."No one wants to see US tariffs imposed on our goods. But Canada will be ready with a national response if we need one, Trudeau said on Friday at a meeting of the newly created Canada-US Relations

The 18-member body, composed of representatives from the auto industry, unions, agriculture, and other sectors, was assembled to bolster Canada's strategy in dealing with Trump's policies.

"We've brought leaders in business, labour, and policy to the table. People from different fields, parties, and parts of the country — all on Team Canada," added Trudeau, who recently resigned as Prime Minister.Canada sends 75 per cent of its exports to the US, and the proposed tariffs could have a devastating economic impact on both countries. Trudeau stated that if a "worst-case scenario" trade war ensues, Canada won't hesitate to take strong retaliatory measures."If push comes to shove, we will be strong and unequivocal in



our defence of Canada and Canadians," he said.Canadian Foreign Minister Mélanie Jolv echoed the stern sentiment, warning of immediate counter-tariffs. "The Americans would be starting a trade war against us. We are ready to put maximum pressure," she said during a press meet in Washington.

We have a series of measures that are already prepared, certainly, tariffs linked to imports," Joly said. "If the President goes ahead on Monday, we will be ready. And we are ready for a second round and a third round."According to a report by Radio Canada, the Trudeau government is

that could be unveiled as soon as Trump is sworn in on January 20. An initial round of counter-tariffs will reportedly target \$37 billion in US goods, with additional measures prepared to affect up to \$110 billion if necessary. The countermeasures are designed to minimise harm to the Canadian economy while demonstrating the cost of a trade war to the US. Trump, set to return to the White House next week, has made clear his intention to impose 25 per cent tariffs on Canada as part of a broader economic policy targeting key trading partners like Mexico, China and India. He argues the measures are necessary to tighten border security and curb entry of drugs like fentanyl into the United States.

Trudeau has dismissed the premise, maintaining that less than 1 per cent of irregular migrants and fentanyl flowing into the US come from Canada. Ottawa also recently announced a C\$1.3 billion (\$909 million) border security plan in response to Washington's concerns.

Biden commutes sentences of

2,500 non-violent offenders in

a day, sets record

Washington. President Joe Biden on Friday commuted

the sentences of nearly 2,500 people convicted of non-

violent drug offences in what the White House called

the largest single-day act of clemency in US

history. Those whose sentences were commuted were

serving "disproportionately long sentences" compared

to what they would receive today, Biden said in a

statement.He called the move "an important step

toward righting historic wrongs, correcting sentencing

disparities, and providing deserving individuals the

opportunity to return to their families.""With this

action, I have now issued more individual pardons and

commutations than any president in US history," Biden

said, adding that he may issue further commutations or

pardons before he hands over power to President-elect

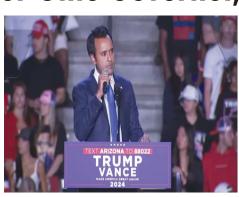
Donald Trump on Monday. The outgoing president said

Parody Account Claims Vivek Ramaswamy Will Run For Ohio Governor, He Reacts

World. Vivek Ramaswamy thinks running for Ohio Governor is "not a bad idea." The Indian-American biotech entrepreneur sparked speculation after responding to a parody account on X (formerly Twitter) that claimed he was officially announcing his candidacy. The post read, "I am officially announcing my candidacy for governor of Ohio. I am ready to lead with vision, integrity, and a commitment to addressing the needs of every Ohioan."The former presidential candidate quickly clarified, "Note - the below is a parody account. (Not a bad

Mr Ramaswamy's comment came a day after sources close to him said he was preparing to run for governor as Ohio's current Republican leader, Mike DeWine, approaches the end of his term. DeWine cannot seek re-election

idea, though)."



in 2026.

Vivek Ramaswamy's base plan remains the same: to achieve accomplishments within Donald Trump's Department of Government Efficiency initiative (DOGE) before announcing a gubernatorial run," an Ohio political operative shared with Fox News.Mr Ramaswamy, an Ohio native, was appointed alongside billionaire Elon

Musk to lead DOGE, which aims to restructure the federal government, reduce regulations, and cut expenditures. Donald Trump has set a deadline for DOGE's work to be completed "no later than July 4, 2026" - ahead of the Ohio governor's race set for November that year. Another source familiar with Mr Ramaswamy's strategy confirmed that plans are already in motion. "The statement is drafted. It is ready," they told The Washington Post, adding that his official announcement might come after DeWine selects a replacement for Vice President-elect JD Vance in the Senate.On Friday, Governor Mike DeWine announced that Lt. Gov. Jon Husted would temporarily fill the US Senate seat vacated by former Senator



Israel Will Release 737 Prisoners In 1st Phase Of Gaza Truce Deal

Jerusalem. Israel's justice ministry has said 737 prisoners and detainees will be freed as part of the first phase of the Gaza ceasefire and hostage release deal approved Saturday. It said in a statement on its website that "the

government approves" the "release (of) 737 prisoners and detainees" currently in the custody of the prison service.

Israel's cabinet voted to approve the ceasefire deal early Saturday, according to Prime Minister Benjamin Netanyahu's office, ending days of uncertainty about whether the truce would go into effect this weekend.

Those named by the ministry include men, women and children who it said will not be released before Sunday at 4:00 pm local time (1400 GMT).It

had previously published a list of 95 Palestinian prisoners, the majority women, to be freed in exchange for Israeli captives in Gaza.

Among those on the expanded list was Zakaria Zubeidi, a chief of the armed

Abbas's Fatah party. Zubeidi escaped Detained in late December in the West from Israel's Gilboa prison with five other Palestinians in 2021, sparking a days-long manhunt, and is lauded by Palestinians as a hero. Also to be freed



is Khalida Jarar, a leftist Palestinian lawmaker whom Israel arrested and imprisoned on several occasions.

Jarar is a prominent member of the Popular Front for the Liberation of Palestine, a group designated a "terrorist organisation" by Israel, the

wing of Palestinian president Mahmud United States and the European Union. Bank, a Palestinian territory occupied by Israel since 1967, the 60-year-old has been held since then without

ahead of Monday's inauguration.

Two sources close to Hamas told AFP that the first group of hostages to be released consists of three Israeli women soldiers. However, since the Palestinian Islamist movement considers any Israeli of military age who has completed mandatory service a soldier, the reference could also apply to civilians abducted during the attack that triggered the war. The first three names on a list obtained by AFP of the 33 hostages set to be released in the first phase are women under 30

who were not in military service on the day of the Hamas attack. Justice ministry spokeswoman Noga Katz has said the final number of prisoners to be released in the first swap would depend on the number of live hostages released

those receiving clemency had received lengthy sentences based on now-discredited distinctions between crack and powder cocaine, which have disproportionately impacted the Black community.

Historically, there have been considerably more crack cocaine convictions involving Black offenders than whites and the disparate sentencing policy has been condemned as racist.Kara Gotsch, executive director of The Sentencing Project, which campaigns for prison reform, welcomed the White House clemency action, saying it would provide "relief for countless families who have endured punishments for loved ones that far exceed their utility.""Cruel and excessive prison sentences that have overwhelmingly harmed Black communities have been the cornerstone of federal drug policy for generations," Gotsch said in a statement. "American communities, disproportionately Black and Brown, have long borne the scars of the Drug War." Biden commuted the sentences of nearly 1,500 people and pardoned 39 others last month. Among those pardoned in December was Biden's son Hunter, who was facing a possible prison sentence after being convicted of gun and tax crimes. Biden has meanwhile reportedly been debating whether to issue blanket preemptive pardons for some allies and former officials amid fears they could be targeted for what Trump has previously called "retribution." In December, Biden also commuted the death sentences of 37 of the 40 inmates on federal death row. Three men were excluded from the move: one of the 2013 Boston Marathon bombers, a gunman who murdered.

Israel Approves Gaza Ceasefire Deal, Set To Begin Today

Jerusalem. Israel's cabinet voted to approve a Gaza ceasefire and hostage release deal on Saturday, the office of Prime Minister Benjamin Netanyahu said, ending days of uncertainty about whether the truce would go into effect this weekend. The ceasefire, set to begin Sunday, would halt fighting and bombardment in Gaza's deadliest-ever war. t would also enable the release of hostages

held in the territory since Hamas's October 7, 2023 attack on Israel in exchange for hundreds of Palestinian prisoners from Israeli jails."The government has approved the hostage return plan", Netanyahu's office said early Saturday morning after the cabinet held its vote. The justice ministry published a list of 95 Palestinians to be freed starting Sunday, "subject to government approval". They include 69

women, 16 men and 10 minors.

Israeli strikes have killed dozens since the ceasefire deal was announced, with the military saying Thursday it had hit about 50 targets across Gaza over the previous 24 hours. The truce is to take effect on the eve of the inauguration of Donald Trump, who claimed credit for working with outgoing US President Joe Biden's team to seal the deal. It was earlier approved by Israel's security cabinet, with Netanyahu's office saying it "supports achieving the objectives of the war". Palestinian President Mahmud Abbas said the Palestinian Authority has completed preparations "to assume full responsibility in Gaza" after the war.Even before the truce begins, displaced Gazans were preparing to return home."I will go to kiss my land," said Nasr al-Gharabli, who fled his home in Gaza City for a camp further south. "If I die on my land, it would be better than being here as a displaced person."In Israel, there was joy but also anguish over the remaining hostages taken in the Hamas attack.Kfir Bibas, whose second birthday falls on Saturday, is the youngest hostage. Hamas said in November 2023 that Kfir, his four-year-old brother Ariel and their mother Shiri had died in an air strike, but with the Israeli military yet to confirm their deaths, many are clinging to hope."I think of them, these two little redheads, and I get shivers," said 70-yearold Osnat Nyska, whose grandchildren attended nursery with the Bibas brothers.

'Confident'

Two far-right ministers had voiced opposition to the deal, with one threatening to quit the cabinet, but US Secretary of



State Antony Blinken said prior to the vote he believed the ceasefire would proceed."I am confident, and I fully expect that implementation will begin, as we said, on Sunday," he said.

Gaza's civil defence agency said Israel pounded several areas of the territory, killing more than 100 people and wounding hundreds more since the deal was announced on Wednesday. Hamas's armed wing, the Ezzedine al-Qassam Brigades, warned that Israeli strikes were risking the lives of hostages and could turn their "freedom... into a tragedy".

The October 7, 2023 attack on Israel resulted in the deaths of 1,210 people, mostly civilians, according to an AFP tally of Israeli official figures.Of the 251 people taken hostage, 94 are still in Gaza, including 34 the Israeli military says are dead.Israel's retaliatory campaign has destroyed much of Gaza, killing 46,876 people, most of them civilians, according to figures from the Hamas-run territory's health ministry that the UN considers reliable.

Trump and Biden

The ceasefire agreement followed intensified efforts by mediators Qatar, the United States and Egypt after months of fruitless negotiations. In the days of talks, Biden pointman Brett McGurk was joined in the region by Trump envoy Steve Witkoff in an unusual pairing to get the deal over the line, US officials said.

'If we weren't involved... the deal would've never happened," Trump said in an interview Thursday.Qatari Prime Minister Sheikh Mohammed bin Abdulrahman bin Jassim Al-Thani, announcing the agreement on Wednesday, said an initial 42-day ceasefire would see 33 hostages released.

Australian Open: India's men's doubles challenge over as Sriram Balaji exits

New Delhi . India's challenge at the men's doubles event at the Australian Open 2025 has come to an end as N. Sriram Balaji and his partner Miguel Angel Reyes-Varela exited the competition in the second round on Saturday, January 18. Balaji and Reyes-Varela put in a valiant effort against Nuno Borges and Francisco Cabral but ultimately lost in a hard-fought 3-set clash on Saturday by a scoreline of 6-7, 6-4, 3-6. Balaji was India's only remaining hope in the men's doubles as the likes of Rohan Bopanna, Ritvik Bollapalli and Anirudh Chandrasekar had exited the competition in the very first round. The match between both teams was evenly-contested from the get-go as they were stingy in giving away break points and it was 6-6 in the first set as we headed into

While Balaji and Reyes-Varela won the first point in the tiebreaker, Borges and Cabral put in a clinical performance to win it 6-1 to



take the first set.

Balaji and Reyes-Varela mount a comeback

The Indo-Mexican pair weren't left disappointed after being blanked in the first set tiebreaker and started the second one by breaking the Portuguese duo. They made it 2-0 with Reyes-Varela serving before Borges-Cabral started to use their own service game effectively to make cut the deficit down to one. Game 10 of the second set saw Balaji and Reyes-Varela race into 40-0 and have 3 set points to their name. While the Portuguese duo was able to save one of them, the Indo-Mexican pair would take the set to tie the match at 1-1 and push it

The 3rd and final set saw both teams start off by winning from their serves before the match turned on its head in Game 4. From Reyes-Varela's serve, Borges-Cabral were able to break the Indo-Mexican pair to take a 3-1 lead and never showed signs off letting it slip.Balaji and Reyes-Varela tried their best, but ended up losing the match in 2 hours and

Premier League: Manchester United legend Denis Law dies at 84

New Delhi. Manchester United legend and announced on Friday, January 18. Law, who began his career with Huddersfield Town, made a name for himself at United. The Scottish legend spent 11 years at Manchester United and won the league titles in 1965 and 1967 and the European Cup in 1968. The United legend scored 237 goals for the club in 404 appearances and is the club's thirdhighest goalscorer behind Wayne Rooney and Sir Bobby Charlton. Along with Charlton and George Best, Law formed one of the most feared footballing partnerships of all time, which was fondly dubbed as the 'holy trinity' by the Manchester United fans. Law is the only Scottish player to win the Ballon d'Or and the European Player Of The Year awards as he got the honours in 1964.



Law's family issued a statement through United announcing the demise of the legend on Friday."It is with a heavy heart that we tell you our father Denis Law has sadly passed away. He fought a tough battle but finally he is now at peace," a family statement shared by United said."We would like to thank everyone who contributed to his wellbeing and care, past and much more recently.""We know how much people supported and loved him and that love was always appreciated and made the difference. Thank you."United would also release a statement of their own, saying that everyone at the club are mourning the loss of one of the club's greatest players of

'Everyone at Manchester United is mourning the loss of Denis Law, the King of the Stretford End, who has passed away, aged 84," United added in a statement."He will always be celebrated as one of the club's greatest and most beloved players. The ultimate goal-scorer, his flair, spirit and love for the game made him the hero of a generation."

Family's happiness after Arjuna Award win has motivated me more: Sanjay

New Delhi . For Sanjay, his rise in the Indian Award has motivated him more to achieve implement those lessons in our game. This The last time the Hockey India League was men's hockey team has been spectacular. After first tasting success in the youth Olympic Games in Argentina in 2018, the young defender went on to make his debut for the senior team in 2022 and has been a regular fixture of the squad ever since. Success would quickly follow the 23-yearold from Haryana as he would win the Asian Games 2022 gold medal and also secured 2 Asian Champions trophies in 2023 and

The biggest crowning moment for Sanjay came in Paris when he helped India win the bronze medal at the Olympics 2024 to continue his fine run. These consistent performances have now helped the young defender be one of the athletes to receive the prestigious Arjuna Award, which he received from President Droupadi Murmu on January 17. Ahead of this glorious personal moment, Indiatoday.in got the chance to talk to the defender, who is plying his trade now with the Kalinga Lancers in the Hockey India League. The 23-year-old opened up on his experiences so far in the revamped HIL, learning the art of dragflicking from teammate Alexander Hendrickx and how winning the Arjuna

Sanjay exclusive interaction

great. I've learnt a lot, especially by getting the opportunity to play alongside some of the world's top players. Every moment, whether it's in the gym, on the field, or during our free time, has been a chance to learn from them. It's an excellent platform to prove my performance and show that I deserve to be part of the Indian team. This league is a big opportunity for all Indian players.

What is your personal goal for this season?Sanjay: My personal goal is to perform well for my franchise, give my 100 percent, stay fit, and

avoid injuries. I also want to prove myself and ensure that I get selected for the upcoming Indian squad. How do you think the Hockey India League will help Indian hockey grow? Sanjay: Definitely, it's a huge boost. For emerging players, juniors, and young players like me, it will increase our confidence. Playing alongside top players will help us understand their skills, and learning from senior players will allow us to

Sanjay: So far, the experience has been really You're being groomed as a drag-flicker. How Sanjay: Anything is possible. We are taking it



has your experience been, especially playing with someone like Alexander Hendrickx?Sanjay: Alexander is undoubtedly one of the world's top dragflickers, and playing alongside him has been an amazing experience. Whenever we have free time, I try to learn as much as I can from him and ask questions. He has so many skills, and I hope to utilise those lessons in the future. Playing with such a big player is

will surely benefit the Indian team in the held, Kalinga Lancers won the title. Do you think that's possible this time?

> match by match and not thinking too far ahead. Our focus is on giving 100 percent against the team we face next and implementing the plans step by step. Can you describe the moment when you won the Arjuna Award? How

Sanjay: It was like a dream come true, and I felt incredibly proud of myself. I was very happy, and when I shared the news with my family, seeing their happiness motivated me even more. Their joy and the thought of receiving such a prestigious award has inspired me to work even harder to bring medals for the

country and achieve more accolades. It's the New Year. What are your personal goals for this hockey season? Sanjay: Right now, the focus is on performing well in the HIL. I want to play well for my team, contribute to our victories, and also ensure my personal performance is up to the mark. My main goal is to get selected for the Indian team's squad, and after that, focus on the upcoming

Australian Open: Rybakina braves injury to beat Yastremska, advances to 4th round

New Delhi . Elena Rybakina progressed to the fourth round of the Australian Open 2025 as she beat Dayana Yastremska 6-3, 6-4 in the third round fixture at John Cain Arena on Saturday, January 18. Rybakina had to battle through an injury as she took a medical break during the first set but didn't let it affect her and got the better of her Ukrainian rival.Rybakina broke her opponent in the fourth game of the first set and eventually sealed it 6-3.

However, Yastremska fought back bravely in the second set as she broke Rybakina early in the second game itself, before Rybakina also made a comeback by earning a break point in the next game.

She further broke her opponent again in the



fifth game to take the lead. The 2023 finalist was made to work hard in the second set by Yastremska before she eventually sealed the win. Following her victory, Rybakina admitted that it wasn't easy for her to stay in the game after her injury and revealed that her ultra-aggressive gameplay helped her get the better of her opponent."Well. honestly, I didn't know how it's going to go because it came out the facade and I didn't expect, and of course it was not easy. I knew that, it will be very difficult for me to stay long in the rally, so I was trying just to play aggressive, sometimes risk a little bit more. So, yeah, really happy that it went on my way then,' said Rybakina during her on court interview after the game.

Meanwhile, apart from her, Daria Kasatkina also made it to the fourth round, beating Yulia Putintseva 7-5, 6-1 at Show Court Arena. Eva Lys

also progressed ahead in the tournament with a remarkable win against Jaqueline Cristian after losing the first set at Court 3. The German managed to seal the next two sets 6-3, 6-3 after going down 4-6 in the first

Australian Open: Gael Monfils creates history by knocking out 4th seed Taylor Fritz

New Delhi. Veteran Gael Monfils rolled back the years and produced a stunning performance to dump out Taylor Fritz from the third round of the Australian Open on Saturday, January 18. Monfils, after losing the first set, put in a determined performance to win the match with a scoreline of 3-6, 7-5, 7-6, 6-4 in a titanic battle at the Margaret Court Arena and created history in the process. The Frenchman, at the age of 38, became the oldest player to defeat a top 5 seeded player in the Australian Open since the ATP rankings came into place. Monfils had a rough start to the campaign, as he had to survive a 5-set thriller against Giovanni Mpetshi Perricard before beating Daniel Altmaier in straight sets. The 38-year-old was certainly the undergo heading into the clash against Fritz and the first set didn't go in his favour. Both men started off by matching each other as their service games were on point, with the



Dinesh Karthik questions Hardik Pandya's removal from vice captaincy in T20Is

Ballon d'Or winner Denis Law has died at the New Delhi. Former India cricketer-turned know. I don't know why he (Hardik) was with Rohit Sharma making his return to the age of 84, the Premier League club commentator Dinesh Karthik has stripped of his vice-captaincy. I don't see T20I side just ahead of the World Cup 2024 questioned Hardik Pandya's removal from vice captaincy in the Indian T20I side.

Pandya was surprisingly not chosen to lead the team after Rohit Sharma's retirement from the format after the T20 World Cup 2024, with Suryakumar Yadav being handed over the leadership duties.Pandya was not even chosen as the vicecaptain of the team, with Shubman Gill being appointed as Suryakumar's deputy for India's first series post T20 World Cup against Sri Lanka. Even after Gill lost his place in the T20I side, the selectors didn't name any vice-captain for

the last two series against Bangladesh and

However, they chose all-rounder Axar Patel as the new vice-captain for the upcoming series against England. The move left Karthik baffled, who saw no reason to not choose Pandya even as a vice captain. "I really don't any reason to. They have done well. They Pandya was stripped of his responsibility. have won in the bilaterals that he was the Hardik continues his brilliant form in T20Is



vice-captain. Not a clue," Karthik said on Cricbuzz.Pandya was handed over the responsibility of leading the Indian T20I side after their semi-final exit from the T20 World Cup 2022. The all-rounder captained the team in 16 matches and led them to 11 victories, losing five matches. However,

Following Rohit's retirement from the format after India's T20 World Cup 2024 triumph, Pandya was expected to be handed over the leadership duties. However, the selectors picked Suryakumar Yadav as the new skipper and didn't appoint the allrounder even as the vicecaptain.Chief Selector Ajit Agarkar was even asked about the reason behind Suryakumar's appointment in the press conference as he revealed that they needed someone who's available more often than not. Meanwhile, despite him not being

considered for leadership roles, Pandya has been performing well for the team as he was adjudged Player of the Series in India's 3-0 victory over Bangladesh in October 2024. The all-rounder was the vital cog in India's T20 World Cup win in 2024 and continues to be an integral member of the team due to his all-round skills.

score being in the favour of the American at 4-3. Monfils committed a few errors while serving and a double fault at the end helped Fritz break him and extend the lead to 5-3. He would then serve out to win the first set.

Monfils shows off his strength

Both men once again were on top of their game when it came to their service, with Monfils serving up a total of 24 aces throughout the contest. With the score at 6-5, Monfils would be able to break Fritz, who was being left frustrated with what was happening.

The third set continued the same trend as the first two as both men dominated while serving and the game went into the tiebreaker. Monfils was able to dominate his opponent during the tiebreaker with some powerful shots and critical errors from Fritz. He raced into a 6-0 lead in the tiebreaker and while Fritz got one back, the Frenchman took the lead in the match. The third set saw Fritz pick himself up and put in a fight, with both men playing an entertaining Game 4 that went on for 12

Rishabh Pant has almost reached the same level as MS Dhoni: Mohammad Kaif

Former India cricketer **Mohammad Kaif feels India wicketkeeper** batter Rishabh Pant has almost reached the same level as legendary wicketkeeper MS Dhoni.

New Delhi. Former India cricketer Mohammad Kaif feels Rishabh Pant has reached the same level as legendary India wicketkeeper-batter MS Dhoni. Ahead of the squad announcement for the ICC Champions

Trophy 2025, there have been widespread discussions about who will take the wicketkeeper's slot for the mega event, with KL Rahul, Rishabh Pant and Sanju Samson being in contention.

Recently, Kaif shared his views on the matter and mentioned how Samson has left Pant behind with his recent T20I performances. However, he mentioned that Pant's remarkable performances in Test cricket have made him almost reach the same level as MS Dhoni.Sanju Samson has gone ahead. You have to understand this. With Rishabh Pant, people have their emotions attached. He is a big match-winner in Tests. Who can forget his knock at the Gabba and the hundred in South Africa? He performs well in overseas conditions. He is a good wicketkeeper. Rishabh Pant is a better wicketkeeper than Sanju Samson; he has almost reached the same level as MS Dhoni,"



Mohammad Kaif said on his YouTube channel.

Furthermore, the former batter said that Pant needs to understand that his white-ball stats are not that good as compared to Samson."Rishabh Pant needs to recognise the reality. If someone tells him 'wrong things are being done with you', they are not telling the right things. Rishabh Pant should stay away from such friends. Someone needs to tell him that his white-ball stats are not that great. Sanju Samson has genuinely earned that chance to go to the Champions Trophy. Rishabh Pant needs to work hard," he added.

Pant vs Samson in ODI cricket

In 31 ODIs played in his career so far, Pant has scored 871 runs at an average of 33.50 with five fifties and one hundred to his name. On the other hand, Samson has scored 510 runs from 16 matches at an average of 56.66 with one hundred and three fifties to his name. He even scored a hundred in his last ODI played against South Africa in Paarl in December 2023. The 30-year-old is in sensational form, having scored three hundreds in his last five T20Is. Hence, Samson finds himself ahead in the race for selection for the Champions Trophy 2025. It remains to be seen whether he will get the selectors' nod for the mega event.

Tamannaah Bhatia

Reviews Aaman Devgan And Rasha Thadani's 'Incredible Film' Azaad

ebutants Aman Devgan and Rasha Thadani starrer Azaad has finally opened in theatres, marking the official entry of the two young actors in Bollywood. Both hailing from the family of stars, with Aaman being the nephew of acting powerhouse Ajay Devgn and Rasha walking in the footsteps of her mother Raveena Tandon, expectations remain high for their performances in the historical drama. Ahead of the film's release, the makers hosted a star-studded premiere for the entire team, drawing the likes of celebrities like Ajay Devgn, Kajol, Raveena Tandon, Boney Kapoor, Sonali Bendre, Vijay Varma, and others. Tamannaah Bhatia also made a stunning appearance at the event dressed in a 'Uyiiii Amma' themed T-shirt, seemingly showing her support for Rasha's debut. Keeping it casual, the actress paired her T-shirt with baggy jeans, exuding cool yet chic vibes at the event. For those unaware, Uyi Amma is a dance number from the Azaad featuring Rasha

Thadani. The song has been recently trending on social media with its catchy lyrics, dance steps, and music already turning into a sensation. Besides giving a shoutout to the song, Tamannaah also did not forget to share her personal review of the

film.

Taking to her Instagram stories, she shared a picture featuring the lead actors with director Abhishek Kapoor and wrote, "What an incredible film and such genuine performances. This is the kinda cinema experience we need."Besides the core team taking centrestage in the photo, we cannot help but notice Vijay Verma in the background. During her appearance at the premiere, Tamannaah also had a fun banter with the paparazzi who teased her with the

song lyrics. While she humbly posed for pictures, she also praised the track and called it "Super." Opened in theatres on Friday, January 17, Azaad tells the story of Govind (Aaman Devgan) who admires a dacoit Vikram Singh's (Ajay Devgn) black horse

As the story unfolds, Govind will be seen locking horns with Janaki, the daughter of landlord Roy Bahadur, further setting the stage for a complex narrative around their lives in the pre-independence era.





riptii Dimri, known for her stint in Animal, Bulbbul, and more, is a complete travel enthusiast. Her social media handles are proof of the same. In the last month of 2024, she embarked on a journey to Prague, Finland and other surreal locations. Yet again, the actress went on a trip to an undisclosed destination. She shared a video on her social media handle capturing some of the best moments from there, which served pure travel goals. Taking to her Instagram account, Triptii Dimri posted a long reel featuring some stunning moments from her



recent vacation. The video began with the actress wearing a powder blue-hued flowy dress and riding on her cycle amidst the surreal nature of the place. From the floral garden to the small hills located over there, it seemed that the video was shot in France. As the scene changed from a sunny evening to an aesthetic location inside a building, the actress was descending the stairs. In the background, we can spot stacks of books kept on a wooden shelf engraved on the white walls. Her video also featured iconic glimpses of various locations, sneak peeks into her road

journeys, staycations and more. For a lazy evening in France, Dimri was wearing a flowy black dress while staring at the beauty of the place. Next, she was also seen cycling through the cosy lanes of the French cities, wandering in flower gardens, plucking freshly harvested berries and even diving into some, walking through the lush green colonies and more. The actress ended the video with a moment captured during sunset. She was wearing a pink-hued bralette teamed with shorts while embracing the nature. Posting the video, she wrote, "A little bit of flowers.. a little bit of sun... and a whole lot of happiness." Soon, her fans started heaping praises on the actress for serving some pure travel goals. One user said, "We need a vlog on "Tripts on Vacation" please!! These clips are so beautiful, hope you had an amaaazing time darling girl!!" Another person mentioned, "This is more beautiful than Bollywood films." Someone added, "You make Europe look even more beautiful." One more comment read, "What fun! What a beautiful place."It is not the first time Dimri mesmerised her fans with stunning glimpses from her vacation. She enjoyed a snowy vacation in Finland, followed by her New Year celebration while watching the Northern lights – all of which served her travel goals. On the work front, Dimri appeared in three films in 2024 – Bad Newz, Vicky Vidya Ka Woh Wala Video and Bhool Bhulaiyaa 3. She will be next seen in the movie Dhadak 2.

Kangana Ranaut Praises Vikrant Massey After Calling Him A 'Cockroach': 'Who Am I To Judge Him?'



angana Ranaut's Emergency finally hits theaters today after enduring multiple delays and challenges. While much of the buzz surrounds Kangana's portrayal of former Prime Minister Indira Gandhi, the actor-filmmaker recently opened up about her changed dynamic with Vikrant Massey, the lead actor of The Sabarmati Report. Their relationship, once fraught with tension, has seemingly taken a surprising turn. Speaking on Shubhankar Mishra's Unplugged podcast, Kangana addressed her past feud with Vikrant, whom she had previously labeled a "cockroach" on social media. The incident stemmed from Vikrant's comment on Yami Gautam's bridal look, where he described her as "pure and pious like Radhe Maa." Kangana had famously replied, "Kahan se nikla ye cockroach. Laao meri chappal (Where did this cockroach come from, bring my slippers)."Fast forward to 2025, and Kangana has shifted her perspective. Reflecting on Vikrant's performance in The Sabarmati Report, she shared, "When I saw The Sabarmati Report, I told him that I liked his work. We must understand that every person has the potential to change. We shouldn't cage them or label them. Doing that is the biggest toxicity in Hindi cinema."

Kangana emphasized the importance of allowing room for growth, adding, "Who am I to judge him or anyone? Whatever capacity they are engaging with me, I will respond accordingly. There is a chance that he (Vikrant) can go back to feeling the way he did before the film. But having said that, it is much better than being so strict with your ideology that it makes you feel constricted and caged."Meanwhile, Emergency has finally released in theaters, with Kangana revealing she had contemplated an OTT release to avoid the obstacles of theatrical distribution. "There was an increased level of frustration about why I took the challenge of releasing the film in theatres.

Soni Razdan Calls Out Media Portal For Posting Saif Ali Khan's House Pics After Attack: 'Irresponsible'



eteran actress Soni Razdan has slammed a media portal for posting inside pictures of Saif Ali Khan's residence, hours after he was attacked by an intruder at his home. She was disappointed with the news portal for their 'incredibly irresponsible' post, and demanded its removal from social media. Saif Ali Khan was stabbed by an intruder at his residence in the wee hours of January 16. The Bollywood star was stabbed six times by the robber following which he was rushed to Lilavati Hospital. The actor is now out of danger. Soni Razdan reacted to India Today's post on Instagram that was titled 'Inside Saif Ali Khan's Rs 45 crore Bandra home where he was stabbed.' The following slide in the carousel showed an image of Saif's building, the entrance area, swimming pool, lobby and the courtyard. The next slide showed a map of Bandra, which was marked with the locations of Salman Khan, Shah Rukh Khan, Naseeruddin Shah, Sohail Khan, Aamir Khan, Rekha and other celebrities' homes. Soni Razdan commented on the post, and criticized this irresponsible post. "This is an incredibly irresponsible post. When will our press show even the tiniest bit of maturity and responsibility in the face of what could have been a monumental tragedy? Suggestion from me. Delete this post while you still can save some face," she wrote.

Yesterday, filmmaker Hansal Mehta also took to X (previously Twitter), and wrote, "Unfortunate incident with Saif. Prayers for his speedy recovery. But why the f**k are media reports giving out his residential address?"Meanwhile, on Thursday night, Kareena Kapoor Khan also issued a statement and appealed for privacy as their family processes the traumatic experience. "It has been an incredibly challenging day for our family, and we are still trying to process the events that have unfolded. I respectfully and humbly request that the media and paparazzi refrain from relentless speculation and coverage." She expressed concern for their safety, urging the media to respect their boundaries: "The constant scrutiny and attention are not only overwhelming but also pose a significant risk to our safety. I kindly request your cooperation during this sensitive time," she wrote. The attacker has now been arrested by the Mumbai Police.Yesterday, after the news of the attack on Saif Ali Khan emerged, celebrities such as Jr NTR, Chiranjeevi, Parineeti Chopra, Pulkit Samrat, Pooja Bhatt, Neil Nitin Mukesh and others wished him a quick recovery.